राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार,20अगस्त2020 वर्ष-3, अंक -204 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रियंका गांधी की एक साल पुरानी टिप्पणी को बीजेपी के इशारे पर दिया जा रहा है तूलः सुरजेवाला

नई दिल्ली।

कांग्रेस ने, प्रियंका गांधी वाद्रा की ओर से पार्टी के अध्यक्ष की जिम्मेदारी नेहरू-गांधी परिवार के बाहर के किसी व्यक्ति को सौंपने की पैरवी किए जाने के, दावे की पृष्ठभूमि में बुधवार को कहा कि यह टिप्पणी एक साल पुरानी है और पार्टी के हर कार्यकर्ता की यह भावना है कि राहुल गांधी ही एक बार फिर से कांग्रेस की कमान संभालें। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने यह आरोप भी लगाया कि प्रियंका गांधी की एक साल पुरानी टिप्पणी को भाजपा के इशारे पर तूल दिया जा रहा है। दरअसल, हाल ही में आई एक पुस्तक इंडिया टुमॉरो में दावा किया गया है कि प्रियंका गांधी ने राहुल गांधी की उस बात का समर्थन किया है जिसमें उन्होंने कहा था कि गांधी परिवार के बाहर के व्यक्ति को कांग्रेस अध्यक्ष नियुक्त किया जाना चाहिए। सुरजेवाला ने इस पर ट्वीट किया, नेहरू-गांधी परिवार ने सत्ता के मोह से दूर, सदा सेवाभाव से कांग्रेस को एक सूत्र में बांधे रखा है। 2004 में सोनिया गांधी ने सत्ता के बजाय पार्टी की सेवा चुनी। 2019 में राहुल गांधी ने भी दृढ़ विश्वास की हिम्मत दिखाई और कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने दावा किया, हम प्रियंका गांधी की एक वर्ष पुरानी टिप्पणी (1 जुलाई, 2019) में अचानक उपजी मीडिया के एक धड़े की रूचि (सत्तारूढ़ भाजपा के इशारे पर) के खेल को समझते हैं। आज समय ... मोदी-शाह द्वारा भारतीय लोकतंत्र पर किए जा रहे बर्बरतापूर्ण हमले का सामना करने और निडरता से इससे लोहा लेने का है। सुरजेवाला ने कहा, लाखों कांग्रेस कार्यकर्ता राहुल गांधी के उस अथक संघर्ष व संकल्प के गवाह हैं, जिससे उन्होंने इस लड़ाई का नेतृत्व किया है। न तो उन्होंने विपरीत परिस्थितियों की परवाह की और न ही मोदी सरकार के वीभत्स हमलों की। यही वह निडरता और अदम्य साहस है जिसकी कांग्रेस को ही नहीं, बल्कि देश को सबसे ज़्यादा जरूरत है।

पुस्तक में किए गए दावे के बारे में पूछे जाने पर कांग्रेस प्रवक्ता शक्ति सिंह गोहिल ने संवाददाताओं से कहा, नेहरू-गांधी परिवार का बड़प्पन है ।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर बोले संजय राउत- सुशांत मामले में मुंबई पुलिस ने की थी सही जांच

नेशनल डेस्क।

सुशांत सिंह राजपूत केस में सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर शिवसेना ने नाराजगी जताई है। शिवसेना सांसद संजय राउत ने कहा कि सुशांत केस में पहले दिन से ही राजनीति हो रही है। उन्होंने कहा कि मुंबई पुलिस ने सही जांच की है, उन पर गलत आरोप लगाए जा रहे हैं। संजय राउत ने कहा कि महाराष्ट्र एक ऐसा राज्य है जहां हमेशा कानून की व्यवस्था सबसे ऊपर रही है, ये कानून का राज्य है यहां सत्य और न्याय की जीत हमेशा होती है। यहां की पुलिस, न्याय व्यवस्था, शासन हमेशा ये देखता आया है कि कितना भी बड़ा या छोटा व्यक्ति हो कानून से ऊपर कोई नहीं है। शिवसेना नेता ने कहा कि कानूनी कार्रवाई के बारे सरकार में जो कानून के जानकार हैं या मुंबई पुलिस के कमिश्नर या एडवोकेट जनरल ही सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर बात कर सकते हैं, मेरे लिए इस पर बात करना सही नहीं है। बीजेपी की ओर से गृह मंत्री अनिल देशमुख का इस्तीफा मांगने पर राउत ने कहा कि अगर इस्तीफे की बात निकलेगी तो दिल्ली तक जाएगी। सोच समझकर लोगों को टिप्पणी करनी चाहिए। दरअसल उच्चतम न्यायालय ने राजपूत की मौत की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराये जाने का आदेश दे दिया है। इस पर महाराष्ट्र सरकार के वकील ने कहा कि हम फैसले को चुनौती देंगे। सुप्रीम कोर्ट ने इसके जवाब में कहा कि आप पहले फैसले को पढ़िए, फिर रिव्यू पीटिशन दायर करने के बारे में सोचिए।

कश्मीर मुद्दे पर भारत के खिलाफ पाक के सुर में सिर मिला रहा तुर्की

इंटरनेशनल डेस्क। पाकिस्तान को कश्मीर और आंतकवाद के मुद्दों पर वैश्विक मंच पर हमेशा मुंह की खानी पड़ी है। कश्मीर को लेकर भारत के खिलाफ दुनिया भर में रोना रोने वाले पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय समुदाय से समर्थन नहीं मिला । उसकी करतूतों को लेकर अमेरिका, ब्रिटेन समेत कई पड़ोसी मुल्कों ने भी उससे किनारा किया हुआ है। मगर इस दौरान एक देश तुर्की है जो न सिर्फ पाक की नापाक करतूतों को नजरअंदाज कर रहा है बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर उसके साथ खड़ा भी दिख रहा है। कश्मीर मुद्दे पर तुर्की पाक के साथ भारत के खिलाफ सुर मिलाता खड़ा दिखता है । इस साल की शुरुआत में तुर्की के राष्ट्रपति ने पाकिस्तान की संसद को संबोधित किया था और कश्मीर समेत अन्य मुद्दों पर पाक को समर्थन देने की बात कही थी। इसके बाद भारत सरकार ने उनकी सभी बातों और दावों को खारिज करते हुए जम्मू-कश्मीर को अपना आंतरिक मामला बताया है। तुर्की के राष्ट्रपति की इस बयानबाजी के बाद से दोनों देशों के बीच संबंधों पर असर पड़ रहा है। आर्दोआन ने कहा था कि कश्मीर जितना पाकिस्तान के लिए अहम है उतना ही तुर्की के लिए भी है, हमने इस मामले को संयुक्त राष्ट्र की आम सभा में भी उठाया था। इसके बाद भारत सरकार ने उनकी सभी बातों और दावों को खारिज करते हुए जम्मू-कश्मीर को अपना आंतरिक मामला बताया है। दरअसल, भारत और तुर्की के नागरिक एक-दूसरे को ठीक से जानते नहीं है और ऐसे में आपसी पूर्वाग्रह दूर करने का कोई रास्ता नहीं है। तुर्की में पाकिस्तान के नागरिकों की छवि भाई की है तो भारतीयों की छवि गोपूजक की। ऐसी स्थितियों में मूल आधार पर पाकिस्तान और तुर्की के संबंध ज्यादा बेहतर हैं और कश्मीर जैसे मामलों में तुर्की उसके साथ खड़ा होता है। पाकिस्तान कई मुद्दों बाकी देशों के विरोध के बावजूद तुर्की का समर्थन करता रहा है। इसके बदले उसे तुर्की की मदद मिलती है। आर्दोआन ने कहा- इंटरगवर्नमेंटल फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स की तरफ से आतंकवाद न रोक पाने पर पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में डालने के बाद चीन, मलेशिया और तुर्की ने ही उसकी मदद की। भारत में तुर्की के प्रति नाराजगी का एक कारण तख्तापलट की कोशिश के दौरान वहां मानवाधिकारों का हनन भी रहा। प्रति नाराजगी का एक कारण तख्तापलट की कोशिश के दौरान वहां मानवाधिकारों का हनन भी रहा। इस दौरान में तुर्की 15 विश्वविद्यालय बंद कर दिए गए थे। इनमें पढ़ने वाले कई भारतीय छात्रों को पढ़ाई बीच में छोड़कर वापस भारत लौटना पड़ा था। इसके अलावा इन विश्वविद्यालयों में पढ़ाने वाले कई भारतीय प्रोफेसरों की नौकरी चली गई थी। तुर्की सरकार ने इन प्रोफेसरों के बैंक खाते कई महीनों तक बंद कर दिए थे।

संक्षिप्त समाचार

अस्पताल ने जारी किया हेल्थ बुलेटिन- प्रणब मुखर्जी के फेफड़ों में इंफेक्शन, सेहत में गिरावट

नेशनल डेस्क। पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की सेहत को लेकर आर्मी अस्पताल ने हेल्थ अपडेट जारी किया और बताया कि उनकी हालत में लगातार गिरावट हो रही है। अस् पताल की ओर से जारी किए गए हेल् थ बुलेटिन में बताया गया कि प्रणब मुखर्जी के फेफड़ों में इंफेक् शन होने के संकेत दिख रहे हैं जिससे उनकी सेहत में गिरावट आई है। डॉक्टरों ने बताया कि मुखर्जी का इलाज फिलहाल वेंटिलेटर पर हो रहा है और डॉक्टरों की विशेष टीम उनकी देखरेख कर रही है। डॉक्टरों ने बताया कि प्रणब मुखर्जी के स्वास्थ्य में कोई बदलाव नहीं हुआ है और उनके प्रमुख अंगों की स्थिति स्थिर है। बता दें कि 84 वर्षीय प्रणब मुखर्जी को 10 अगस्त को दिल्ली छावनी के सैन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया था। दिमाग में जमे खून के थक्के को निकालने के लिए उनका ऑपरेशन किया गया था और तब से वे कोमा में हैं। साथ ही प्रणब मुखर्जी के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की भी पुष्टि हुई है। प्रणब मुखर्जी वर्ष 2012 से 2017 तक देश के 13वें राष्ट्रपति रहे।

बचे हुए गांवों को सीमा आरक्षण सूची में शामिल करने की मांग, गृहमंत्री अमितशाह को भेजा ज्ञापन

साम्बा । भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं बॉर्डर एरिया डेवेल्पमेंट कमेटी के संयोजक ठा. रणजीत सिंह के नेतृत्व में हीरानगर क्षेत्र का एक शिष्टमंडल साम्बा में डिप्टी कमिश्नर से मिला और उन्हें ज्ञापन सौंप कर बार्डर आरक्षण सूची में शामिल होने से वंचित रह गए गांवों को सूची में शामिल करने की मांग की। एडवोकेट रणजीत सिंह ने कहा कि लोग मोदी के नेतृत्व वाली केंन्द्र सरकार के आभारी हैं जिन्होंने अंतर्राष्ट्रीय सीमा से सटी 6 किमी की पट्टी में रहने वाले लोगों को 4 प्रतिशत का आरक्षण दिया है लेकिन जाने-अनजाने में हदबंदी कमेटी की गलती से कुछ सीमावर्ती गांव इस सूची में स्थान पाने से वंचित रह गए हैं। उन्होंने कहा कि घगवाल, राजपुरा और हीरानगर ब्लॉकों के गांव, मुट्ठी खुर्द, मलानी लोअर, तरेली, नारन, जांडी, सनयाल, छंजाल, कट्टल गुज्जराँ, ढोलका, मथुरा चक आरक्षण सूची में शामिल नहीं हो पाए हैं। ज्ञापन सौंपते हुए ठा. रणजीत सिंह ने कहा कि वह गृहमंत्री अमित शाह के माध्यम से केन्द्र सरकार से आग्रह करते हैं कि उनकी इस मांग पर विचार किया जाए और उपराज्यपाल को निर्देश जाए कि सीमांकन समिति का पुनर्गठन कर इन बचे हुए गांवों को भी आरक्षण सूची में शामिल किया जाए। इससे पहले उन्होंने कहा कि 2008 में उन्होंने कठुआ से अखनूर तक इंटरनेशल बार्डर से सटे गांवों में रहने वाले लोगों को एलओसी की तर्ज पर आरक्षण देने की मांग को लेकर आंदोलन शुरू किया था जिसमें लगातार धरने दिए गए व केन्द्रीय वाले लोगों को एलओसी की तर्ज पर आरक्षण देने की मांग को लेकर आंदोलन शुरू किया था जिसमें लगातार धरने दिए गए व केन्द्रीय नेताओं तक यह मांग पहुंचाई गई जिसके चलते मोदी सरकार ने बार्डर के लोगों को राहत दी। इस मौके पर भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष-कठुआ अशोक जसरोटिया, पूर्व सरपंच देवराज शर्मा, मंडल प्रधान-घगवाल कुलभूषण सिंह, खेमराज, सहदेव सिंह, प्रवीण कुमार शर्मा, ओम प्रकाश आदि भी उपस्थित थे।

योगी सरकार

उपद्रवियों से वसूली के लिए लखनऊ व मेरठ में होगा अधिकरण का गठनः योगी

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उ्रप्र लोक तथा निजी संपत्ति क्षति वसूली नियमावली 2020 के अनुसार लखनऊ व मेरठ में शीघ्र ही संपत्ति क्षति दावा अधिकरण गठित किया जाएगा। योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को ट्वीटर के माध्यम से लिखा, दण्ड÷ शास्ति प्रजा÷ सर्वा दण्ड एवाभिरक्षतिदण्ड÷ सुप्तेषु जागर्ति दण्डं धर्म विदुर्बुधा÷। उ्रप्र लोक तथा निजी संपत्ति क्षति वसूली नियमावली 2020 के अनुसार लखनऊ व मेरठ में शीघ्र ही संपत्ति क्षति दावा अधिकरण गठित किया जाएगा। नया उत्तर प्रदेश है, उपद्रवियों से सख्ती से पेश आएगा। उत्तर प्रदेश को अराजकता स्वीकार नहीं है। उन्होंने आगे लिखा, सार्वजनिक अथवा निजी संपत्ति को क्षति पहुंचाने वाले दंगाइयों और उपद्रवियों से वसूली सुनिश्चित की जाएगी। सतर्क उत्तर प्रदेश, सुरक्षित उत्तर प्रदेश। गौरतलब हो कि उत्तर प्रदेश में लोक तथा निजी सम्पत्ति क्षति वसूली नियमावली 2020 के प्रावधान है। इसके तहत लखनऊ और मेरठ में सम्पत्ति क्षति दावा अधिकरण के गठन को मंजूरी दी गई है। लखनऊ मंडल के दावा अधिकरण के कार्यक्षेत्र में झांसी, कानपुर, चित्रकूट, लखनऊ , अयोध्या, देवीपाटन, प्रयागराज, आजमगढ़, वाराणसी, गोरखपुर, बस्ती और विंध्याचल धाम मंडल की दावा याचिकाएं मंजूर की जाएंगी। वहीं, मेरठ मंडल के दावा अधिकरण के कार्य क्षेत्र में सहारनपुर, मेरठ, अलीगढ़, मुरादाबाद, बरेली और आगरा मंडल की दावा याचिकाओं पर विचार किया जाएगा। इस ट्राब्यूनल को सिविल न्यायालय की सभी शक्तियां प्राप्त होंगी और वह उसी रूप में काम करेगा। यूपी देश ऐसा पहला राज्य है, जहां इस तरह के अधिकरण का गठन किया गया है। दंगाइयों या उपद्रवियों को अपनी बेगुनाही का सबूत अभिकरण में देना होगा। इस अधिकरण में वे लोग दावा कर सकेंगे, जिनकी संपत्ति को दंगे या किसी जुलूस के दौरान नुकसान पहुंचा हो। अधिकरण उनकी शिकायतों पर वसूली कराएगा।

पिछले साल दिसंबर में प्रदेश की राजधानी लखनऊ में संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन में सार्वजनिक संपत्ति को हुए नुकसान पर राज्य सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है। सरकार ने दंगाइयों से इस संपत्ति के नुकसान की भरपाई के लिए एक अध्यादेश लागू किया है। इसके तहत दावा अधिकरण के गठन का भी प्रावधान किया गया है।

राहुल के बाद बोलीं प्रियंका, गांधी परिवार के बाहर का हो कांग्रेस का अध्यक्ष

नई दिल्ली।

कांग्रेस में पूर्णकालिक अध्यक्ष की मांग जोर पकड़ने लगी है। कांग्रेस कार्यकर्ता फिर से राहुल गांधी को पार्टी की कमान संभालने की अपील कर रहे हैं। इस बीच कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने एक इंटरव्यू में कहा कि वह निकट भविष्य में पार्टी की बागडोर नहीं संभालने जा रही हैं और राहुल गांदी ही उनके नेता हैं। प्रियंका से पूछा गया कि क्या वह पार्टी का नेतृत्व करेंगी। इस पर उन्होंने इनकार करते हुए कहा कि वह उत्तर प्रदेश में पार्टी को मजबूत करने पर फोकस करेंगी। प्रियंका ने कहा कि अगर कोई गैर गांधी परिवार का कांग्रेस अध्यक्ष बनता है तो उन्हें उसके साथ काम करने में कोई दिक्कत नहीं होगी। उन्होंने कहा कि उनका परिवार राहुल गांधी के अध्यक्ष पद छोड़ने के फैसले और गांधी परिवार के अलावा किसी को अध्यक्ष बनाए जाने की सलाह का सम्मान करता है। यह बातचीत लोकसभा चुनाव के बाद राहुल गांधी के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के बाद की गई थी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका ने निकट भविष्य में पार्टी की जिम्मेदारी संभालने की बात से इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि वह उत्तर प्रदेश में पार्टी को मजबूत करने पर फोकस करेंगी। उन्होंने कहा, मैं कहना चाहूंगी कि मेरे लिए मेरा भाई ही लीडर है और वह हमेशा रहेगा। दूसरी बात, मुझे लगता है कि सैकड़ों लोग उत्तर प्रदेश और देश के दूसरे भाग में हैं जो बीजेपी के खिलाफ लड़ने में सक्षम हैं। वे युवा नेता भी हैं। मैं भविष्य की बात नहीं जानती कि क्या होगा। लेकिन पार्टी का नेतृत्व करने के लिए कई लोग सक्षम हैं। उन्होंने कहा कि पिछले तीन-चार साल में मेरे भाई जितना मोदी से किसी ने लड़ाई नहीं लड़ी है। मैं भी पिछले चुनाव में उनके जितना नहीं बोलती थी प्रियंका गांधी ने कहा, मेरे भाई ने लोकसभा चुनाव के बाद अपने इस्तीफा पत्र में कहा था कि वह चुनाव की जिम्मेदारी लेता है। फिर बाद में उसने कहा कि गांधी परिवार के अलावा कोई कांग्रेस अध्यक्ष होना चाहिए। मैं उसकी बात से पूरी तरह सहमत हूं। अब पार्टी को अपना आगे का रास्ता खुद तय करना चाहिए। प्रियंका ने इस बात से भी इनकार किया कि अगर कोई गांधी परिवार के बाहर का कांग्रेस अध्यक्ष बनता है तो टकराव होगा। उन्होंने कहा कि अगर कोई गैर गांधी परिवार का कांग्रेस अध्यक्ष बनता है तो वह मेरा बॉस होगा। वह अगर कल को मुझे कहता है कि आप उत्तर प्रदेश छोड़कर अंडमान निकोबार जाएं, तो मैं खुशी-खुशी जाऊंगी।

यूपीः कशी,बालिकाओं के खिलाफ अपराध समेत अन्य मामले में 139 आरोपियों पर रासुका

लखनऊ। कानून व्यवस्था को चुस्त-दुरूस्त बनाये रखने के लिए उत्तरप्रदेश में इस वर्ष जनवरी से अब तक 139 आरोपियों के खिलाफ रासुका के तहत कार्रवाई की गई है। अधिकारियों ने बताया कि इनमें से गोकशी के अंतर्गत 76 आरोपियों, बालिकाओं के विरुद्ध अपराध के लिए छह आरोपियों, गंभीर अपराध के 37 आरोपियों व अन्य अपराधों को लेकर 20 आरोपियों के विरूद्ध कार्रवाई हुई है। अपर मुख्य सचिव, गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस तरह के अपराध के मामले में प्रभावी कदम उठाने तथा राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के अन्तर्गत कड़ी विधिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में प्रदेश में महिलाओं एवं बालिकाओं के विरूद्ध जघन्य अपराध, गोकशी की घटनाओं, मादक पदार्थो के अवैध कारोबार में लिप् त व्यक्तियों, गम् भीर अपराधों एवं अन्य अपराधों से जुड़े आरोपियों को चिन्हित कर उनके विरूद्ध आई.पी.सी. की सुसंगत धाराओं के अलावा रासुका के तहत भी कार्रवाई की गई है। उन्होंने बताया कि मुख यमंत्री के निर्देशों के क्रम में प्रदेश में महिलाओं एवं बालिकाओं के विरूद्ध जघन्य अपराध, गोकशी की घटनाओं, मादक पदार्थो के अवैध कारोबार में लिप् त व्यक्तियों, गम्भीर अपराधों एवं अन्य अपराधों से जुड़े आरोपियों को चिन्हित कर उनके विरूद्ध आई.पी.सी. की सुसंगत धाराओं के अलावा रासुका के तहत भी कार्रवाई की गई है।

कमांडर्स सम्मेलन में बोले रक्षा मंत्री, किसी भी चुनौती से निपटने के लिए तैयार है नौसेना

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज विश्वास व्यक्त किया कि नौसेना किसी भी चुनौती से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है और जरूरत पड़ने पर वह अपने समुद्री जहाजों और विमानों की कार्रवाई के लिए तुरंत तैनाती कर सकती है। सिंह ने यहां नौसेना के शीर्ष कमांडरों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि कोरोना महामारी के समय नौसेना ने अपने लोगों को स्वदेश लाने के लिए सबसे बड़ा अभियान 'ऑपरेशन समुद्र सेतु% चलाकर राष्ट्र के हितों की रक्षा में योगदान दिया। नौसेना ने कोरोना की चुनौती और समुद्र की प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद पड़ोसी देशों से 4000 लोगों को उनके परिवारों से मिलाया। इसके अलावा मालदीव , मारिशस और मेडागास्कर जैसे देशों को मिशन सागर के जरिए चिकित्सा सहायता भी पहुंचाई। नौसेना के कोरोना महामारी के मद्देनजर क्वारंटीन केन्द्रों का भी सफलतापूर्वक संचालन किया। रक्षा मंत्री ने कहा कि नौसेना ने सरकार की क्षेत्र में सभी की सुरक्षा और विकास से संबंधित महत्वाकांक्षी सोच 'सागर के तहत अनेक मिशन आधारित तैनाती की और संवेदनशील स्थानों पर युद्धपोतों तथा विमानों को तैनात कर देश के समुद्री हितों की रक्षा की। इस तरह की तैनाती से नौसेना ने जरूरत पड़ने पर हिन्द महासागर क्षेत्र में मानवीय सहायता और बचाव अभियान चलाए तथा अंतररष्ट्रीय समुद्री क्षेत्र में सुरक्षा पहुंचाने में योगदान दिया। सशस्त्र बलों में हो रहे गतिशील बदलावों का उल्लेख करते हुए सिंह ने चीफ ऑफ डिफेन्स स्टाफ के पद और सैन्य मामलों के विभाग के गठन का जिक्र किया। इस कदम को मील का पत्थर बताते हुए उन्होंने कहा कि इससे तीनों सेनाओं में तालमेल बढेगा और विशेष रूप से प्रशिक्षण , रक्षा खरीद तथा सेनाओं में एकीकरण तथा अभियानों में इसका फायदा होगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

कोष पर निगाह

पीएम केयर्स फंड पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला न केवल महत्वपूर्ण, बल्कि अनुकरणीय है। इस फंड को लेकर शुरू से ही जो विवाद रहे हैं, उन पर अलग से विचार-विमर्श की जरूरत भले हो, लेकिन सुप्रीम कोर्ट में जाने का कोई विशेष औचित्य नहीं था। इस मामले में अदालत की भावनाएं कमोबेश पहले ही सामने आ गई थीं। अप्रैल के महीने में ही जब अलग से पीएम केयर्स फंड बनाने को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी, तभी उस याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने बिना समय गंवाए खारिज कर दिया था। कोर्ट ने चुनौती देने को खड़े हुए वकील से तब कहा था, 'आपके पास दो ही विकल्प हैं, या तो आप याचिका वापस ले लीजिए या आप पर हम भारी जुर्माना लगाएंगे।' जाहिर है, इस फंड को दोबारा चुनौती नहीं दी जा सकती थी, इसलिए इसके फंड को एनडीआरएफ अर्थात राष्ट्रीय आपदा राहत कोष में जमा कराने के लिए याचिका लगाई गई। सुप्रीम कोर्ट ने अपने रुख को बरकरार रखा है। इससे निश्चित रूप से उन लोगों को निराशा होगी, जिनको यह आशंका है कि इस फंड में गड़बड़ी हुई है या की जाएगी। कहना न होगा, केवल आशंका के आधार पर कोई शिकायत करने से बचना चाहिए। सरकार की किसी भी बड़ी पहल को मजबूत आधार पर ही चुनौती देनी चाहिए। कोर्ट ने अप्रैल में ही फंड के गठन को चुनौती देने वाली याचिका के बारे में कहा था कि इससे राजनीति की बू आ रही है। अब इस मामले का यहीं पटाक्षेप हो जाना चाहिए। यह हमारे समय का सच है कि कोरोना के खिलाफ लड़ाई में केंद्र सरकार ने एक पीएम केयर्स फंड बना रखा है, जिसमें 3,100 करोड़ रुपये से ज्यादा देश और विदेश के लोगों ने स्वेच्छा से जमा किए हैं। इस धन का उपयोग चिकित्सकीय साजो-सामान से लेकर वैक्सीन की खोज तक में हो रहा है। तमाम राज्यों को भी इस फंड के तहत मदद नसीब हो रही है। सरकार के अनुसार, पीएम केयर्स फंड के 3,100 करोड़ में से 2,100 करोड़ रुपये से वेंटिलेटर खरीदने; 1,000 करोड़ रुपये प्रवासी मजदूरों पर; और 100 करोड़ रुपये वैक्सीन बनाने पर खर्च होने हैं। आज जरूरत यह नहीं कि पीएम केयर्स फंड पर बहस की जाए, जरूरी है कि इस फंड का देश को सेहतमंद बनाने के लिए बेहतर से बेहतर सदुपयोग हो। केंद्र सरकार पहले ही यह इशारा कर चुकी है कि इस फंड का ऑडिट किया जाएगा। जहां तक विपक्षी दलों का प्रश्न है, तो यह उनका दायित्व है कि वे सरकारी व्यवस्था में खामी खोजें और उसका राजनीतिक इस्तेमाल भी करें। कोरोना के लिए जो धन लोगों ने दिया है, उसकी एक-एक पाई सही जरूरतमंदों तक पहुंचनी चाहिए। पीएम केयर्स फंड में धन दान करने वाले सभी लोग यही चाहेंगे कि उनके धन का देशहित में ईमानदारी से सदुपयोग हो जाए। यह हमारी सरकारों के लिए भी चुनौती है कि वे ऐसे किसी विशेष कोष को पूरी ईमानदारी से निचले स्तर तक पारदर्शिता के साथ खर्च करके देश के सामने पूरा खाता रख दें। ऐसे कोषों पर शंका-आशंका नई बात नहीं है, अपने देश में राहत कोषों पर हमेशा से सवाल उठते रहे हैं, लेकिन महाविपत्ति के समय के इस विशेष फंड को एक आदर्श स्थापित करना चाहिए। पुरानी आशंकाओं को झुठला देना चाहिए। हमारे विशाल विकासशील देश में ऐसे विशेष कोष की सफलता से दान और सेवा का भविष्य भी तय होगा।

आज के ट्वीट

टिप्पणियाँ

स्टैंड-अप कॉमेडी के नाम पर हिंदू देवी देवताओं पर अभद्र टिप्पणियाँ करने वाला मुनव्वर फारूकी हो,या सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को गाली देने वाला कव्वाल मुनव्वर राणा इन सबकी दुकाने अब बंद करने का समय आ गया है।

--अर्णव गोस्वामी

सूचनाओं पर गोपनीयता का स्याह पर्दा

गुरबचन जगत

मेरा जन्म देश को आजादी मिलने से कुछ साल पूर्व हुआ था और यह जरूर कहना चाहूंगा कि मुझे इस बात का फख्र है कि मेरा लालन-पालन बतौर एक स्वतंत्र नागरिक आजाद भारत में हुआ है। इस आजादी को पाने में हमारे पुरखों ने बहुत ज्यादा जद्दोजहद की है। उन्होंने हम लोगों को विरासत में स्वतंत्रता के साथ-साथ एक ऐसा लोकतंत्र दिया है, जिसमें प्रत्येक नागरिक को जाति, वर्ण और लिंग के भेदभाव के बिना मतदान करने का अधिकार है। 15 अगस्त की भोर के साथ एक नए युग का सूत्रपात भारत नामक देश के रूप में हुआ था, जिसे 'एक अजूबा' भी कहा जाता है। आगे नए बदलावों का वाहक जनता को बनना था। हमें मतदान की ताकत दी गई ताकि अपनी पसंद के नुमाइंदे चुनकर सरकार बनाएं, जो आगे ऐसा भविष्य प्रदान करे, जिसकी उम्मीद नागरिकों के मन में होती है। इस तरह एक आधुनिक प्रजातांत्रिक भारत बनाने की यात्रा का आरंभ हुआ, एक ऐसा भारत जहां हर किसी को समान अधिकार और लोकतंत्र के फायदे मिल पाएं। तदनुसार हम लोगों ने सरकारें चुनीं और उन पर भरोसा रखा और बदले में बतौर नागरिक उन्होंने भी हम पर विश्वास किया। बेशक हमें लोकतंत्र स्थापना की राह में कुछ संघर्ष भी करने पड़े और लड़खड़ाए भी, फिर भी खुद को संभाला और आगे की यात्रा जारी रखी। सरकारें आईं और चली गईं, लेकिन नागरिकों की जीवटता कायम रही। जनता और सरकार के बीच का भरोसा काफी सुदृढ़ बना रहा। उस वक्त ऐसे संस्थान और मुक्त मीडिया था, जो अपने फर्ज को बतौर एक सजग चौकीदार लिया करते थे (पहले -पहल मीडिया के रूप में केवल अखबारें ही थीं)। लेकिन समय के साथ-साथ आदर्शवादी स्वतंत्रता सेनानियों की पीढ़ी का अवसान होता गया और नई प्रजाति के विधायक और सांसद सत्ता में आ घुसे-वोट भले ही हमारा था। दलों के बीच किसको चुना जाए, इसकी संभावना कमतर होती गई। हालात यह बनने लगे कि प्रत्याशियों में कौन-सा कम बुरा है, उसे चुनने का विकल्प रह गया। अपराधी, बाहुबली, माफिया राजनीतिक जगत में आ घुसे और चुनावों को प्रभावित करने लगे। आदर्शवाद की जगह ठेठ व्यावहारिकता ने ले ली। मतदाता को रिश्वत देकर अथवा डरा-धमकाकर दीगर गुटों को जिताने के लिए मजबूर किया जाने लगा। सरकार और नागरिक के बीच भरोसा कम होता गया। संस्थानों को जान-बूझकर क्षीण किया गया एवं मीडिया और ज्यादा पक्षपाती होने लगा। उक्त सरकारों ने इस किस्म की अफसरशाही और प्रशासनिक ढांचा तैयार किया जो उनके उद्देश्यों को साधने में सहायक हो सके। वैसे भी सदियों तक शोषण और दासता की मानसिकता लिए लोगों के लिए बतौर युवा लोकतंत्र अपने भविष्य को आकार देने की राह इतनी सुगम नहीं होने वाली थी। अब हम आते हैं वर्ष 2014 में, जब व्यवस्था में सुधार की चाह रखने वाले मतदाता की आकांक्षा-लहरों पर सवार होकर भारी बहुमत वाली सरकार बनी थी। इसका दोहराव 2019 के आम चुनाव में और अधिक सांसद संख्या के साथ हुआ। इस बीच जिस किस्म की अर्थव्यवस्था और विकास का वायदा किया गया था, देशवासी उसका इंतजार-दर-इंतजार करते रह गए, लेकिन हाथ मायूसी ही लगी। जिन चीजों की उम्मीद न थी या समझ से परे थीं, वे घटित होने लगीं। मुख्य निर्णयों पर नागरिकों को सरकार की ओर से दी जाने वाली सूचनाओं का अकाल पड़ने लगा। चूंकि नागरिकों ने इस सरकार को चुना है, लिहाजा महत्वपूर्ण विषयों पर सरकार की कार्यवाही क्या होगी, इस बारे में सूचना पाने का हक जनता को बाकायदा है। जब नोटबंदी की गई थी तो उस वक्त गोपनीयता का हवाला देकर इस बाबत सूचना देने में टालमटोल की गई थी, लेकिन कम-से-कम बाद में सरकार द्वारा नागरिकों को इसके अच्छे-बुरे नतीजों के बारे में बताना बनता था। यही कहानी जीएसटी (वस्तु-सेवा कर) के वक्त भी दोहराई गई। आज तक जीएसटी का अर्थ अलग-अलग लोगों के लिए अलहदा बना हुआ है और मूल प्रारूप में सैकड़ों सुधार करने पड़े हैं- ऐसे में 'एक देश...एक कराधान' का नारा कहां फिट बैठता है? क्यों नहीं केंद्र और राज्य सरकारों के वित्त मंत्रालय साथ बैठकर ऐसा हल निकालते, जिससे कि 'एक देश...एक कराधान' वाली सरल व्यवस्था बना पाए? इस असफलता के पीछे क्या वजह है? अब आते हैं उन दो मुख्य घटनाओं पर जो फिलहाल जारी हैं - एक है, कोविड-19 महामारी के चलते बना लॉकडाउन और दूजा लद्दाख की सीमा पर बन गई विस्फोटक स्थिति। लॉकडाउन करते वक्त सरकार ने क्यों नहीं देशवासियों को विश्वास में लिया? एक झटके में करोड़ों लोग बेरोजगार, बेघर, परिवहन रहित होकर रह गए, काम-धंधे और उद्योग बंद कर दिए गए। पूरे देश में तालाबंदी लागू कर दी गई, जिसमें केंद्र और राज्य सरकारों के अदारे भी शामिल हैं। प्रवासी, जो अपने ही 'देशवासी' हैं, उन्हें किसी ठौर-मदद के अभाव में भटकने को मजबूर होना पड़ा। इसको लेकर कोई आंकड़ा नहीं दिया गया और सरकार ने पूर्ण चुप्पी साध रखी है। कुछ समय के लिए भारत सरकार के संयुक्त सचिव हमें कोरोना से संक्रमित-ठीक हुए एवं मृतकों की संख्या के बारे में रोजाना का बुलेटिन दिया करते थे। लेकिन जब संख्या सरकार के लिए किरकिरी का बायस बनने लगी तो उक्त महाशय भी गायब हो गए। बतौर नागरिक हमें लॉकडाउन के 1-2-3 चरणों और रहस्यमयी 'अनलॉकडाउन' से गुजरना पड़ा। प्रतीत हो रहा है कि केंद्र सरकार ने अपने हाथ खड़े कर दिए हैं और स्थिति से निपटने का काम राज्य सरकारों पर छोड़ दिया गया है। क्या हमें बताया गया कि सरकार आगे क्या करने जा रही है या अब आगे कैसे और क्या करना होगा? हमें सूचना के रूप में या तो अफवाहें मिलती हैं या फिर सोशल मीडिया पर कोरोना पर बने चुटकुले। लद्दाख के हालात की बात करें तो अप्रैल-मई माह से ही यह बात चली हुई थी कि चीन ने भारतीय सीमा में घुसपैठ कर कुछ इलाका कब्जा लिया है। लेकिन भारत सरकार देश को यह बताने लायक नहीं थी कि वाकई घुसपैठ हुई है या हम इलाका गंवा बैठे हैं या फिर वास्तविक सीमा रेखा को लेकर हमारा अपना परिदृश्य क्या है। अगर कुछ हुआ ही नहीं था तो दोनों मुल्कों के जनरल बार-बार वार्ता के लिए क्यों मिल रहे थे और क्यों हमारे 20 जवानों को शहीद होना पड़ा? क्यों नहीं सरकार की ओर से इस विषय पर कोई प्रेस वार्ता या विस्तृत जानकारी वाला वक्तव्य जारी किया गया? यहां बतौर नागरिक हम न तो सुरक्षा मामलों पर काबीना समिति की अंतिम बैठक में हुई बातचीत की तफसील मांग रहे हैं, जिसे गुप्त रखना वाकई जरूरी होता है, और न ही भविष्य की रणनीति की बारीकियां बताने को कह रहे हैं। आखिरकार यह हमारी जमीन और सार्वभौमिकता है, जिसका अतिक्रमण हुआ है। लिहाजा, क्यों नहीं कोई इसके बारे में हमें बताता? जहां तक मीडिया की बात है, खासकर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, तो उन्हें लगता है कि अपनी रोजाना की नौटंकी से वे हमें मूर्ख बना लेंगे। उलटा यह नहीं जानते कि वे खुद हंसी का पात्र बने हुए हैं। आज जब हमारा प्रजातंत्र अपनी 74वें वर्ष में प्रवेश कर गया है तो मुझे यकीन है कि लोकतांत्रिक मूल्य मौजूदा समय की दुश्वारियों से पार पा लेंगे। लेख के अंत में, लोकतंत्र के सबसे बड़े दुर्ग यानी संसद की बात करें तो मुझे तारीख भले ही याद नहीं कि आखिरी सत्र कब था, लेकिन इतना पक्का है कि इसमें किसी महत्वपूर्ण विषय पर कोई सार्थक बहस नहीं हुई थी। हमें संसद के सत्र निरंतर बुलाकर देश की आर्थिकी, कोविड-19 महामारी, आपातकालीन स्वास्थ्य स्थिति और लद्दाख को लेकर सार्थक विचार-विमर्श करते रहना चाहिए। उम्मीद करूं कि संसद का अगला सत्र मौजूदा भवन में होगा या फिर नया भवन पूरा होने के बाद ही? उसका निर्माण कब पूरा होगा, यह तक गुप्त रखा जा रहा है? जिस भरोसे को लेकर लोगों ने मौजूदा सत्ताधारियों को वोट डालकर सरकार बनाने के लिए चुना था, वह लगभग टूट चुका है। यह गोपनीयता एक स्याह पर्दा है या फिर फौलादी दीवार बनाने की चाह? लेखक यूपीएससी के अध्यक्ष एवं मणिपुर के राज्यपाल रहे हैं।

ज्ञान गंगा

जड़ता

सद्गुरु

अगर किसी की बुद्धि को खास तरह से काम करना है तो उसके भीतर जड़ता कम-से-कम होनी चाहिए। यह जड़ता कितनी कम है, इससे यह तय होता है कि उस व्यक्ति के मन और बुद्धि की एकाग्रता और तीव्रता कैसी होगी। इस आधार पर उन्होंने नियम बनाए, जिन्हें आप जीवन-आचरण कह सकते हैं। ये अभ्यास, आध्यात्मिक अभ्यास से अलग थे, ये दैनिक जीवन के कामकाज से जुड़े थे, जैसे-कैसे बैठें, कैसे खड़ें हों, कैसे खाएं, क्या खाएं, क्यां नहीं खाएं, आप जो भी खातें हैं, उसे कैसे खाएं, उसे किसके साथ खाएं, उसमें आप क्या मिलाएं और क्या न मिलाएं आदि। मैं इन सब नियमों के विस्तार में नहीं जाऊंगा, लेकिन निश्चित तौर पर इनका वैज्ञानिक आधार है। समय के साथ इनमें से ज्यादातर नियम बढ़-चढ़ कर अजीबोगरीब हालत तक पहुंच गए, जिन पर गौर किए जाने की जरूरत है, लेकिन इनमें से ज्यादातर नियम इंसान की बौद्धिक क्षमताओं को बढ़ाने की वैज्ञानिक प्रक्रियाएं हैं। हिंदू जीवन पद्धति की बहुत सारी चीजें इसी तरफ केंद्रित हैं। उदाहरण के लिए अगर आप आज भी देखें कि जब लोग मंदिर, खासकर गणपति मंदिर जाते हैं तो वहां भगवान के सामने लोग अपने दोनों हाथों से उलटे कानों को-दाहिने हाथ से बाएं कान को और बाएं हाथ से दाहिने कान को पकड़कर उठक-बैठक लगाते हैं। हालांकि समय के साथ यह आंडबर का रूप लेता गया, लेकिन अगर आप इसे ठीक तरीके से करेंगे तो इसका असर होता है। आज इसे लेकर बहुत सारे अध्ययन हुए हैं, खासकर येल यूनिर्वसटिी ने। अध्ययन के अनुसार अगर आप इस तरह से कानों को पकड़ेंगे और इस दौरान कोई गतिविधि को तेजी से करेंगे तो दाएं व बांए दिमाग में आपस में संचार काफी बढ़ जाएगा। आपको एक बात समझनी होगी कि यह प्रक्रिया गणपति के सामने की जाती है। गणपति बुद्धि के मामले में सबसे तेज व योग्य समझे जाते हैं। आपकी बुद्धि कितनी लचीली और प्रभावशाली है, यह इस पर निर्भर करता है कि आपके मस्तिष्क के बाएं व दाएं भाग कितनी अच्छी तरह से आपस में तालमेल बैठा पा रहे हैं। हमने शांभवी महामुद्रा के मामले में देखा है कि इसके समुचित अभ्यास से छह से बारह हफ्ते में मस्तिष्क के बाएं व दाएं हिस्सों के बीच का संतुलन जबरदस्त तरीके से बढ़ जाता है।

आज का राशिफल

मेष कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। धन लाभ के योग हैं। वाद-विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

मिथुन बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। मन प्रसन्न होगा। जारी प्रयास सार्थक होंगे। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। प्रणय संबंध मधुर होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। मांगलिक कार्य में हिस्सेदारी होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता से आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। व्यर्थ की उलझने रहेंगी।

वृश्चिक आर्थिक योजना को बल मिलेगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

धनु गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक दिशा में किए जा रहे प्रयास सफल होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मकर जीविका की दिशा में उन्नति होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धन हानि की संभावना है।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मीन व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कानून के साथ ही सोच भी बदलें

सरस्वती रमेश

सुप्रीम कोर्ट ने पिछले हफ्ते हिंदू उत्तराधिकार कानून 2005 की नई व्याख्या की है। इस व्याख्या से पैतृक संपत्ति में बेटियों की बराबरी का अधिकार थोड़ा और स्पष्ट हुआ है। हालांकि इस नई व्याख्या के बाद भी यह सवाल बना रहेगा कि हमारे समाज की जो स्थिति है, उसमें क्या वास्तव में किसी बेटी को पैतृक संपत्ति में बराबरी की हिस्सेदारी आसानी से प्राप्त हो सकती है? उत्तराधिकार कानून 2005 के डेढ़ दशक के धरातली अनुभव तो इस संबंध में बहुत उत्साह पैदा नहीं करते। फिर भी उत्तराधिकार कानून की नयी व्याख्या संभावनाओं का द्वार तो खोलती ही है। सुप्रीम कोर्ट ने अपनी नई व्याख्या में कहा है कि 2005 से पहले जन्मी बेटियों को भी संपत्ति में उस स्थिति में भी अधिकार होगा, यदि उनके पिता की मृत्यु कानून लागू होने से पूर्व हो गई हो लेकिन इस कानूनी व्यवस्था को जमीन पर उतारने के रास्ते में कई बाधाएं हैं। ये बाधाएं समाज की पितृसत्तात्मक सोच से जुड़ी हुई हैं। अभी तो किसी कारणवश यदि शादीशुदा बेटी को मां-बाप के घर रहना पड़ जाए तो उसे पूरा परिवार बोझ समझता है। बेटियां खुद को अपराधी महसूस कर वहां मजबूरी में रहती हैं। जब तक यह सोच और स्थिति नहीं बदलेगी तब तक महज कानूनी व्यवस्था से बेटियों को उनका वाजिब हक दिलाना संभव नहीं लगता। स्थितियों का आकलन करने पर मोटे तौर पर तीन बड़ी बाधाएं सामने दिखती हैं। पहला, हमारे समाज में अब भी बेटी और पिता दोनों के मन में यह धारणा बनी रहती है कि शादी के बाद वह पराई हो जाती है। इसके बाद भाई, भाभियों या पिता से कुछ भी मांगते वक्त उन्हें एक संकोच से होकर गुजरना पड़ता है। ऐसे में क्या वहां वह अपने अधिकार की बात को सहज ही रख पाएंगी। फिर सम्पत्ति का बंटवारा अक्सर विवाद की वजह बनता है, ऐसे में बहन को भी बंटवारे में शामिल करना हमारे समाज को कहां तक गवारा होगा। दूसरा, गांव में लड़कियों की शिक्षा और अपने हक के प्रति जागरूकता का ग्राफ अब भी शून्य से बहुत ऊपर नहीं उठ पाया है। जो लड़कियां अपने मूल अधिकारों की समझ नहीं रखती, उनसे भला कैसे आशा की जा सकती है कि वह जरूरत पड़ने पर अपने पिता की संपत्ति में मिले कानूनी अधिकार का इस्तेमाल अपनी भलाई के लिए कर सकती हैं। जो स्त्रियां पति की प्रताड़ना एवं शारीरिक हिंसा को भोग कर न तो पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का साहस कर पाती हैं और न ही उसे छोड़ने का, भला वे अपने अधिकारों की लड़ाई अपने ही बाप या भाई से लड़ पाएंगी। तीसरा, पिता या भाई स्वयं आगे बढ़कर अपनी संपत्ति में बेटी या बहन को हिस्सा दे देंगे, इसकी संभावना कम ही दिखती है। क्योंकि जिस सोच के तहत उनका लालन-पालन हुआ है वह सोच इतनी उदार नहीं कि स्त्री को कहीं भी अपने बराबर आकर खड़ा होने की अनुमति दे। पिता के पास वही रूढ़िवादी तर्क अब भी मौजूद होगा कि बेटी का हिस्सा ससुराल में होता है। लेकिन यदि बेटी ससुराल में प्रताड़ित होती है और उसके पास आर्थिक संबल नहीं होता है तब उसे क्या करना चाहिए, इस पर वे मौन हो जाते हैं। ये तीनों ऐसी स्थितियां हैं, जिनमें बेटी को स्वयं आगे बढ़कर अपने अधिकार की बात करनी होगी, जो रिश्ते में दरार और कलह की वजह बन सकता है। क्या बेटी अपने अधिकार के लिए अपने ही प्रियजनों से मौखिक या कानूनी झगड़ा मोल लेना चाहेगी। दरअसल कानून बनाने और उसे संशोधित करने से अधिक अहम है कि उसे हमारे समाज में लागू कैसे कराया जा सकता है, इस पर चर्चा हो। बेहतर तो यही होगा कि समाज की सोच बदलने की दिशा में काम किया जाए और वह इस कानून को स्वेच्छा से स्वीकार करें। लेकिन जब तक ऐसा नहीं होता तब तक कोई ऐसी व्यवस्था की जानी चाहिए कि लड़की की शादी के वक्त ही उसे प्रॉपर्टी में अधिकार देने का नियम भी बन जाए। ऐसा न करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई हो। इस पितृसत्तात्मक व्यवस्था पर कानून की बंदिशें चोट करती रही हैं, आगे भी करेंगी लेकिन सबसे जरूरी सामाजिक सोच में बदलाव है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

किसानों के लिए अच्छी खबर, सरकार ने बढ़ाया गन्ने का एफआईआर

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बुधवार को गन्ने का उचित एवं लाभकारी (एफआरपी) दाम 10 रुपए बढ़ाकर 285 रुपए क्विंटल करने को मंजूरी दे दी। यह दाम गन्ने के अक्टूबर 2020 से शुरू होने वाले नए विपणन सत्र के लिए तय किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आज सुबह हुई मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति (सीसीईए) की बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में गन्ने का 2020- 21 (अक्टूबर- सितंबर) विपणन वर्ष के लिए एफआरपी दाम 10 रुपए क्विंटल बढ़ाने को मंजूरी दी गई। सूत्रों ने बताया कि सीसीईए ने खाद्य मंत्रालय के इस संबंध में दिए गए प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। मंत्रालय ने अगले विपणन सत्र के लिए गन्ने का एफआरपी 275 रुपए से बढ़ाकर 285 रुपए क्विंटल करने का प्रस्ताव दिया था। सूत्रों का कहना है कि मंत्रिमंडल समिति का यह निर्णय कृषि लागत एवं मूल्य आयोग (सीएसीपी) की सिफारिश के मुताबिक है। सीएसीपी सरकार को प्रमुख कृषि उत्पादों के दाम को लेकर सलाह देने वाली सांविधिक संस्था है। एफआरपी को गन्ना (नियंत्रण) आदेश 1966 के तहत तय किया जाता है। यह गन्ने का न्यूनतम मूल्य होता है जिसे चीनी मिलों को गन्ना उत्पादक किसानों को भुगतान करना होता है। सरकार का अनुमान है कि चालू विपणन सत्र में गन्ने का कुल उत्पादन 280 से 290 लाख टन रह सकता है। गन्ने का चालू विपणन सत्र अगले महीने समाप्त हो रहा है। पिछले साल 2018- 19 में देश में 331 लाख टन गन्ने का उत्पादन हुआ था। महाराष्ट्र और कर्नाटक में गन्ने की खेती में कमी आने से चालू विपणन सत्र में उत्पादन कम रहने का अनुमान है।

जीएसटीएन ने जीएसटी करदाताओं के लिये प्रणाली को और बेहतर बनाया

नई दिल्ली। माल एवं सेवाकर नेटवर्क (जीएसटीएन) ने कहा कि उसने नेटवर्क में ऐसा प्रावधान किया है जिससे कि जीएसटी करदाता को उनके इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के बारे में जानकारी मिल जायेगी और वह जीएसटीआर- 9 को अधिक सुविधा के साथ भर सकेंगे। अब तक जीएसटी प्रणाली में आईटीसी की गणना आपूर्तिकर्ता की बिक्री रिटर्न जीएसटीआर- 1 के आधार पर होती रही है, लेकिन बिल के स्तर पर इसकी जानकारी उपलब्ध नहीं होती थी। ऐसे में करदाता आईटीसी की गणना को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। जीएसटी के समूचे कप्यूटर नेटवर्क को चलाने वाली कंपनी जीएसटीएन ने एक वक्तव्य जारी कर कहा है कि आपूर्तिकर्ता द्वारा दर्ज प्रत्येक बीजक अथवा बिल को दिखाया जायेगा और प्रत्येक बिल के सामने उसकी गणना को दिखाने की प्रणाली को नेटवर्क में विकसित कर दिया गया है। जीएसटीएन ने जारी वक्तव्य में कहा है, जीएसटीएन ने आज नेटवर्क प्रणाली में एक महत्वपूर्ण व्यवस्था को चालू किया है जिसके जरिये जीएसटी करदाता को उनकी वार्षिक रिटर्न में आने वाले आईटीसी की सही स्थिति के बारे में पता चल जायेगा और इसकी मदद से वह जीएसटीआर-9 को अधिक सुविधा के साथ भर सकते हैं। वक्तव्य में कहा गया है कि इस कार्य के लिये जीएसटी पोर्टल के जीएसटीआर- 9 डैशबोर्ड में एक नई टैब 'डानलोड अेबल-8ए डिटेल' की शुरुआत की गई है। यह ब्योरा वित्त वर्ष 2018- 19 से उपलब्ध होगा।

ताजा सौदों की लिवाली के कारण तांबा वायादा कीमतों में तेजी

नयी दिल्ली। हाजिर माग बढ़ने के कारण वायदा कारोबार में बुधवार को तांबा की कीमत 0.78 प्रतिशत की तेजी के साथ 529.40 रुपये प्रति किग्रा हो गई। एमसीएक्स में तांबा के अगस्त महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 4.10 रुपये अथवा 0.78 प्रतिशत की तेजी के साथ 529.40 रुपये प्रति किग्रा हो गई जिसमें 4,845 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने तांबा वायदा कीमतों में तेजी आने का श्रेय - हाजिर मांग में तेजी के कारण कारोबारियों द्वारा अपने सौदों के आकार बढ़ाने को दिया।

कमजोर हाजिर मांग के कारण सोना वायदा कीमतों में गिरावट

नयी दिल्ली। कमजोर हाजिर मांग के कारण कारोबारियों ने अपने सौदों की कटान की जिससे वायदा बाजार में बुधवार को सोना 0.67 प्रतिशत की गिरावट के साथ 53,210 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में अक्टूबर महीने में डिलीवरी सोना अनुबंध की कीमत 361 रुपये यानी 0.67 प्रतिशत की गिरावट के साथ 53,210 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। इसमें 15,644 लॉट के लिये कारोबार हुआ। सोना के दिसंबर महीने में डिलीवरी सोना अनुबंध की कीमत 339 रुपये यानी 0.63 प्रतिशत की गिरावट के साथ 53,430 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। इसमें 2,461 लॉट के लिये कारोबार हुआ। अंतरराष्ट्रीय बाजार, न्यूयॉर्क में सोना 0.78 प्रतिशत की हानि दर्शाता 1,997.30 डॉलर प्रति औंस रह गया।

ताजा सौदों की लिवाली से सोयाबीन वायदा कीमतों में तेजी

नयी दिल्ली। सकारात्मक घरेलू मांग को देखते हुए व्यापारियों की ताजा लिवाली से वायदा कारोबार में बुधवार को सोयाबीन की कीमत 18 रुपये की तेजी के साथ 3,770 रुपये प्रति क्विन्टल हो गई। एनसीडीईएक्स में सोयाबीन के अगस्त माह में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 18 रुपये अथवा 0.48 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,770 रुपये प्रति क्विन्टल हो गयी जिसमें 215 लॉट के लिए कारोबार हुआ। इसी प्रकार, सोयाबीन के सितंबर माह में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत आठ रुपये अथवा 0.21 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,776 रुपये प्रति क्विन्टल हो गयी जिसमें 30,435 लॉट के लिए कारोबार हुआ।

जी ऐंटरटेनमेंट का पहली तिमाही शुद्ध लाभ घटकर 29.28 करोड़ रुपये रहा

नयी दिल्ली। जी ऐंटरटेनमेंट एंटरप्राइज लिमिटेड ने बुधवार को बताया कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उसका शुद्ध लाभ घटकर 29.28 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी ने बंबई शेयर बाजार को भेजी सूचना में कहा है कि एक साल पहले पहली तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 529.76 करोड़ रुपये रहा था। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से जून तिमाही के दौरान कंपनी की कुल आय 1,338.41 करोड़ रुपये रही है जो कि एक साल पहले इसी अवधि में 2,112.03 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने बताया है कि कोविड- 19 की वजह से लगाये गये प्रतिबंधों के कारण उसकी आय पर असर पड़ा है। कंपनी का कहना है कि इस स्थिति में उसके चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के परिणाम पिछले साल के परिणामों से तुलना करने योग्य नहीं है। पहली तिमाही के परिणाम पिछले साल के परिणामों से तुलना करने योग्य नहीं है। कंपनी ने बताया कि आलोच्य तिमाही के दौरान विज्ञापन से उसकी आय 421.06 करोड़ रुपये रही जो कि पिछले साल इसी अवधि में 1,186.71 करोड़ रुपये थी। इसी प्रकार ग्राहकों से होने वाली आय 744.34 करोड़ रुपये रही जो कि पिछले साल 708.77 करोड़ रुपये थी।

कोविड-19 महामारी के बीच जापान का निर्यात 19.2प्रतिशत घटा

टोक्यो। कोरोना वायरस महामारी का प्रभाव दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था जापान के निर्यात पर देखा गया। जुलाई में जापान का निर्यात एक साल पहले इसी माह में हुए निर्यात की तुलना में 19.2 प्रतिशत घट गया। वित्त मंत्रालय के शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक जुलाई 2020 में जापान का आयात भी 22.3 प्रतिशत घटा है। जापान से अमेरिका को निर्यात में विशेषतौर से गिरावट आई है। जुलाई में जापान से अमेरिका को निर्यात 19.5 प्रतिशत घटा है। इनमें प्लास्टिक का सामान, लोहा और इस्पात और कंप्यूटर के कलपुर्जे शामिल हैं। हालांकि, चीन में आर्थिक गतिविधियों में सुधार होने से जापान ने पिछले चार माह के दौरान पहली बार व्यापार अधिशेष हासिल किया है। कोरोना वायरस महामारी के प्रसार के बाद से जापान की निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था कमजोर पड़ी है। इसकी वजह से कुछ कारखानों में उत्पादन रुका है तो पर्यटन को नुकसान हुआ है जिससे आर्थिक गतिविधियां कमजोर पड़ी हैं। जापान में कभी भी पूरी तरह से लॉकडाउन नहीं लगाया गया लेकिन लोगों को घर से काम करने को प्रोत्साहित किया गया, मास्क पहनने और सामाजिक स्तर पर दूरी बनाने को कहा गया। कुछ स्टोरों ने अपने कामकाज के घंटो में कटौती की है। जापान में अब तक कोरोना वायरस संक्रमण के 57,636 मामले सामने आए हैं जिनमें 1,100 लोगों की मौत हुई ।

कर्नाटक के पर्यटन मंत्री ने सीतारमण से मुलाकात की, कॉफी उत्पादकों के लिये मांगी राहत

नई दिल्ली। कर्नाटक के पर्यटन मंत्री सी टी रवि ने कन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की और उनसे बगान में इस्तेमाल किए जाने वाले उर्वरक, पोषक तत्वों पर जीएसटी में छूट दिये जाने सहित चकमंगलूरू जिले के कॉफी, काली मिर्च, इलायची उत्पादकों के लिये राहत उपाय किये जाने की मांग की। कोविड-19 संकट के बीच उन्होंने वित्त मंत्री के समक्ष यह मांग रखी है।उन्होंने युवा मामलों एवं खेल राज्य मंत्री किरण रिजिजू से भी मुलाकत की और उनसे चिकमंगलूरू के जिला स्टेडियम में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रेक बिछाने और एक बहुउद्देशीय इंडूर स्टेडियम का निर्माण कराये जाने का प्रस्ताव उनके समक्ष रखा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को सौंपे ज्ञापन में भारतीय जनता पार्टी शासित कर्नाटक सरकार के मंत्री ने कहा, 'भारत सरकार ने कोविड-19 के प्रभाव से उबरने के लिये अनेक उपायों की घोषणा की है। इससे कॉफी उद्योग को कुछ हद तक मदद मिली है, लेकिन अभी स्थिति से उबरने के लिये काफी कुछ किये जाने की जरूरत है।' उन्होंने जिले में कॉफी, एरेका, काली मिर्च और इलायची की खेती करने वालों के लिये राहत उपाय किये जाने की मांग की है। कर्नाटक सरकार के मंत्री ने इस प्रकार के पौध की खेती करने वाले कृषकों के लिये नकद सहायता की घोषणा करने, अल्पकालिक फसल रिण चुकाने में एक साल की रोक लगाने और फसली कर्ज के मूल और ब्याज का पुनर्गठन किये जाने के साथ ही विकास रिण दिये जाने की भी मांग की है। उन्होंने इस साल उर्वरक, रसायन और पोषक तत्वों पर जीएसटी से छूट दिय जाने और निर्यात प्रोत्साहन की दर को तीन प्रतिशत से बढ़ाकर पांच प्रतिशत करने की भी मांग की है। मंत्री का कहना है कि चिकमंगलूरू जिले के 15,000 के करीब कॉफी उत्पादक इस समय भारी वित्तीय संकट से गुजर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये उत्पादक सरकार को 1,000 करोड़ रुपये के करीब कर का भुगतान करते हैं। कर्नाटक के मंत्री ने कहा कि पिछले दो साल से कॉफी उत्पादक भारी वर्षा, बाढ और भूस्खलन के कारण कई समस्याओं से जूझ रहे हैं। अब पौधों को बीमारी लगाने और कोविड-19 के कारण उनकी चिंतायें और बढ़ गई हैं। इसके साथ ही उत्पादन लागत बढ़ने और निर्यात में कमी से उनकी आय बुरी तरह प्रभावित हुई है।

जी एंटरटेनमेंट के मानद चेयरमैन बने सुभाष चंद्रा

नयी दिल्ली। एस्सेल समूह के प्रवर्तक सुभाष चंद्रा को मीडिया कंपनी जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड (जेडईईएल) का चेयरमैन एमेरिटस नियुक्त किया गया है। जेडईईएल ने शेयर बाजार को इसकी जानकारी दी। जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने पूर्व नौकरशाह आर गोपालन को भी तत्काल प्रभाव से निदेशक मंडल का चेयरमैन नियुक्त किया है। चंद्रा ने कंपनी के गैर-कार्यकारी निदेशक के पद से मंगलवार को अपना इस्तीफा दिया। उन्होंने 1992 में इस कंपनी को स्थापित किया था। निदेशक मंडल ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। पिछले साल नवंबर में, समूह ने कर्ज चुकाने के लिये कंपनी में प्रवर्तकों की हिस्सेदारी कम कर दी थी। इसके बाद चंद्रा ने चेयरमैन पद छोड़ दिया था। जेडईईएल ने कहा, ''इस तथ्य को देखते हुए कि चंद्रा ने कंपनी की स्थापना की है और उनके बेजोड़ योगदान को देखते हुए सम्मान के रूप में निदेशक मंडल ने उनसे 19 अगस्त 2020 से 'चेयरमैन एमेरिटस' के रूप में कार्य करने का अनुरोध किया और चंद्रा ने भी इसे स्वीकार कर लिया।'' चंद्रा एक सलाहकार की भूमिका में कंपनी का मार्गदर्शन करते रहेंगे और उन्हें इसके बदले कोई पारिश्रमिक नहीं मिलेगी। इस सलाहकार की भूमिका में, उनके समृद्ध अनुभव और दूरदर्शिता से कंपनी को काफी मदद मिलेगी। नये चेयरमैन गोपालन को 25 नवंबर 2019 को कंपनी के अतिरिक्त निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था।

सरकारी बैंकों का संचालनन सरकार से अलग करने की जरूरतः रिजर्व बैंक के पूर्व डिप्टी गवर्नर

मुंबई। रिजर्व बैंक के पूर्व डिप्टी गवर्नर एन एस विश्वनाथन ने मंगलवार को कहा कि सरकारी क्षेत्र के बैंकों का संचालन सरकार के हाथ से अलग करने की जरूरत है। उन्होंने इसके लिए बैंक राष्ट्रीयकरण कानून को समाप्त करने पर जोर दिया जिसके तहत कार्यकारी को संचालन के अधिकार दिये गये हैं। विश्वनाथन ने कहा कि निजीकरण एक बड़ा राजनीतिक निर्णय है यह केवल एक आर्थिक फैसला नहीं है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले बैंकों के लिये एक होल्डिंग कंपनी बनाई जानी चाहिये। उन्होंने कहा कि सरकारी बैंकों के लिये एक होल्डिंग कंपनी का ढांचा जरूरी है। विश्वनाथन रिजर्व बैंक में डिप्टी गवर्नर रहते हुये बैंकिंग नियमनों के प्रमुख रहे हैं। उन्होंने कहा कि सबसे पहली जरूरत है कि बैंकों का शासन- प्रशासन सरकार के हाथों से अलग किया जाना चाहिये। उन्होंने कहा कि बैंक राष्ट्रीयकरण कानून के तहत जो सरकार के हाथों में अधिकार हैं उन्हें समाप्त किया जाना चाहिये। बैंकों के लिये एक होल्डिंग कंपनी का ढांचा बनाया जाना जरूरी है। विश्वनाथन यहां एसपी जैन इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट एण्ड रिसर्च द्वारा आयोजित संगाष्ठी में बोल रहे थे। उन्होंने कहा, 'राष्ट्रीयकरण कानून में सरकार को काफी अधिकार मिले हुये हैं, ऐसे में संचालन काफी मुश्किल हो जाता है। यदि हम बैंकों के संचालन के अधिकार सरकार से हटा दें तो आधा काम हो जायेगा।' संस्थान के कार्यकारी हर्ष वर्धन ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक संसद के कानून के तहत गठित निकाय हैं जबकि निजी क्षेत्र के बैंक कंपनी अधिनियम के तहत आते हैं। उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक का आदेश उनपर लागू नहीं होता है। उनके परिचालन का कानून राष्ट्रीयकरण कानून है। वह इन बैंकों को कई चीजों से बचाता है। हर्ष वर्धन ने कहा कि सरकार को यह निर्णय लेना चाहिये कि ये बैंक वाणिज्यिक उद्यम हैं या फिर सरकार के विभाग है। क्योंकि इनके संचालन के मुद्दे वहीं सं जुड़े हैं। रिजर्व बैंक के पूर्व कार्यकारी निदेशक जी पद्मानाभन ने रिजर्व बैंक केपूर्व गवर्नर वाई वी रेड्डी का हवाला देते हुये कहा कि रेड्डी ने कहा था पूर्व गवर्नर वाई वी रेड्डी का हवाला देते हुये कहा कि रेड्डी ने कहा था पूर्व गवर्नर वाई वी रेड्डी का हवाला देते हुये कहा कि रेड्डी ने कहा था कि 50 साल पहले बैंकों का राष्ट्रीयकरण एक राजनीतिक निर्णय के तहत किया गया और अब निजीकरण भी एक राजनीतिक निर्णय ही होना चाहिये। रिजर्व बैंक ने जब एनपीए को लेकर 12 फरवरी 2018 को और 7 जून 2019 को सर्कुलर जारी किये थे तब विश्वनाथन रिजर्व बैंक में ही थे।

उन्होंने केन्द्रीय बैंक के इस कदम को सही बताया। उच्चतम न्यायालय ने हालांकि इसे रिजर्व बैंक के अधिकार क्षेत्र से बाहर बताया था। विश्वनाथन ने कहा कि एक दिन की देरी होने पर एनपीए घोषित किये जाने के नियम से शीर्ष अदालत का कोई मुद्दा नहीं था लेकिन रिजर्व बैंक ने कानूनी चुनौतियों से बचने के लिये इसे बढ़ाकर 30 दिन कर दिया। कई लोगों ने इस नियम को काफी सख्त बताया था।

रियलमी साल के अंत तक भारत में कर्मचारियों की संख्या करेगा 10,000 से अधिक

नई दिल्ली। स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी रियलमी 2020 के अंत तक भारत में अपने कर्मचारियों की संख्या 10,000 से अधिक करेगी। कंपनी के भारतीय परिचालन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी माधव सेठ ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सेठ ने कहा कि कंपनी ने चालू वर्ष में तीन करोड़ स्मार्टफोन और 80 लाख कृत्रिम मेधा आधारित उपकरण बेचने का लक्ष्य रखा है। वह कंपनी के नए स्मार्टफोन सी12 और सी15 श्रृंखला को पेश करने के कार्यक्रम से इतर बोल रहे थे। उन्होंने कहा, 'हम अपने उत्पादन के स्थानीयकरण को मजबूत बनान जारी रखेंगे। हमारी योजना साल के अंत तक कर्मचारियों की संख्या बढ़ाकर 10,000 से अधिक करने की है। इसी के साथ हम अपने अधिक से अधिक आपूर्तिकर्ताओं को भारत में कारखाने खोलने और देश की अर्थव्यवस्था में सहयोग देने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।' इसी के साथ हम अपने अधिक से अधिक आपूर्तिकर्ताओं को भारत में कारखाने खोलने और देश की अर्थव्यवस्था में सहयोग देने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।' कंपनी के आज पेश सी12 और सी15 की कीमत 8,999 रुपये और 10,999 रुपये के बीच है।

कोयला मंत्री ने तालचर फर्टिलाइजर से कहा, कोयला गैसीकरण परियोजना में लाएं तेजी

नई दिल्ली। कोयला मंत्री प्रल्हाद जोशी ने मंगलवार को तालचर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड की परिचालन गतिविधियों में हुई प्रगति की समीक्षा की और उसे कोयला गैसीकरण परियोजना में तेजी लाने के लिए कहा। तालचर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड- गेल इंडिया लिमिटेड, कोल इंडिया लिमिटेड, राष्ट्रीय रसायन और उर्वरक लिमिटेड और फर्टिलाइजर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एफसीआईएल) के बीच एक संयुक्त उद्यम है। जोशी ने एक ट्वीट में कहा, 'तालचर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड की परिचालन गतिविधियों में प्रगति का जायजा लिया। उन्हें कोयला गैसीकरण परियोजना में तेजी लाने की सलाह दी और उन्हें मंत्रालय की ओर से समर्थन का आश्वासन दिया।' सरकार ने पहले कहा था कि कोयला गैसीकरण आधारित अमोनिया-यूरिया परियोजना, देश में अपनी तरह की पहली परियोजना होगी जहां प्रतिदिन 2,200 टन अमोनिया की और 3,850 टन यूरिया उत्पादन की क्षमता होगी। 2,200 टन अमोनिया की और 3,850 टन यूरिया उत्पादन की क्षमता होगी। परियोजना, देश में अपनी तरह की पहली परियोजना होगी जहां प्रतिदिन 2,200 टन अमोनिया की और 3,850 टन यूरिया उत्पादन की क्षमता होगी। ओडिशा स्थित इस अत्याधुनिक संयंत्र में एक बिक्री योग्य उत्पाद के रूप में प्रतिदिन 100 टन सल्फर 'फलेक्स' का उत्पादन होगा। सरकार ने कहा था कि यह संयंत्र में प्रतिदिन कोयले से 23.8 लाख टन घन मीटर प्राकृतिक गैस के बराबर संश्लिष्ठ गैस का उत्पादन होगा। पहले एफसीआईएल के स्वामित्व वाले इस संयंत्र ने मार्च 1999 में उत्पादन करना बंद कर दिया था। अब, तालचर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड अपने परिचालन को पुनर्जीवित कर रहा है। इस परियोजना में प्रतिवर्ष 12.7 लाख टन (नीम-कोटेड यूरिया) का उत्पादन होगा, जिसमें फीडस्टॉक के रूप में स्वदेशी कोयले और 'पेट कोक' के मिश्रण का उपयोग किया जाएगा। जिसमें फीडस्टॉक के रूप में स्वदेशी कोयले और 'पेट कोक' के मिश्रण का उपयोग किया जाएगा। निर्माण अवधि के दौरान 10,000 से अधिक लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है और संयंत्र के परिचालन के शुरू होने पर 4,000 से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर खुलेंगे।

सीसीईए ने 2020- 21 के लिये गन्ने का एफआरपी 10 रुपये क्विंटल बढ़ाने को मजूरी दीः सूत्र

Rewarding Learning

नयी दिल्ली। केन्द्र सरकार ने बुधवार को गन्ने का उचित एवं लाभकारी (एफआरपी) दाम 10 रुपये बढ़ाकर 285 रुपये क्विंटल करने को मंजूरी दे दी। यह दाम गन्ने के अक्टूबर 2020 से शुरू होने वाले नये विपणन सत्र के लिये तय किया गया है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति (सीसीईए) की बैठक में यह निर्णय लिया गया है। बैठक में गन्ने का 2020- 21 (अक्टूबर- सितंबर) विपणन वर्ष के लिये एफआरपी दाम 10 रुपये क्विंटल बढ़ाने को मंजूरी दी गई। सूत्रों ने बताया कि सीसीईए ने खाद्य मंत्रालय के इस संबंध में दिये गये प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। मंत्रालय ने अगले विपणन सत्र के लिये गन्ने का एफआरपी 275 रुपये से बढ़ाकर 285 रुपये क्विंटल करने का प्रस्ताव दिया था। सूत्रों का कहना है कि मंत्रिमंडल समिति का यह निर्णय कृषि लागत एवं मूल्य आयोग (सीएसीपी) की सिफारिश के मुताबिक है। सीएसीपी सरकार को प्रमुख कृषि उत्पादों के दाम को लेकर सलाह देने वाली सांविधिक संस्था है। एफआरपी को गन्ना (नियंत्रण) आदेश 1966 के तहत तय किया जाता है।

यह गन्ने का न्यूनतम मूल्य होता है जिसे चीनी मिलों को गन्ना उत्पादक किसानों को भुगतान करना होता है। सरकार का अनुमान है कि चालू विपणन सत्र में गन्ने का कुल उत्पादन 280 से 290 लाख टन रह सकता है। गन्ने का चालू विपणन सत्र अगले महीने समाप्त हो रहा है। पिछले साल 2018- 19 में देश में 331 लाख टन गन्ने का उत्पादन हुआ था। महाराष्ट्र और कर्नाटक में गन्ने की खेती में कमी आने से चालू विपणन सत्र में उत्पादन कम रहने का अनुमान है।

परियोजनाएं शुरू करने से पहले स्थानीय लोगों से ली जाएगी रायः उद्धव ठाकरे

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने मंगलवार को राज्य की अर्थव्यवस्था और वृद्धि दर को गति देने के उपायों पर जाने-माने बैंक अधिकारी दीपक पारेख और पूर्व नौकरशाह विजय केलकर समेत अन्य प्रबुद्ध लोगों से चर्चा की। राज्य की अर्थव्यवस्था पर कोविड-19 का काफी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। पारेख और केलकर समेत जिन प्रबुद्ध लोगों से ठाकरे बात की वे पुणे इंटरनेशनल सेंटर के सदस्य हैं। मुख्यमंत्री ने केंद्र अध्यक्ष रघुनाथ माशेलकर, उपाध्यक्ष केलकर, पारेख, शामी मेहता और अन्य सदस्यों से वीडियो कांफ्रेन्सिंग के जरिये चर्चा की। वित्त विभाग की भी जिम्मेदारी संभाल रहे उप-मुख्यमंत्री अजित पवार भी बातचीत में शामिल हुए। आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने कोई भी विकास कार्य शुरू करने से पहले स्थानीय स्तर पर बातचीत पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने विकास से जुड़े मामलों में पारदर्शिता की जरूरत को रेखांकित किया। किसी का नाम लिये बिना ठाकरे ने कहा कि पूर्व में ये चीजें नहीं हुई लेकिन अब परियोजनाओं को लेकर लोगों को भरोसे में लिया जाएगा और उनके साथ बातचीत बढ़ायी जाएगी। मुख्यमंत्री के हवाले से बयान में कहा गया है कि हमारी सरकार किसी परियोजना को लेकर स्थानीय स्तर पर जो विचार है, उसके विपरीत नहीं जाएगी। उन्होंने कहा, 'ऐसे विकास का कोई मतलब नहीं है जिसको लेकर विरोध हो और लाठी चार्ज करना पड़े।' उन्होंने कहा कि हिंदु हृदयसम्राट बाला साहेब ठाकरे महाराष्ट्र समृद्धि महामार्ग राज्य के विकास को गति देगा। यह मुंबई को विदर्भ में नागपुर से जोड़ेगा। ठाकरे ने 700 किलोमीटर लंबे एक्सप्रेसवे के साथ 24 टाउनशिप विकसित किये जाने की बात दोहरायी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा एक्सप्रेसवे के साथ औद्योगिक केंद्र का नेटवर्क भी विकसित किया जाएगा।

एसबीआई ने करोड़ों ग्राहकों को दी राहत, खत्म किए चार्जेज

बिजनेस डेस्क। अगर आप भारतीय स्टेट बैंक के ग्राहक हैं तो यह खबर आपके लिए बेहद जरूरी है। बैंक ने अपने ग्राहकों को राहत देते हुए कुछ चार्ज खत्म कर दिए हैं। इनमें एसएमएस अलर्ट और न्यूनतम बैलेंस शामिल हैं। एसबीआई के 44 करोड़ से अधिक बचत खाताधारकों को ये सुविधा मिलेगी। अब ग्राहकों से एसएमएस अलर्ट और न्यूनतम बैलेंस के चार्ज नहीं वसूले जाएंगे। यह सेवा मुफ्त हो गई है। साथ ही बैंक ने यह भी कहा कि अनावश्यक एप्स से छुटकारा पाने के लिए डाउनलोड करें यानी बैंक ने ग्राहक के खाते से रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर बैंकिंग सर्विस मैसेज के लिए लगने वाले चार्ज को खत्म कर दिया है। अब इसके लिए ग्राहक को कोई चार्ज नहीं देना होगा। इसके अतिरिक्त अब न्यूनतम बैलेंस रखना भी जरूरी नहीं है। पहले एसबीआई में खाताधारकों को 3,000 रुपए मिनिमम बैलेंस के रूप में रखना जरूरी होता था। अगर यह 50 फीसदी से कम यानी 1,500 रुपए हो जाता है, तो उसे शुल्क के रूप में 10 रुपए और जीएसटी देना पड़ता था। वहीं अगर आपके खाते में बैलेंस 75 फीसदी से कम हो जाता है तो आपको शुल्क के रूप में 15 रुपए और जीएसटी देना पड़ता था। मालूम हो कि एसबीआई ने अपने एटीएम से निकासी नियमों में बदलाव किया है। नए नियमों के तहत खाते में ज्यादा राशि नहीं होने पर अगर एटीएम से निकासी फेल हो जाती है तो एसबीआई ग्राहकों को 20 रुपए जुर्माने के साथ जीएसटी का भुगतान करना होगा। एसबीआई के मुताबिक, 1 जुलाई, 2020 से बदले नियमों के तहत एटीएम से निकासी की सुविधा सीमित कर दी गई है।

अब मेट्रो शहरों में रहने वाले एसबीआई के नियमित बचत खाताधारक एक महीने में एटीएम से आठ बार ही मुफ्त निकासी कर सकेंगे। इनमें पांच बार एसबीआई एटीएम और तीन बार किसी अन्य बैंक के एटीएम से निकासी शामिल है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ग्रांड फाइनल शतरंज - कार्लसन की वापसी स्कोर किया बराबर

नॉर्वे । मेगनस कार्लसन शतरंज टूर फाइनल में रोमांचक शतरंज जारी है और 2-1 से पीछे चल रहे विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन नें बेस्ट ऑफ 7 दिन के मुक़ाबले में चौथे दिन अपने प्रतिद्वंदी अमेरिका के हिकारु नाकामुरा को 2.5-1.5 से मात देते हुए स्कोर 2-2 कर दिया । दोनों के बीच पहले दो रैपिड मुक़ाबले ड्रॉ रहे और इसके बाद हुए तीसरे मुक़ाबले में मेगनस कार्लसन नें इटेलिअन ओपेनिंग में बेहद ही शानदार बाजी खेलते हुए मात्र 36 चालों में खेल अपने नाम कर लिया , इसके बाद हुआ अंतिम रैपिड मुक़ाबला ड्रॉ रहा और कार्लसन बिना टाईब्रेक के दिन अपने नाम करने में कामयाब रहे । प्रतियोगिता में अभी तीन दिन का खेल बचा है और जो भी 2 दिन अपने नाम कर पाएगा वही विजेता होगा । इस ऑनलाइन प्रतियोगिता में विजेता को 1 करोड़ 5 लाख तो उपविजेता को 60 लाख रुपेय का पुरुष्कार दिया जाएगा

सीपीएल : सुनील नेरेन की तूफानी पारी से जीते नाइट राइडर्स, किंग की कैच ने बटोरी तारीफें

नई दिल्ली ।

कैरेबियन प्रीमियर लीग की आखिरकार शुरुआत हो गई। बरिश से प्रभावित मैच में जब गुयाना एमेजॉन वारियर्स की टीम पहले खेलने आई तो उसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही। ब्रैंडन किंग 0 तो हेमराज महज 3 रन बनाकर चलते बने। लेकिन इसके बाद हेटमायर और रोस टेलर ने अपनी टीम को मजबूती दी। हेटमायर ने 44 गेंदों में 63 रन बनाए तो वहीं रोस टेलर ने 33 तो निकोल्स पूरण ने 18 रन का योगदान दिया। गुयाना ने इस तरह निर्धारित 17 ओवरों में 144 रन बनाए लेकिन इस लक्ष्य का वह बचाव नहीं कर पाए। त्रिनबागो नाइट राइडर्स की शुरुआत बेहद अच्छी रही। लिंडल सिमंस के साथ सुनील नेरेन मैदान पर आए। नेरेन ने अपनी चिर परिचित अंदाज में बड़े शॉट लगाने शुरू कर दिए। उन्होंने महज 28 गेंदों में दो चौके और चार छक्कों की मदद से 50 रन बना दिए। इसके बाद कोलिन मुनरो ने भी 7 गेंदों में 17 रन का योगदान दे दिया। डेरेन ब्रावो ने 27 गेंदों में दो छक्कों की मदद से 30 रन बनाए। आखिर में डवेन ब्रावो ने अपनी टीम को आखिरी ओवर में जीत दिला दी। नेरेन ने अर्धशतक के अलावा दो विकेट भी निकाली इसलिए उन्हें मैन ऑफ द मैच अवॉर्ड दिया गया। हालांकि सुनील नेरेन ने अपनी पारी की बजाय विरोधी टीम की अहम मौके पर विकेट निकालने को तरजीह दी। उन्होंने मैन ऑफ द मैच बनने पर कहा- रॉस टेलर और शिमरोन हेटमेयर, जिस तरह से वे जा रहे थे, उनका विकेट प्राप्त करना महत्वपूर्ण था। मेरी पूरी कोशिश की ओर रोस टेलर को आऊट कर दिया। वहीं अपनी पारी पर नेरेन बोले- मेरा काम पिच पर जितना संभव हो सके, रहने की कोशिश था। मैंने गेंद को देखा और हिट किया। कभी-कभी यह बहुत मायने रखता है। ब्रैंडन किंग की कैच भी आई चर्चा में मैच के दौरान ब्रेंडन किंग ने डेवेन ब्रावो की शानदार कैच पकड़ चर्चा बटोरी।

ब्रैंडन किंग की कैच भी आई चर्चा में मैच के दौरान ब्रेंडन किंग ने डेवेन ब्रावो की शानदार कैच पकड़ चर्चा बटोरी। ब्रैंडन का एक तेज शॉट किंग ने जंप लगकर एक ही हाथ से लपक लिया।

कोरोना से मिले ब्रेक पर बोलीं गोलकीपर सविता, कहा- स्वयं का आकलन करने का मौका मिला

साउथम्पटन ।

भारतीय महिला हॉकी टीम की गोलकीपर सविता ने बुधवार को यहां एक महीने के बाद राष्ट्रीय शिविर बहाल होने पर कहा कि कोरोना वायरस के कारण ब्रेक ने स्वयं का विश्लेषण और मैदान के अंदर और बाहर जीवन का आकलन करने का शानदार मौका दिया। भारतीय सीनियर पुरुष और महिला कोर संभावित खिलाड़ियों ने 14 दिन का पृथकवास खत्म होने के बाद राष्ट्रीय शिविर में ट्रेनिंग बहाल की जिसके भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के दक्षिण केंद्र में 30 सितंबर तक जारी रहने की उम्मीद है। सविता ने कहा, ''जब आप पेशेवर खिलाड़ी होते हो तो कभी कभी समय काफी व्यस्त हो जाता है... आपको स्वयं का विश्लेषण करने का मौका नहीं मिलता लेकिन ये कुछ महीने... विशेषकर पिछले 14 दिन, मुझे चीजों को देखने और अपने आप को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिली। उन्होंने कहा, 'मैंने महसूस किया कि जीवन में शायद यही समय होगा जहां मैं निजी और पेशेवर चीजों का काफी विश्लेषण कर सकती हूं और उन्हें बेहतर करने की दिशा में काम कर सकती हूं। मेरा मानना है कि यह मेरे जीवन के सबसे महत्वपूर्ण चरण में से एक है। कप्तान मनप्रीत सिंह सहित कोविड-19 से उबरने वाले छह पुरुष खिलाड़ियों को छोड़कर बाकी सभी पुरुष और महिला खिलाड़ियों ने बुधवार को यहां हल्का अभ्यास किया। मनप्रीत के अलावा सुरेंदर कुमार, जसकरण सिंह, वरूण कुमार, कृष्ण बी पाठक और मनदीप सिंह सोमवार को शहर के अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद पृथकवास से गुजर रहे हैं।

वीवीएस लक्ष्मण ने खोला बतौर कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की सफलता का राज

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण का मानना है कि नतीजों से भावनात्मक रूप से अलग रहने ने महेंद्र सिंह धोनी की सफलता में बड़ी भूमिका निभाई। धोनी ने भारतीय क्रिकेट में बड़ी विरासत छोड़ते हुए शनिवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया। मैदान पर अपने धैर्य के लिए पहचाने जाने वाले धोनी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की सभी ट्रॉफियां जीतने वाले एकमात्र कप्तान हैं। उन्होंने 15 अगस्त को इंस्टाग्राम पर बेहद संक्षिप्त शब्दों में संन्यास लेने की घोषणा की। लक्ष्मण ने शानदार सफलता के लिए भारतीय टीम के अपने पूर्व साथी को बधाई दी। लक्ष्मण ने कहा- मुझे हमेशा से लगता है कि भारत की कप्तानी करना संभवतः किसी के लिए भी सबसे कड़ी चुनौती है क्योंकि दुनिया भर में सभी की आपसे इतनी अधिक उम्मीदें होती हैं। लेकिन महेंद्र सिंह धोनी कभी नतीजों से भावनात्मक रूप से नहीं जुड़ा रहा। उसने खेल प्रशंसकों को ही नहीं बल्कि लाखों भारतीयों को प्रेरित किया और बताया कि किस तरह का आचरण करना चाहिए और कैसे अपने देश का दूत बनना चाहिए, सार्वजनिक जीवन में खुद को कैसे रखना चाहिए। और यही कारण है कि वह इतना सम्मानित है। लक्ष्मण ने कहा कि इस पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ने अपने आचरण और खेल के प्रति योगदान से भविष्य की पीढ़ियों के लिए उदाहरण पेश किया। उन्होंने कहा- क्रिकेट प्रशंसकों का प्यार आपकी क्रिकेट उपलब्धियों के लिए मिलता है लेकिन सम्मान इस चीज से मिलता है कि आपका आचरण कैसा रहा। लक्ष्मण बोले- अगर आप सोशल मीडिया पोस्ट देखें तो सिर्फ पूर्व खिलाड़ियों या क्रिकेट प्रशंसकों ने ही टिप्पणी नहीं की बल्कि सभी भारतीयों ने की जिसमें फिल्मी सितारे, जाने माने उद्योगपति, राजनेता शामिल रहे।

मौजूदा कुश्ती कोचों को द्रोणाचार्य नहीं मिलने पर सुजीत मान ने जताई नाराजगी

नई दिल्ली ।

एक दशक से राष्ट्रीय कुश्ती टीम के साथ कोच पद की जिम्मेदारी संभाल रहे गुरु हनुमान अखाड़े के जाने माने कोच सुजीत मान ने इस साल किसी सक्रिय मौजूदा कोच के नाम की द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिए सिफारिश नहीं किए जाने पर नाराजगी जताई है जबकि कुश्ती इस समय देश का एकमात्र ऐसा खेल है जिसमें भारत ने पिछले तीन ओलम्पिक में लगातार पदक जीते हैं। राष्ट्रीय खेल पुरस्कार के लिए बनी 12 सदस्यीय समिति ने द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिए इस बार कुल 13 नामों के नाम की सिफारिश की है जिसमें लाइफ टाइम वर्ग में आठ नाम और नियमित वर्ग में पांच नाम हैं। लाइफटाइम वर्ग में ओ पी दाहिया का नाम है लेकिन लगातार तीसरे वर्ष नियमित वर्ग में किसी कुश्ती कोच का नाम नहीं है। खुद सुजीत का लगातार तीसरे वर्ष द्रोणाचार्य के लिए नाम गया था लेकिन नियमों के अनुसार सर्वाधिक अंक होने के बावजूद उन्हें एक बार फिर नजरअंदाज कर दिया गया। पिछले दो वर्षों में भी उनके सर्वाधिक अंक बनते थे लेकिन वह नजरअंदाज हो गए थे। टोक्यो ओलम्पिक में पदक की सबसे बड़ी उम्मीद बजरंग पुनिया और ओलम्पिक में पदक जीत चुके सुशील कुमार और योगेश्वर दत्त जैसे दिग्गज पहलवानों के साथ राष्ट्रीय शिविर में कोच रह चुके सुजीत मान का नाम भारतीय कुश्ती महासंघ और रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड ने द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिए खेल मंत्रालय को भेजा था। सुजीत ने नियमित वर्ग में किसी कुश्ती कोच का नाम न होने पर हैरानी और निराशा व्यक्त करते हुए बुधवार को कहा, 'कुश्ती में हम पिछले तीन ओलम्पिक से लगातार पदक जीत रहे हैं और अगले साल टोक्यो ओलम्पिक होने हैं जहां हमें एक बार फिर कुश्ती से ही पदक की सबसे ज्यादा उम्मीदें हैं। उन्होंने कहा, हमारे चार पहलवान ओलम्पिक कोटा हासिल कर चुके हैं और अगले साल के क्वालीफायर्स में और कोटा मिलने की उम्मीद है। लेकिन इसी खेल में द्रोणाचार्य के लिए कोचों को नजरअंदाज किया गया है जो कुश्ती और ओलम्पिक पदक उम्मीदों के लिहाज से ठीक नहीं है। 43 वर्षीय सुजीत ने सवाल उठाते हुए कहा, 'मैंने मीडिया में छपे द्रोणाचार्य पुरस्कारों के नाम देखे हैं जिसमें हॉकी में लाइफटाइम और नियमित वर्ग दोनों में कोचों के नाम की सिफारिश की गयी है लेकिन कुश्ती में सिर्फ लाइफटाइम वर्ग में एक नाम है। यह लगातार तीसरा साल है जब नियमित वर्ग में किसी कुश्ती कोच का नाम नहीं है। क्या कुश्ती खेल ने देश को ओलम्पिक, राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों में पदक नहीं दिए हैं जो किसी कोच का नाम नियमित वर्ग में नहीं है। सुजीत ने कहा, 'यह लगातार तीसरा साल है जब मुझे नजरअंदाज किया गया है। मैंने 2018 और 2019 में भी अपना नाम द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिए भेजा था। उन दोनों वर्षों में मेरे सबसे ज्यादा अंक थे और इस बार भी मेरे सबसे ज्यादा अंक बनते थे लेकिन इस बार भी मुझे निराश होना पड़ा है।

संक्षिप्त समाचार

रॉयल ट्रून में इतिहास रचने उतरेंगी भारतीय गोल्फर तिकड़ी

रॉयल ट्रून । भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर, अदिति अशोक और त्वेसा मलिक की तिकड़ी रॉयल ट्रून में शुरू हो रहे 45 लाख डॉलर इनामी एआईजी महिला ओपन में उतकर इतिहास रचेंगी। यह पहली बार है जब भारत की तीन महिला खिलाड़ी किसी मेजर टूर्नामेंट में एक साथ खेल रही हैं। मेजर टूर्नामेंट में पदार्पण कर रही त्वेसा कैमिला लेनार्थ और जेनिफर चांग के साथ शुरुआत करेंगी जबकि 2018 में महिला ओपन में संयुक्त 22वें स्थान के साथ मेजबान टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली अदिति को स्टेफनी मीडो और आस्टिन अर्नस्ट के साथ रखा गया है। दीक्षा अपने अभियान की शुरुआत एली मैकडोनाल्ड और गैबी लोपेज के साथ करेंगी। कोरोना वायरस महामारी के कारण कोर्स पर दर्शकों को आने की इजाजत नहीं होगी। दीक्षा ने कहा- शीर्ष स्तर पर खेलना बड़े ही सम्मान की बात है, हमने इसी का सपना देखा है। इस यात्रा के दौरान कई लोगों ने योगदान दिया है। टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही 144 खिलाडियों में से 20 मेजर टूर्नामेंट जीत चुकी हैं जिससे प्रतियोगिता में कड़ी प्रतिस्पर्धा की उम्मीद है। पूर्व चैंपियनों में लॉरा डेवीस, अनिका सोरेनस्टोम, कैटरीन मैथ्यू, जॉर्जिया हॉल और हिनाको शिबुनो शामिल हैं जो टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही हैं।

कोविड-19 से उबरे एशियाई खेलों के पदक विजेता सुच्चा सिंह, बुरा रहा उपचार का अनुभव

नयी दिल्ली। एशियाई खेलों के पदक विजेता धावक सुच्चा सिंह कोविड-19 से उबर गये हैं लेकिन उपचार के दौरान का उनका अनुभव बहुत बुरा रहा। सुच्चा सिंह ने अपने साथ हुए दुर्व्यवहार को 'अपमानजनक' करार दिया और कहा कि एक खिलाड़ी जिसने देश का मान बढ़ाया है उसे भी उम्र के इस पड़ाव में इतना कुछ सहना पड़ा और यहां तक कि परीक्षण करवाने के लिये कई जगह चक्कर लगाने पड़े। सुच्चा सिंह ने 1970 एशियाई खेलों में 400 मीटर में कांस्य पदक जीता था तथा वह 1970 और 1974 में चार गुणा 400 मीटर रिली में रजत पदक जीतने वाली टीम के हिस्से थे। उन्हें चार अगस्त को कोरोना वायरस के लिये 'पॉजिटिव' पाया गया है लेकिन 17 अगस्त को किये गये एक अन्य परीक्षण के 'नेगेटिव' आने के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गयी। सत्तर वर्षीय सुच्चा सिंह को जालंधर के पीआईएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्होंने कहा कि उपचार में उनकी मोटी धनराशि खर्च हो गयी और उन्हें अपने रिश्तेदारों की मदद से ढाई लाख रुपये जुटाने पड़े। उन्होंने जालंधर से पीटीआई-भाषा से कहा, ''मुझे 25-26 जुलाई की रात को तेज बुखार और खांसी हुई। मैंने एक क्लिनिक के चिकित्सक से सलाह ली। बुखार और खांसी कम नहीं हो रही थी। इसके कुछ दिन बाद मैंने परीक्षण करवाने का निर्णय किया।'' यहीं से उनकी परेशानियां बढ़ी और परीक्षण करवाने में उन्हें दो दिन लग गये। उन्होंने कहा, ''मैंने एक अस्पताल में परीक्षण करवाया जिसके लिये मैंने 5000 रुपये का भुगतान किया।

धोनी के विदाई मैच को लेकर सामने आई बड़ी जानकारी, बीसीसीआई बना रही है खास प्लान

स्पोर्ट्स डेस्क ।

महान विकेटकीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी ने संन्यास की अटकलों के बीच 15 अगस्त की शाम 7.29 पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेकर सभी को हैरान कर दिया। लेकिन खबरों की मानें तो अब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) धोनी के विदाई मैच को लेकर खास प्लान बना रही है और आईपीएल के बाद धोनी टीम इंडिया की तरफ से एक आखिरी मैच में खेलते दिखाई दे सकते हैं। एक न्यूज वेबसाइट ने अधिकारी के हवाले से कहा कि इस समय कोई इंटरनेशनल सीरीज नहीं खेली जा रही है। लेकिन धोनी के विदाई मैच पर आईपीएल के बाद देखेंगे कि हम क्या कर सकते हैं। अधिकारी ने कहा, धोनी ने देश के लिए बहुत कुछ किया है और वह सम्मान के अधिकारी हैं। उन्होंने कहा, हम हमेशा से उनके (धोनी) लिए एक विदाई मैच चाहते थे वह एक एकदम से अलग खिलाड़ी है। जब कोई उनके संन्यास के बारे में सोच भी नहीं रहा था, उन्होंने रिटायरमेंट की घोषणा कर दी। विदाई मैच को लेकर धोनी से बात हुई है? इस पर अधिकारी ने जवाब दिया कि इस बारे में उनसे फिलहाल कोई बात नहीं हुई है लेकिन आईपीएल के दौरान उनसे इस विषय पर बात करेंगे। इस बाबत उनके विचार जानने के लिए आईपीएल सही रहेगा। हालांकि अधिकारी ने ये भी कहा कि उनके राजी होने से कोई फर्क नहीं पड़ता लेकिन उनकी विदाई का भव्य समारोह आयोजित होगा। उनका सम्मान हमारे लिए गर्व की बात होगी।

दिव्या काकरान को भी मिलेगा अर्जुन पुरस्कार, बोली- मां ने ट्रेनिंग के लिए बेच दिया था मंगलसूत्र

नई दिल्ली । भारतीय पहलवान दिव्या काकरान की राष्ट्रीय खेल पुरस्कार समिति ने अर्जुन पुरस्कार के लिए सिफारिश कर दी है। इसके बाद से दिव्या ने कहा कि वह सम्मानित महसूस कर रही हैं। दिव्या ने कहा- मैं अपनी भावनाओं को व्यक्त नहीं कर सकती। अर्जुन पुरस्कार हर खिलाड़ी का सपना है। अभी मैं चांद पर हूं। मेरे परिवार और मुझे बहुत संघर्ष का सामना करना पड़ा और यह पुरस्कार हमारी मेहनत का परिणाम है। दिव्या ने कहा- मैं विशेष रूप से इस पुरस्कार को अपने परिवार, अपनी मां को समर्पित करना चाहती हूं। मैं एक गरीब परिवार से आई। मेरे पिता पुरुषों के लिए कुश्ती के जॉकस्ट्रैप बेचते थे, जो मेरी मां पूर्वी दिल्ली के गोकुलपुर गांव में हमारे किराए के घर में सिलाई करती थी। दिव्या ने कहा- मुझे याद है कि जब मेरी मां ने एक बार मेरी ट्रेनिंग के लिए अपना मंगलसूत्र बेच दिया था। पिछले साल मुझे नौकरी मिलने तक जीवन बहुत कठिन था। लेकिन अब यह अतीत है। इस पुरस्कार के साथ, मैं अपनी ओलंपिक तैयारी पर ध्यान केंद्रित करना चाहती हूं। 2017 के एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक के अलावा फरवरी में एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतने के लिए राउंड-रॉबिन प्रारूप में अपने सभी चार मुकाबले जीते। यह देश और पहलवान दोनों के लिए एक विशेष अवसर था। रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया 1 सितंबर से राष्ट्रीय शिविर का आयोजन कर रहा है और दिव्यांग इसमें शामिल होने के इच्छुक है।

स्मिथ की गैर-मौजूदगी में इस भारतीय को मिलेगी राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी : रिपोर्ट्स

स्पोर्ट्स डेस्क । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारत में कोरोना वायरस की स्थिति को देखते हुए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2020 यूएई में करवाने का फैसला किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक राजस्थान रॉयल्स टीम के कप्तान स्टीव स्मिथ पहले सप्ताह टीम के साथ नहीं जुड़ पाएंगे और ऐसे में भारतीय क्रिकेटर जयदेव उनादकट कप्तानी संभाल सकते हैं। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाली सीमीत ओवरों की सीरीज के कारण पहले सप्ताह कई ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी आईपीएल में हिस्सा नहीं ले पाएंगे जिसमें राजस्थान रॉयल्स के कप्तान स्मिथ का भी नाम शामिल है। वहीं राजस्थान के लिए खेलने वाले इंग्लैंड के जोस बटलर और जोफ्रा आर्चर के टीम में शामिल होने की संभावना है। बेन स्टोक्स की बात करें तो उनके आईपीएल में हिस्सा लेने का कोई विचार नहीं है। रिपोर्ट्स के मुताबिक राजस्थान आईपीएल के पहले सप्ताह के लिए जयदेव उनादकट को कप्तान बना सकता है। हालांकि उनादकट ने आईपीएल में कभी कप्तानी नहीं की है, लेकिन टीम को लीड करना उनके कोई नई बात नहीं है। राजस्थान रॉयल्स स्टार ने सौराष्ट्र रणजी टीम की अगुवाई की है और इस साल की शुरुआत में रणजी ट्रॉफी के गौरव को बढ़ाया है। उनादकट 2018 से राजस्थान के साथ है और पिछली रणजी ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया था।

खेल रत्न पुरस्कार पाने वाली पहली महिला हॉकी प्लेयर बनेंगी रानी रामपाल

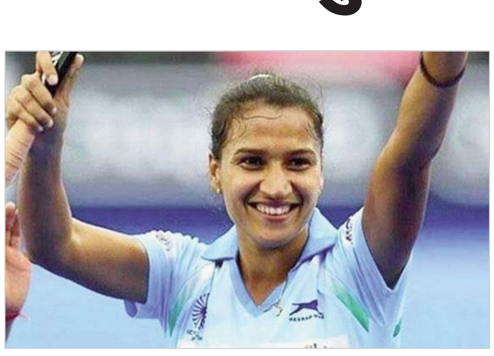

नई दिल्ली ।

भारतीय हॉकी टीम की कप्तान रानी रामपाल को प्रतिष्ठित खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। रानी केवल तीसरी और पहली महिला हॉकी खिलाड़ी हैं जिनके नाम की सिफारिश इस सम्मान के लिए की गई है। रानी से पहले धनराज पिल्लै (2000) और सरदार सिंह (2017) को खेल रत्न पुरस्कार मिला था। सूत्र बताते हैं कि रानी का नाम बाद में इसलिए जोड़ा गया क्योंकि कुछ सदस्य उनके नामांकन पर चर्चा चाहते थे। काफी विचार विमर्श के बाद हर किसी को लगा कि वह अपनी उपलब्धियों के कारण इस सम्मान की हकदार है। देश के सर्वोच्च खेल पुरस्कार खेल रत्न के लिए एक जनवरी 2016 से 31 दिसंबर 2019 की उपलब्धियों पर विचार किया गया। इस दौरान रानी की अगुवाई में भारतीय टीम ने महिला एशियाई कप 2017 में ऐतिहासिक जीत दर्ज की तथा 2018 में एशियाई खेलों में रजत पदक जीता। रानी ने एफआईएच ओलंपिक क्वालीफायर्स में भी अहम भूमिका निभायी तथा निर्णायक गोल किया जिससे भारत को तोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने में मदद मिली। यही नहीं टीम इस बीच अपनी सर्वश्रेष्ठ नौवीं रैंकिंग पर पहुंची। इस साल के राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह का आयोजन कोविड-19 महामारी के कारण वर्चुअल होने की संभावना है। विजेता अपने संबंधित क्षेत्रों से लॉग इन करके 29 अगस्त को इस समारोह का हिस्सा बनेंगे। आम तौर पर इनका आयोजन राष्ट्रपति भवन में होता रहा है। हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के जन्मदिन 29 अगस्त को देश में राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया जाता है। खेल रत्न में पदक, प्रमाणपत्र और 7.5 लाख रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाता है।

अर्जुन पुरस्कार में पांच लाख रुपये का नकद पुरस्कार तथा महाभारत के नायक अर्जुन की प्रतिमा दी जाती है। राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों में कोचिंग के लिये द्रोणाचार्य और ध्यानचंद पुरस्कार भी दिये जाते हैं। राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों में कोचिंग के लिये द्रोणाचार्य और ध्यानचंद पुरस्कार भी दिये जाते हैं। प्रत्येक वर्ष राष्ट्रपति इन पुरस्कारों से खिलाडियों को सम्मानित करते हैं। पुरस्कार विजेताओं की सूची इस प्रकार है- राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार : रोहित शर्मा (क्रिकेट), विनेश फोगाट (कुश्ती), मनिका बत्रा (टेबल टेनिस), रानी रामपाल (हॉकी), मरियप्पन थंगवेलु (पैरा-एथलीट)। अर्जुन पुरस्कार : इशांत शर्मा (क्रिकेट), अतनु दास (तीरंदाजी), दीपक हुड्डा (कबड्डी), दीपक ठाकुर (हॉकी), दिविज शरण (टेनिस), मीराबाई चानू (भारोत्तोलन), साक्षी मलिक (कुश्ती), आकाशदीप सिंह (हॉकी), लोवलीना बोरगोहेन (मुक्केबाजी), मनु भाकर (निशानेबाजी), सौरभ चौधरी (निशानेबाजी), मनीष कौशिक (मुक्केबाजी), संदेश झिंगन (फुटबॉल), दत्तू भोकानल (रोइंग), राहुल अवारे (कुश्ती), दुती चंद (एथलेटिक्स), दीप्ति शर्मा (क्रिकेट), शिवा केशवन (शीतकालीन खेल), मधुरिका पाटकर (टेबल टेनिस), मनीष नरवाल (पैरा निशानेबाज), संदीप चौधरी (पैरा एथलीट), सुयश जाधव (पैरा तैराक), चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी (बैडमिंटन), विशेष भृगुवंशी (बास्केटबॉल), अजय सावंत (टेंट पेगिंग), अदिति अशोक (गोल्फ), काले सारिका (खो खो), दिव्या काकरान (कुश्ती)।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत मामले में हर दिन नये-नये खुलासे हो रहे हैं। एक तरह पुलिस अपनी पड़ताल कर रही है तो दूसरी तरह मीडिया भी केस सें जुड़े लोगों से लगातार बात कर रही है।

सुशांत सिंह राजपूत को तांत्रिक के पास लेकर क्यों गयी रिया चक्रवर्ती?

तांत्रिक ने सामने आकर बतायी सच्चाई

बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत मामले में हर दिन नये-नये खुलासे हो रहे हैं। एक तरह पुलिस अपनी पड़ताल कर रही है तो दूसरी तरह मीडिया भी केस सें जुड़े लोगों से लगातार बात कर रही है। सुशांत सिंह राजपूत की मौत के केस मे तंत्र-मंत्र वाला एंकगल भी आ गया है। जाता खबरों के अनुसार रिया चक्रवर्ती सुशांत सिंह राजपूत को एक तांत्रिक के पास भी लेकर गयी थी। टाइम्स नाउ की एक नई रिपोर्ट में कहा गया है कि अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत का इलाज एक आध्यात्मिक उपचारक द्वारा किया गया था। उपचारकर्ता ने चैनल को बताया कि वह सुशांत की प्रेमिका रिया चक्रवर्ती ही थी जिसने मुझसे संपर्क किया था।

रिपोर्ट में मोहन सदाशिव जोशी नाम के एक व्यक्ति की पहचान की गई है। चैनल से बात करते हुए, उन्होंने बताया कि वह कैसे रिया से सुशांत के डिप्रेशन को ठीक करने के लिए संपर्क में आये। जोशी ने पिछले साल नवंबर के महीने में सुशांत से मुलाकात की थी। उन्होंने कहा कि रिया ने सारी बातचीत तब की थी उस समय दोनों साथ थे रिया ने ही सुशांत के बारे में बताया क्योंकि सुशांत ने कभी भी उनकी परेशानियों के बारे में बात नहीं की। टाइम्स ऑफ इंडिया की एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया है कि जोशी ने यह भी खुलासा किया है कि कैसे बांद्रा पुलिस ने उन्हें अपना बयान दर्ज करने के लिए पुलिस स्टेशन आने के लिए कहा था, लेकिन उम्र और चिकित्सा स्थिति के कारण, वह इसे पुलिस स्टेशन में नहीं आ सके।

14 जून को मुंबई में आत्महत्या कर सुशांत की मौत हो गई। सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले की जांच मुंबई पुलिस द्वारा की जा रही है। जुलाई के अंत में, सुशांत के पिता केके सिंह ने रिया पर आत्महत्या के लिए उकसाने और अन्य आरोपों के साथ धोखाधड़ी करने का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज की थी। इसके कारण महाराष्ट्र और बिहार पुलिस के बीच टकराव हुआ। इस बीच, सुशांत के परिवार के नेतृत्व में कई लोग इस मामले की पूरी जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो से कराने की मांग कर रहे हैं। सुशांत के वित्तीय लेनदेन में प्रवर्तन निदेशालय भी वित्तीय अनियमितताओं की जाँच कर रहा है।

चंकी पांडे

का कहना है कि उनकी बेटी अगर उनके साथ काम करेगी तो उन्हें बहुत मजा आएगा.

बेटी अनन्या पांडे के साथ काम करने के सवाल पर चंकी पांडे का मजेदार जवाब

अभिनेता चंकी पांडे (Chunky Pandey) का कहना है कि उनकी बेटी अभिनेत्री अनन्या पांडे (Ananya Pandey) अगर उनके साथ काम करेगी तो उन्हें बहुत मजा आएगा. चंकी पांडे ने कहा, 'अगर अनन्या और हम एक साथ काम करते हैं तो हमें बहुत मजा आएगा. हम दोनो एक दूसरे से अच्छा करना चाहेंगे, क्योंकि वह बहुत कम्पिटिटिव है और मैं तो हूं ही.'

तीस साल से फिल्म इंडस्ट्री में काम कर रहे चंकी पांडे (Chunky Pandey) ने मजाक में कहा कि अगर हम पिता-बेटी की जोड़ी एक साथ काम करें तो, कम्पिटिशन की भावना से घर में वार हो जाएगा. उन्होंने मजाक में कहा, 'अगर हम कैमरे के सामने आते हैं, मैं तो पुराना चालाक हूं. इसलिए मैं लाइमलाइट लेने की कोशिश करता हूं. अनन्या भी कुछ ट्रिक आजमाएंगी.

अगर हम साथ आए तो परिवार में कम्पिटिशन का माहौल हो जाएगा और घर में एक विश्व युद्ध हो सकता है.'काम की बात करें तो हाल ही में रिलीज हुई वेब शो 'अभय 2' में चंकी पांडे दिखाई दिए थे, जिसमें वह निगेटिव किरदार में नजर आए थे.

चौतरफा आलोचना के बाद अमिताभ बच्चन की अपने ब्लॉग पर सफाई, कहा- योजना बनाकर नहीं लिखा

अभिनेता अमिताभ बच्चन का कहना है कि वह अपने ब्लॉग पर कोई योजना बनाकर लिखना शुरू नहीं करते हैं, बल्कि अपनी भावनाओं और सोच को लिखते चले जाते हैं।

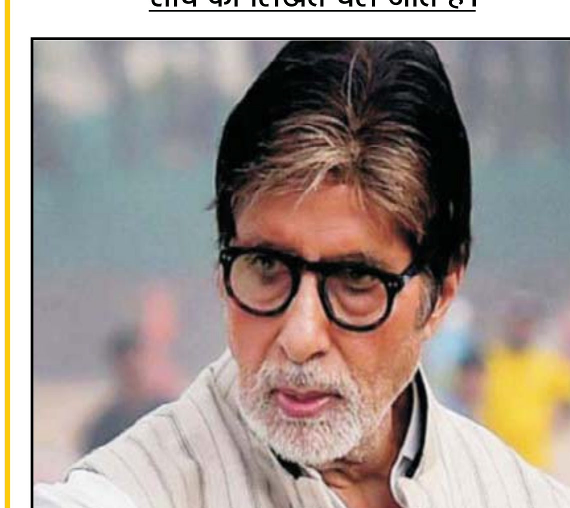

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन हाल ही में कोरोना वायरस से जंग लड़ कर घर वापस आये हैं। अमिताभ बच्चन के परिवार में अभिषेक बच्चन, ऐश्वर्या राय, आराध्या को भी कोरोना वायरस का संक्रमण हो गया था जिसके बाद इन सभी को नानावती अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। इस दौरान अभिताभ बच्चन ने नानावती हॉस्पिटल को लेकर एक वीडियो जारी किया था जिसमें उन्होंने अस्पताल की काफी तारीफ की थी। इस वीडियो के सामने आने के बाद अमिताभ बच्चन की लोगों ने काफी अलोचना भी की। इसके बाद अमिताभ बच्चन पर नकली हिन्दू होने का भी सोलश मीडिया पर आरोप लगाया गया। अमिताभ पर आरोप लगा कि वह हर छोटी से छोटी चीज पर अपनी प्रतिक्रिया देते हैं तो राम मंदिर के निर्माण पर उन्होंने क्यों कोई पोस्ट नहीं की ? ऐसे कई सवालों से सोशल मीडिया पर अमिताभ बच्चन को घेरा गया। अब इन सभी मुद्दों पर अमिताभ ने बहुत ही सादगी ने अपनी पोस्ट को लेकर जवाब दिया हैं।

अभिनेता अमिताभ बच्चन का कहना है कि वह अपने ब्लॉग पर कोई योजना बनाकर लिखना शुरू नहीं करते हैं, बल्कि अपनी भावनाओं और सोच को लिखते चले जाते हैं। बच्चन सोशल मीडिया पर खासे सक्रिय रहते हैं और नियमित रूप से अपने प्रशंसकों को अपडेट रखने के लिए अपने ब्लॉग पर अपने जीवन, स्वास्थ्य इत्यादि के बारे में लिखते रहते हैं। शनिवार की देर रात 77 वर्षीय अभिनेता ने लिखा कि उनके कई प्रशंसक अक्सर उनसे सवाल करते हैं कि वह कैसे तय करते हैं कि उन्हें क्या लिखना है।बच्चन ने लिखा, ''क्या यह कोई पहले से सोच पाता है ? क्या रात होने तक आपके मन में विचार आ जाता है ?'' उन्होंने लिखा, 卐इन सबका जवाब है नहीं। जैसे ही टम्बलर साइट खुलती है और दिन, तारीख तथा समय आते हैं तो सब विचार बस बहते चले जाते हैं।卐 बच्चन ने कहा कि जब वह लिखने बैठते हैं तो उनके दिमाग में अचानक से जो भी आता है, उस बारे में लिखते चले जाते हैं। अभिनेता ने कहा कि कंप्यूटर पर लिखते समय उन्हें अपने अगले विचार के लिए पर्याप्त समय मिल जाता है।

पहले बने गाने, फिर लिखी गई फिल्म की स्क्रिप्ट, पढ़िए 'आशिकी' बनने की पूरी कहानी

नदीम-श्रवण की जोड़ी ने कुछ बेहद कर्णप्रिय गाने बनाए थे. टी सीरीज के दफ्तर में जब महेश भट्ट ने ये गाने सुने, तो फौरन कहा कि वे इन गानों को अपनी फिल्म में लेंगे. कौन-सी फिल्म, इसका कोई पता नहीं था. महेश भट्ट को गाने इतने अच्छे लगे कि उस दिन उन्होंने तय किया कि वे एक म्यूजिकल कहानी लिखेंगे.

ठीक तीस साल पहले आज के ही दिन आशिकी फिल्म रिलीज हुई थी और इसने पहले ही दिन बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया. महेश भट्ट ने %आशिकी% में दो नए चेहरे लॉन्च किए थे, जो उन दिनों के हिसाब से बहुत अलग थे. लंबे बालों और ओवल चेहरे वाले राहुल राय और सांवली, लंबी अनु अग्रवाल.

गानों की वजह से बनी फिल्म

ये वो दिन थे, जब एक बार फिर मेलोडियस गाने लौटने लगे थे. नदीम-श्रवण की जोड़ी ने कुछ बेहद कर्णप्रिय गाने बनाए थे. टी सीरीज के दफ्तर में जब महेश भट्ट ने ये गाने सुने, तो फौरन कहा कि वे इन गानों को अपनी फिल्म में लेंगे. कौन-सी फिल्म, इसका कोई पता नहीं था. महेश भट्ट को गाने इतने अच्छे लगे कि उस दिन उन्होंने तय किया कि वे एक म्यूजिकल कहानी लिखेंगे. जब उन्हें कोई कहानी नहीं मिली, तो उन्होंने तय किया कि वो अपनी लाइफ की कहानी पर फिल्म बनाएंगे. उनकी पहली वाइफ, पूजा की मम्मी लॉरेन एक अनाथाश्रम में रहती थीं. उनसे उन्नीस साल के महेश भट्ट की मुलाकात बिलकुल उसी हाल में हुई थी, जैसे फिल्म में दिखाया गया है. बस फर्क इतना था कि लॉरेन एक मॉडल नहीं बनीं, हाउस वाइफ बन कर रह गई.

पूजा भट्ट ने क्यों नहीं की फिल्म ?

जब महेश भट्ट ने फिल्म की कहानी लिखी, तो सबसे पहले वे पूजा के पास गए. पूजा को अपनी ही मां का रोल प्ले करना था. इससे पहले पूजा महेश भट्ट के साथ डैडी फिल्म में काम कर चुकी थीं. पर उनका मन फिल्मों से उचट गया था. वो नहीं चाहती थीं कि फिल्मों में काम करें. पूजा के मना करने के बाद महेश को नई हीरोइन ढूंढने में काफी मशक्कत हुई. आखिरकार उन्होंने अनु अग्रवाल को फाइनल किया. हालांकि उनकी यूनिट में कई लोगों ने कहा कि सांवली हीरोइन नहीं चलेगी. पर महेश भट्ट ने तय कर लिया कि उनकी हीरोइन अनु ही होगी.

मुहूर्त शॉट में पूजा को हुआ पछतावा

फिल्म में मुहूर्त शॉट देने के लिए महेश ने पूजा को आमंत्रित किया था. उस वक्त फिल्म की पब्लिसिटी देख कर पूजा को बहुत अफसोस हुआ कि उन्होंने फिल्म क्यों नहीं की. उन्होंने कोशिश की कि पापा उन्हें हीरोइन बना दें. पर महेश भट्ट ने मना कर दिया. पूजा को इस बात का आज भी अफसोस है कि %आशिकी% में हीरोइन का रोल करने से उन्होंने मना कर दिया.

खैर इसके अगले साल जब महेश भट्ट ने %दिल है कि मानता नहीं% के लिए पूजा से बात की तो उसने फौरन हां कह दिया.

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नेपाल कोरोना फाइटर दवा के लिए भारत पर निर्भर

इंटरनेशनल डेस्क।

पूरी दुनिया कोरोना वायरस का प्रकोप झेल रही है। विश्व भर के वैज्ञानिक कोरोना वैक्सीन बनाने की कोशिश में लगे हैं। इस बीच रूस और चीन ने सबसे पहले वैक्सीन बनाने का दावा कर इसे बाजार में उतारने का ऐलान भी कर दिया है। लेकिन इस मामले में नेपाल को अपने हितैषी चीन का साथ न मिलने पर भारतीय बाजार में मिलने वाली जीवन रक्षक रेमडेसिवीर दवा पर निर्भर होना पड़ रहा है। जब तक वैक्सीन नहीं बन जाती तब तक इस दवा का उपयोग पूरी दुनिया कोविड-19 के इलाज में इस्तेमाल कर रही है। हालांकि, दवा को वायरस के इलाज के रूप में नहीं देखा जाता है, लेकिन इसने रोगियों को एक महत्वपूर्ण चिकित्सा चरण से बाहर लाने में अहम भूमिका निभाई है। काठमांडू के एक निजी अस्पताल में भर्ती मरीज के लिए केमिस्ट से रेमडेसिवीर दवा मांगी गई तो वह नेपाल में उपलब्ध नहीं थी। इसके बाद केमिस्ट ने भारत में संपर्क किया और रेमडेसिवीर दवा का ऑर्डर दिया। केमिस्ट ने भारत से वह दवा मंगाई और अब वह खतरे से बाहर है। अगर दवा भारत में उपलब्ध नहीं होती, तो स्थिति चिंताजनक हो सकती थी। भारत में यह दवा सात हजार रुपये में उपलब्ध है, जो मरीज को 20 हजार नेपाली रुपए में पड़ी। नेपाल सरकार ने भारत और अमेरिका सहित विदेशों से दवा की खरीद के लिए तीन कंपनियों को अनुमति दी है। वायरस विशेषज्ञ डॉ. प्रभात अधिकारी ने कहा कि अगर हम इसे बड़ी मात्रा में आयात कर सकते हैं तो कोविड-19 के संक्रमण से जंग लड़ रहे रोगियों के रिश्तेदारों को अतिरिक्त शुल्क का भुगतान करने की आवश्यकता नहीं होगी। आशा है, दवा भारत और अमेरिका से जल्द से जल्द आयात की जाएगी।

उ.कोरिया के सनकी किंग का क्रूर फरमान- भुखमरी मिटाने के लिए मार दिए जाएं सभी कुत्ते

प्योंगयांग।

कोरोना वायरस और भुखमरी से जूझ रहे उत्तर कोरिया ने इस संकट से निपटने के लिए क्रूर व अजीब तरीका अपनाने का देश दिया है। दोहरी परेशान झेल रहे उत्तर कोरिया के सनकी किंग किम जोंग ने भुखमरी से निपटने के लिए अनाज खरीदने या खेती को बढ़ावा देने की बजाय कुत्तों की जान लेने का क्रूर फरमान जारी कर दिया है। किम के आदेश से कुत्तों को पालने वाले लोग बेहद डरे हुए हैं और इस बात को लेकर फिक्रमंद हैं अब जिन्हें वे प्यार से पाल रहे थे उन्हें अब मार डाला जाएगा। दरअसल, किम जोंग उन ने इस साल जुलाई में घोषणा की थी देश में अब कुत्ता पालना अवैध है। उन्होंने घर में कुत्तों को पालने को पूंजीपति विचारधारा से जोड़ा था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नॉर्थ कोरिया में अधिकारियों ने ऐसे घरों की पहचान शुरू कर दी है जिनमें कुत्ते पाले जा रहे हैं। लोगों से जबरन उनके कुत्ते छीने जा रहे हैं। इन कुत्तों को सरकारी चिड़ियाघरों में रखा जा रहा है और यहां से कुत्तों का मांस परोसने वाले रेस्त्रां को बेचा जा रहा है। गौरतलब है कि कोरिया प्रायद्वीप में कुत्ते का मांस काफी लोकप्रिय है। हालांकि, साउथ कोरिया में अब इसका चलन कम हो रहा है। लेकिन अभी भी यहां सालाना 10 लाख कुत्ते मांस के लिए पाले और मारे जाते हैं। प्योंगयांग में अभी भी डॉग रेस्ट्रॉन्ट्स की भरमार है। कुत्तों का मांस गर्मी और उमस भरे मौसम में काफी पसंद किया जाता है। माना जाता है कि यह एनर्जी और स्टेमिना बढ़ाता है। जाड़े के दिनों में सब्जियों के साथ इसका सूप बनाया जाता है। जाड़े के दिनों में सब्जियों के साथ इसका सूप बनाया जाता है।

सर्दियों में शरीर का तापमान बढ़ाने के लिए इसका सेवन किया जाता है। अखबार में कहा गया है कि कुत्ते पालने वाले परोक्ष रूप से किम जोंग उन को भला-बुरा कह रहे हैं, लेकिन वे कुछ कर नहीं सकते हैं क्योंकि उनके पास आदेश मानने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

पाकिस्तानी हमलों का मुंहतोड़ जवाब देने को तैयार अफगान सेना: जनरल यासीन

इंटरनेशनल डेस्क।

पाकिस्तान द्वारा दक्षिण पश्चिमी सीमा से सीमावर्ती शहर पर रॉकेट दागने के मामले में कड़ा रुख अपनाते अफगानिस्तान ने अपनी सेना को पाक को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तैयार रहने को कहा है। अफगानिस्तान ने पाकिस्तान द्वारा प्रयोजित आंतकवाद और पाक आर्मी की गोलीबारी से तंग आकर यह आदेश दिया है। अफगान सेना के चीफ जनरल यासीन जिया ने अपनी सभी सेनाओं को पाकिस्तान की हर कार्रवाई का जवाब देने व पाक सैनिकों को खदड़ने के लिए तैयार रहने का आदेश दिया। चमन-स्पिन बोल्डक बॉर्डर क्रॉसिंग पर पाकिस्तानी और अफगान सुरक्षा बलों के बीच झड़प के बाद यह भयंकर कार्रवाई देखी गई। बता दें कि 31 जुलाई को पाक-अफगान सीमा पर हुई गोलीबारी में अफगान के 9 लोगों की मौत हो गई थीऔर 50 अन्य लोग घायल हो गए थे। अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, अगर पाकिस्तानी सेना अफगान क्षेत्र पर अपने रॉकेट हमले जारी रखती है, तो वे अफगान सेना द्वारा प्रतिशोध का सामना करेंगे। दूसरी ओर, पाकिस्तान ने कहा कि अफगान सीमा रक्षकों ने पहले हमला किया। अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान ने बृहस्पतिवार (30 जुलाई) को स्पिनबोल्डक में रॉकेट दागे, जिनमें9 लोगों की मौत हो गई और 50 अन्य लोग घायल हो गए। इसके बाद अफगानिस्तान के सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की।

सीपीसी ने राष्ट्रपति चिनफिंग की मुखर आलोचक को निष्कासित किया

बीजिंग।

चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ने राष्ट्रपति शी चिनफिंग की एक मुखर आलोचक को पार्टी से निष्कासित कर दिया है । उन्होंने राष्ट्रपति पर आरोप लगाया था कि वह चीन के लोगों का आर्थिक और सामाजिक दिक्कतों से ध्यान भटकाने के लिए भारत और चीन के बीच विवाद को भड़का रहे हैं । हांगकांग के 'साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट' के मुताबिक कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) ने ''भाषणों से देश की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के लिए'' सेंट्रल पार्टी स्कूल की पूर्व प्रोफेसर काई शिया को निष्कासित कर दिया। स्कूल की वेबसाइट पर लगे एक नोटिस के हवाले से कहा गया कि काई (68) को इसलिए दंडित किया गया क्योंकि उन्होंने राजनीतिक समस्या पैदा करने वाले भाषण दिए । नोटिस में कहा गया कि उनके भाषण काफी भड़काऊ किस्म के थे और उन्होंने पार्टी के अनुशासन का उल्लंघन किया । काई ने अखबार को बताया कि वह सुरक्षित हैं और अमेरिका में हैं । इसलिए दंडित किया गया क्योंकि उन्होंने राजनीतिक समस्या पैदा करने वाले भाषण दिए । नोटिस में कहा गया कि उनके भाषण काफी भड़काऊ किस्म के थे और उन्होंने पार्टी के अनुशासन का उल्लंघन किया । काई ने अखबार को बताया कि वह सुरक्षित हैं और अमेरिका में हैं । हालांकि उन्होंने ज्यादा कुछ कहने से इनकार कर दिया। ब्रिटेन के 'गार्डियन' अखबार को जून में एक साक्षात्कार में काई ने कहा था कि शी चिनफिंग चीन और भारत के बीच टकराव को बढ़ा रहे हैं और अपने फायदे तथा दबदबा बढ़ाने के लिए अमेरिका विरोधी भावनाओं को बढ़ावा दे रहे हैं ।

पेंस और जयशंकर नेतृत्व सम्मेलन के दौरान भारत-अमेरिका संबंधों पर मुख्य भाषण देंगे

वाशिंगटन। अमेरिका के उपराष्ट्रपति माइक पेंस और भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर एक डिजिटल नेतृत्व सम्मेलन में भारत-अमेरिका संबंधों पर मुख्य भाषण देंगे। इस सम्मेलन में दोनों देशों के बीच आर्थिक एवं रणनीतिक सहयोग बढ़ाने पर चर्चा होगी। 'अमेरिका-भारत सप्ताहः नयी चुनौतियों से गुजरते हुए' विषयक इस सम्मेलन का आयोजन कारोबार पैरवी समूह यूएस इंडिया स्ट्रेटेजिक एंड पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसएपीएफ) 31 अगस्त से तीन सितंबर तक कर रहा है। यूएसआईएसएपीएफ के अध्यक्ष मुकेश यूएसआईएसएपीएफ के अध्यक्ष मुकेश आगी ने मंगलवार को कहा, '' हमारे सम्मेलन के लिए उपराष्ट्रपति पेंस के हमारे साथ जुड़ने से हम सम्मानित और खुशी महसूस कर रहे हैं- यह भारत और हिंद-प्रशांत क्षेत्र के प्रति प्रशासन की गहरी कटिबद्धता का असाधारण मौका है।'' यूएसआईएसएपीएफ के सप्ताह भर चलने वाले इस तीसरे सम्मेलन में वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बदलावकारी दौर के दौरान भारत और अमेरिका के बीच आर्थिक और रणनीतिक सहयोग बढ़ाने पर चर्चा होगी।

डोनाल्ड ट्रम्प अमेरिका के लिए 'गलत' राष्ट्रपति : मिशेल ओबामा

वाशिंगटन।

अमेरिका की पूर्व प्रथम महिला मिशेल ओबामा ने डोनाल्ड ट्रम्प पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि ''हमारे देश के लिए वह गलत राष्ट्रपति हैं'' और अमेरिका के लोगों से अपील की कि जो बाइडेन को वोट दें। वह सोमवार को शुरू हुए डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन (डीएनसी) को संबोधित कर रही थीं । सम्मेलन में भावुक रिकॉर्डेड संदेश में मिशेल ने कहा कि पिछले चार वर्ष अमेरिकी बच्चों को अच्छी बातें बताने के लिए कुछ नही है । । उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रंप खुद को पथ प्रदर्शक श्वेत श्रेष्ठ के तौर पर पेश करते हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी का चार दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन शुरू में विस्कोंसिन में होना था लेकिन कोविड-19 महामारी को देखते हुए सोमवार को इसकी डिजिटल बैठक शुरू हुई। मिशेल ने कहा, ''हम एक ऐसे देश में रह रहे हैं जो गहरायी तक बंटा हुआ है, और मैं एक अश्वेत महिला हूं जो डेमोक्रेटिक सम्मेलन में बोल रही हूं।'' अमेरिका में अभी तक संक्रमण से 1,70,000 से अधिक लोगों की मौत हो गई है और 54 लाख लोग संक्रमित हैं। उन्होंने कहा, ''यदि हमें यह अराजकता समाप्त करानी है तो हमें जो बाइडेन के लिए वोट करना होगा।'' इस सम्मेलन में बाइडेन (77) को औपचारिक रूप से पार्टी का राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार और भारतीय मूल की हैरिस (55) को उपराष्ट्रपति पद की उम्मीदवार नामित किया जाएगा। हैरिस पहली अश्वेत, पहली भारतीय मूल की अमेरिकी और पहली अफ्रीकी अमेरिकी होंगी जिन्हें एक प्रमुख राजनीतिक पार्टी द्वारा उपराष्ट्रपति पद के उम्मीवार के रूप में नामित किया जाएगा। हैरिस बुधवार को सम्मेलन को संबोधित करने वाली हैं। उन्होंने एक संक्षिप्त टिप्पणी में कहा, ''डोनाल्ड ट्रंप नहीं समझते कि हम अमेरिकी के तौर पर कौन हैं। वह वास्तव में नहीं समझते।'' सम्मेलन को संबोधित करने वाले सभी वक्ताओं ने ट्रंप की नीतियों को लेकर उनकी आलोचना की और आरोप लगाया कि उन्होंने देश को बांट दिया है। सबसे तीखा हमला मिशेल ओबामा की ओर से किया गया जिन्होंने कहा, ''मैं यथासंभव ईमानदार और स्पष्ट होकर कहती हूं कि डोनाल्ड ट्रंप हमारे देश के लिए गलत राष्ट्रपति हैं। उन्हें यह साबित करने के लिए पर्याप्त समय मिला कि वह इस पद पर काम कर सकते हैं, लेकिन वह समस्याओं को उलझाते रहे। वह मौजूदा तकाजों को पूरा नहीं कर सकते। वह ऐसे शख्स नहीं, जिनकी हमें जरूरत है।

यह तथ्य है।'' राष्ट्रपति पद के पूर्व उम्मीदवार बर्नी सैंडर्स ने कहा, ''यदि डोनाल्ड ट्रंप फिर से निर्वाचित हुए तो हमने जो प्रगति की है वह खतरे में पड़ जाएगी।'' उन्होंने ट्रंप पर महामारी के प्रति लापरवाह रवैया अपनाने का आरोप लगाया जिसके चलते 30 करोड़ नौकरियां समाप्त हो गईं।

अमेरिकी चुनाव : बाइडेन बने डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार, ट्रम्प से होगा मुकाबला

वाशिंगटन।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से जो बाइडेन आधिकारिक प्रत्याशी होंगे। पार्टी के डिजिटल सम्मेलन में उनके नाम पर मोहर लगाई गई। अब उनका मुकाबला तीन नवंबर को होने वाले चुनाव में मौजूदा राष्ट्रपति और रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प से होगा। बाइडेन (77) जनवरी 2009 से जनवरी 2017 तक अमेरिका के उप राष्ट्रपति रह चुके हैं और बृहस्पतिवार को वह अपना स्वीकृति भाषण देंगे। डेलावर से सीनेट सदस्य बाइडेन ने ट्वीट किया, '' अमेरिकी राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवारी को स्वीकार करना मेरे जीवन में सबसे सम्मान की बात है।'' बाइडेन की पत्नी जिल बाइडेन ने कहा, '' हमने दिखाया कि इस देश का दिल अब भी दया और हिम्मत के साथ धड़कता है।'' डेलावर के ब्रांडीवाइन हाईस्कूल की एक कक्षा से भाषण देते हुए उन्होंने कहा, ''हमें देश के लिए योग्य नेतृत्व की जरूरत है, जो आपके लिए योग्य हो। जिल इसी स्कूल में 1990 के दशक में अंग्रेजी भाषा की शिक्षिका थीं। कोरोना वायरस की वजह से पहली बार आयोजित डेमोक्रेटिक पार्टी के डिजिटल सम्मेलन में देश भर के पार्टी प्रतिनिधियों ने मंगलवार को बाइडेन को राष्ट्रपति पद के लिए पार्टी का प्रत्याशी नामित किया। बता दें कि इस महामारी में 1,70,000 से अधिक अमेरिकियों की मौत हो चुकी है। पार्टी के 50 राज्यों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति दर्ज किए जाने के बाद बाइडेन की उम्मीदवारी पर मोहर लगी और डेमोक्रेटिक पार्टी के कम चर्चित नेताओं ने कहा कि बाइडेन दोहरी चुनौती महामारी और आर्थिक अनिश्चितता के दौर में देश का नेतृत्व करने को तैयार हैं। उल्लेखनीय है कि ओबामा प्रशासन के आठ वर्ष के कार्यक्रम में बाइडेन ने भारत के साथ हुए असैन्य परमाणु समझौते को कांग्रेस की मंजूरी दिलाने में भी अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने भारतीय मूल की सीनेटर (अमेरिकी संसद के उच्च सदन सीनेट की सदस्य) कमला हैरिस को उपराष्ट्रपति उम्मीदवार नामित कर इतिहास रच दिया है। हैरिस ने ट्वीट किया, '' शानदार रोल कॉल , जिसने हमारे देश के हृदय और आत्मा को दिखाया के बाद अब आधिकारिक मुबारक , जो बाइडेन।'' हैरिस (55) बुधवार रात को सम्मेलन को संबोधित करेंगी। गौरतलब है कि रियल क्लीयर पॉलिटिक्टस के सर्वेक्षणों के औसत के मुताबिक राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर बाइडेन को पूरे देश में 7.7 प्रतिशत की बढ़त हासिल है। हालांकि, जून के सर्वेक्षणों में मिली 10.2 प्रतिशत की बढ़त से यह कम है। उधर, ट्रम्प (74) को रिपब्लिकन पार्टी अगले हफ्ते होने जा रहे डिजिटल सम्मेलन में अपना आधिकारिक प्रत्याशी नामित करेगी। डेमोक्रेटिक पार्टी के सदस्य और अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और जिम्मी कार्टर, पूर्व विदेश मंत्री एवं रपिब्लकन कॉलिन पॉवेल ने बाइडेन की उम्मीदवारी का समर्थन किया। क्लिंटन ने डिजिटल सम्मेलन में कहा कि बाइडेन ने पहले अमेरिका को मंदी से बाहर लाने में मदद की थी।

ट्रंप के चुनाव अभियान की टीम ने बाइडेन पर साधा निशाना

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चुनाव अभियान की टीम ने डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन को हॉलीवुड का विज्ञापन फिल्म करार दिया है। टीम ने कटाक्ष करते कहा है कि जो बाइडेन को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाने के साथ उनके कट्टरपंथी समाजवादी वामपंथी विचार को थोपने का काम पूरा हो गया है। कोविड-19 महामारी के बीच सोमवार से शुरू हुए डेमोक्रेटिक पार्टी के चार दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन में जो बाइडेन (77) और कमला हैरिस (55) को पार्टी की ओर से औपचारिक तौर पर क्रमशः राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित किया जाएगा। डेमोक्रेटिक पार्टी के दोनों उम्मीदवार अमेरिका में तीन नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति माइक पेंस को चुनौती देंगे । ट्रंप की चुनाव प्रचार टीम के राष्ट्रीय प्रेस सचिव होगन गिडले ने कहा,''डेमोक्रेटिक पार्टी हॉलीवुड निर्मित विज्ञापन फिल्म के जरिए उस खतरनाक सच को छिपाने का प्रयास कर सकती है कि जो बाइडेन की कट्टरपंथी समाजवादी वामपंथी विचार को थोपने का काम पूरा हो गया है।'' अधिवेशन की आरंभिक रात्रि में डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं बर्नी सैंडर्स, मिशेल ओबामा और एंड्रयू कुओमो ने ट्रंप की नीतियों, खासकर कारोना वायरस महामारी से निपटने में हुई गलतियों को लेकर उनपर हमला किया । ट्रंप की चुनाव प्रचार टीम ने कहा कि दो घंटे के डिजिटल सत्र के दौरान कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर बात नहीं की गयी। गिडले ने कहा कि बाइडेन ने उस तथ्य को सामने नहीं रखा कि वह 80 प्रतिशत से भी अधिक अमेरिकियों से कर वसूल कर चार ट्रिलियन डॉलर जुटाएंगे । सीमा को लेकर अपनी नीतियों और अवैध तौर पर 1.1 करोड़ लोगों को काम के लिए मिले परमिट के बारे में भी उन्होंने बात नहीं की।

ट्रंप को हराने एवं अमेरिका को एकजुट करने के आह्वान के साथ डेमोक्रेटिक पार्टी का सम्मेलन शुरू

वाशिंगटन।

अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन (डीएनसी) की शुरूआत सोमवार की रात राष्ट्रपति पद के चुनाव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को हराने के लिए देश को एकजुट करने के आह्वान के साथ हुई जिसमें भारतीय मूल की सीनेटर कमला हैरिस को देश की उपराष्ट्रपति पद की उम्मीदवार घोषित करके एक नया इतिहास रचे जाने की पूरी तैयारी है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा की पत्नी मिशेल ओबामा ने ट्रंप पर हमले की शुरूआत की और कहा कि वह ''हमारे देश के लिए एक गलत राष्ट्रपति हैं'', जिन्होंने ''मुश्किल हालात पैदा किए हैं।'' मिशेल ने कहा, ''हम एक ऐसे देश में रह रहे हैं जो बुरी तरह बंटा है, और मैं एक अश्वेत महिला हूं जो डेमोक्रेटिक सम्मेलन में बोल रही हूं।'' उन्होंने यह बात सम्मेलन के अपने वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से कही। सम्मेलन का आयोजन कोरोना वायरस के मद्देनजर आनलाइन किया जा रहा है। अमेरिका में अभी तक संक्रमण से 1,70,000 से अधिक लोगों की मौत हो गई है और 54 लाख लोग संक्रमित हैं। उन्होंने कहा, ''यदि हमें यह अराजकता समाप्त करनी है तो हमें जो बाइडेन के लिए वोट करना होगा।'' इस सम्मेलन में बाइडेन (77) को औपचारिक रूप से पार्टी के राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार और भारतीय मूल की हैरिस (55) को उपराष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार नामित किया जाएगा। हैरिस पहली अश्वेत, पहली भारतीय मूल की अमेरिकी एवं पहली अफ्रीकी अमेरिकी महिला होंगी जिन्हें किसी प्रमुख राजनीतिक पार्टी द्वारा उपराष्ट्रपति पद के उम्मीवार के रूप में नामित किया जाएगा। हैरिस बुधवार को सम्मेलन को संबोधित करने वाली हैं। उन्होंने एक संक्षिप्त टिप्पणी में कहा, ''डोनाल्ड ट्रंप नहीं समझते कि हम अमेरिकी के तौर पर कौन हैं। वह वास्तव में नहीं समझते।'' सम्मेलन को संबोधित करने वाले सभी वक्ताओं ने ट्रंप की नीतियों को लेकर उनकी आलोचना की और आरोप लगाया कि उन्होंने देश को बांट दिया है। सबसे तीखा हमला मिशेल ओबामा की ओर से किया गया जिन्होंने कहा, ''मैं यथासंभव ईमानदार और स्पष्ट होकर कहती हूं कि डोनाल्ड ट्रंप हमारे देश के लिए गलत राष्ट्रपति हैं। उन्हें यह साबित करने के लिए पर्याप्त समय मिला कि वह इस पद पर काम कर सकते हैं, लेकिन वह समस्याओं को उलझाते रहे। वह मौजूदा तकाजों को पूरा नहीं कर सकते। वह ऐसे शख्स नहीं, जिनकी हमें जरूरत है। यह तथ्य है।'' राष्ट्रपति पद के पूर्व उम्मीदवार बर्नी सैंडर्स ने कहा, ''यदि डोनाल्ड ट्रंप फिर से निर्वाचित हुए तो हमने जो प्रगति की है वह खतरे में पड़ जाएगी।'

संक्षिप्त समाचार

कोरोना को लेकर वुहान शहर की ये गलती फिर पड़ सकती है सारी दुनिया पर भारी

बीजिंग। चीन के वुहान में कोरोना वायरस की महामारी शुरू होने के बाद शहर की 1.1 करोड़ आबादी दो महीने से अधिक समय तक सख्त लॉकडाउन में रही, लेकिन अब हालात सामान्य हो रहे हैं। वुहान में प्रशासन द्वारा जून में ढील दिए जाने के बाद लोकप्रिय मनोरजंन पार्कों में रात को पूल पार्टी और माया बीच वाटर पार्क में हजारों की भीड़ जुट रही है। जिसमें ना तो सोशल डिस्टेंसिंग का पालन किया गया और ना ही कोई मास्क पहने दिखा। वुहान का माया बीच वॉटर पार्क लोगों से खचाखच भरा दिखा जिसमें लोग स्विमसूट्स में कंधे से कंधा मिलाकर संगीत का लुफत उठाते दिखे। उल्लेखनीय है कि वुहान चीन में कोरोना वायरस की महमारी का केंद्र था और सबसे अधिक मौतें यहीं हुई थी। जिसने पूरी दुनिया को चपेट में ले लिया था और करीब तीन महीने के लिए एक तरह से दुनिया की रफ्तार पूरी तरह थम गई थी। वहीं चीन सरकार द्वारा पाबंदियों में ढील देने के बाद धीरे-धीरे पर्यटक स्थलों को खोला गया। लोगों को अपने राष्ट्रीय पहचान पत्र के आधार पर ऑनलाइन टिकट आरक्षित कराना होता है। वाटर पार्क में प्रवेश करने के दिन उन्हें मोबाइल ऐप से जेनरेट ग्रीन कोड दिखाना होता है, जो व्यक्ति की आवाजाही पर नजर रखता है और इस बात का पता लगाता है कि कहीं वे किसी संक्रमित के संपर्क में तो नहीं आए हैं। माया बीच और शंघाई एवं चोंगकिंग के वाटर पार्क में भी यही नियम लागू है।

पाकिस्तान में कोरोना वायरस संक्रमण के 613 नए मामले

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में बीते 24 घंटे में 613 लोगों के कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद देश में कोविड-19 महामारी के मरीजों की कुल संख्या बढ़ कर 2,90,445 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि इस दौरान 11 और रोगियों की मौत के बाद मृतकों की कुल तादाद 6,201 हो गई है। मंत्रालय ने कहा कि अब तक 2,72,128 लोग संक्रमण से उबर चुके हैं। फिलहाल 12,116 मरीज उपचाराधीन हैं जबकि 743 रोगियों की हालत नाजुक है। सिंध में कोरोना वायरस के सबसे अधिक 1,26,743 मामले सामने आए हैं। इसके बाद पंजाब में 95,742, खैबर-पख्तूनख्वा में 35,401, इस्लामाबाद में 15,412, बलूचिस्तान में 12,370, गिलगित-बाल्तिस्तान में 2,565 और पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर में 2,212 नए मामले सामने आए हैं। मंत्रालय ने कहा कि अब तक 2,340,072 लोगों की कोविड-19 जांच की गई है। बीते 24 घंटे में 22,859 लोगों की जांच की गई।

चीन के दक्षिण तट पर पहुंचा तूफान 'हिगोस'

बीजिंग। चीन के दक्षिण तट पर तूफान 'हिगोस' ने बुधवार को दस्तक दी, जिससे तेज हवाएं चलने के साथ बारिश भी हुई। हालांकि बाद में यह कमजोर होकर उष्णकटिबंधीय तूफान में बदल गया। चीन के राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र ने बताया कि तूफान गुआंग्डोंग प्रांत के झुहाई शहर के तट पर पहुंचा। इस दौरान 126 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चली। उसने बताया कि करीब तीन घंटे बाद इसके निकटवर्ती गुआंगशी क्षेत्र की ओर बढ़ते समय 108 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चली । एक बिजली कम्पनी ने बताया कि पेड़ों के तारों पर गिरने से मंगलवार रात को गुआंग्डोंग प्रांत के मैंज़होउ में बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई। चीनी मीडिया की खबरों के अनुसार 65,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। स्कूलों को बंद कर दिया गया है और प्रभावित तट के पास से कई मछली पकड़ने की नौकाएं भी वापस बदंरगाह लौट आईं।

अमेरिका और चीन दोनों देशों के बीच उड़ानों की संख्या दोगुनी करने पर हुए सहमत

वाशिंगटन। अमेरिका और चीन दोनों देशों के बीच एक दूसरे की विमानन कंपनियों की उड़ानों को दोगुना करने पर सहमत हो गए हैं। माना जा रहा है कि इस समझौते से दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच कोविड-19 महामारी के दौरान लगाए गए यात्रा प्रतिबंध को लेकर पैदा हुआ गतिरोध घटेगा। अमेरिका के परिवहन मंत्रालय ने मंगलवार को उड़ानों की संख्या बढ़ाने की घोषणा करते हुए कहा कि चीन के उड्डयन प्राधिकरण ने इस हफ्ते अमेरिकी विमानन कंपनी 'यूनाइटेड' और 'डेल्टा' के परमिट में विस्तार करने का फैसला किया है। इस घोषणा के तुरंत बाद यूनाइटेड एयरलाइंस ने चार सितंबर से अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को से चीन के शंघाई के बीच हफ्ते में दो के बजाय चार उड़ानों का परिचालन शुरू करने की घोषणा की। हालांकि, डेल्टा ने तत्काल समझौते पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। मंत्रालय ने बताया कि इसी तरह चीन की चाइना ईस्टर्न एय लाइंस, चाइना साउथ एयरलाइंस और शियामेन एयरलाइंस सप्ताह में चार के बजाय आठ उड़ानों का परिचालन अमेरिका के लिए कर सकेंगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

उत्तर प्रदेश के सदन में, कोरोना के टेस्ट

कानपुर / लखनऊ गोविंद नगर विधानसभा के विधायक सुरेंद्र मैथानी ने बताया कि,आगामी 20 अगस्त से,प्रारंभ होने वाले,उत्तर प्रदेश के सदन में, कोरोना के टेस्ट को करा कर ही, सदन में प्रवेश की व्यवस्था दी गई है।

जिसके अनुरूप,आज लखनऊ में,डा.क्टर्स की टीम द्वारा,विधायक होने के नाते से, विधायक का,कोरोना टेस्ट हुआ। जिसमें विधायक की रिपोर्ट नेगे.टिव आई।

चूँकि, सदन में जाने से पहले, यह टेस्ट आवश्यक था। इसलिए इस टेस्ट की व्यवस्था, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सुनिश्चित की गई

क्षेत्रभ्रमण के दौरान पैर छूने का वायरल विडियो फर्जी :राजेंद्र प्रताप सिंह

अमेठी (एजेसी) । उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री राजेंद्र प्रताप सिंह उर्फ मोती सिंह ने कहा कि क्षेत्रभ्रमण के दौरान पैर छूने का वायरल विडियो पूरी तरीके से फर्जी है। वे खुद दो गज की दूरी बनाकर रखते हैं। मंत्री तीन दिन पहले प्रतापगढ़ जाते समय अमेठी के कालिकन धाम मंदिर में दर्शन के लिए गए थे। इस दौरान अमेठी के पुलिस अधीक्षक दिनेश सिंह भी मौजूद थे। कप्तान ने मंत्री को सलाम किया था। लेकिन पैर छूने की खबर गलत है। मंत्री ने कहा कि कप्तान ने केवल सलाम किया था। बाकी वायरल विडियो फर्जी है।

भाजपा के प्रचार प्रसार से सौरभ सिंह यादव को अवध क्षेत्र से क्षेत्रीय महामंत्री मनोनीत किया गया

कानपुर प्रधानमंत्री जन कल्याण योजना प्रचार प्रसार अभियान के प्रदेश अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार सिंह ष्शैलूष ने सौरभ सिंह यादव को प्रधानमंत्री जन कल्याण योजना प्रसार प्रचार अभियान में क्षेत्रीय महामंत्री अवध क्षेत्र (युवा प्रभाग) उत्तर प्रदेश मनोनीत किया है। यह जानकारी प्रदेश अध्यक्ष दुर्गेश बाजपेई (युवा प्रभाग) ने पत्रकारों को दी।

अवैध तरीके से संचालित ढाबो पर नही कोई नियम क़ानून–जिम्मे दार मौन

ऊंचाहार,रायबरेली।कोरोना के समय मे प्रदेश सरकार साप्ताहिक बंदी का ऐलान कर कोरोना को हराने का बीड़ा उठाया है।

इसी क्रम मे जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को जनता से पालन कराने के लिए कहा और आवाहन भी किया है।लेकिन ढाबो पर इसका कोई भी असर नही दिख रहा है।खाने पीने की सामग्री पर भी कोई प्रतिबंध नही है।

जबकि कोरोना का कहर जारी है और साथ मे बरसात से होने वाली बीमारियों का तो कोई हिसाब ही नही है।ऐसे मे फूड इंस्पेक्टर और प्रसाशन इन्ही ढाबो पर बैठ कर ढाबा संचालकों का हौसला अफ़जाई करते है।

ऊँचाहार थाने क्षेत्र मे कई ऐसे ढाबे है।जहाँ से अवैध क्रियाकलापों को अंजाम भी दिया जाता है और ढाबा संचालकों की मोटी कमाई के हिस्सेदार भी है।

इन्ही ढाबो पर गाँजा,अफीम जैसे नशे का व्यापार भी फल फूल रहा है।इतना ही नही बल्कि इन्ही ढाबो के आड़ में जिस्मफरोशी का धंधा भी इन्ही ढाबो से चलाया जा रहा है।

जबकि ज्यादा समय खाकी वर्दी ढाबो के इर्द गिर्द जरूर मिलेगे।बावजूद भी डर नाम की कोई चीज नही ढाबा मालिकों के पास।

वही सूत्रो की माने तो इस तरह के जितने भी अवैध धंधे है उनका मासिक देय बराबर पहुंचाया जाता है।

बक्सर की बेटी संजू बनी फलक की गायिका

लखनऊ(संजय मौर्य , उत्तरप्रदेश ब्यूरो) कोरोना की जंग में समर्पित योद्धाओं और घर में बैठे लोगों का मनोरंजन के लिए हास्य व्यंग्य की मधुर वाणी से कर रही है जागरूक

ष्उठो लाल अब आंखें खोलो, बर्तन मांजों,कपड़े धो लोंष जैसी कोरोना की व्यंग्यात्मक पुरूष चालीसा नाम से मशहूर यह गीत हर लोगों की जुबान पर हैं.भारत सहित सभी अंतराष्ट्रीय सोशल साइटों पर यह व्यंग्यात्मक रचना करोड़ों लोगों द्वारा देखी व सुनी जा सकी है। टॉप वायरल वीडियो में लगातार दूसरी बार यह गीत नंबर वन पर चल रहा हैं। बक्सर जिला(बिहार) के राजपुर प्रखंड के कोनौली गांव की रहने वाली बेटी संजू सिंह आज राष्ट्रीय स्तर पर भी एक पहचान बना चुकी हैं.इन दिनों पुरा विश्व कोरोना जैसी वैश्विक महामारी का दंश झेल रहा हैं.इस महामारी में डॉक्टर, पुलिसकर्मी, सफाई कर्मी, समाज सेवी सहित अन्य लोगों का बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान हैं.इन सभी के द्वारा देश के हालात को काबू करने के लिए एक अभियान भी चलाया गया हैं.इन सभी योद्धाओं के सम्मान में इनके द्वारा ''इंसानों के लिए जिन्होंने किया रात दिन काम,कोरोना के योद्धाओं को दिल से करें प्रणाम....''जिन्दगी की राहों में मजबूर हो गये,अपनों से अपने ऐसे दूर हो गये....सड़के विरान हैं, गलियां सुनसान हैं,ऐसा लगता हैं जैसे तसउर हो गये...कोरोना न जाने अबका का कराई,अमेरिका अइसन देश मांगे भारत से दवाई..., विश्व गुरू अब भारत फिर से कह.ई.. गीतों के माध्यम से पुरे देश के लोगों को जागरूक कर रही हैं.इनके गीतों से प्रभावित होकर कई बड़े आइएएस अधिकारी सहित उतर प्रदेश मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी सहित अन्य लोगों ने भी काफी सराहना किया हैं.

जीवन परिचय

ग्रामीण परिवेश में पली बढ़ी संजू सिंह की शादी इटाढ़ी प्रखंड के जमुआंव गांव के रहने वाले विनोद कुमार सिंह के साथ होने के बाद पढ़ाई का रिस्ता बिल्कुल खत्म हो गया था.इनके पति का चयन उत्तर प्रदेश होमगाड्र्स विभाग में प्लाटून कमांडर के पद

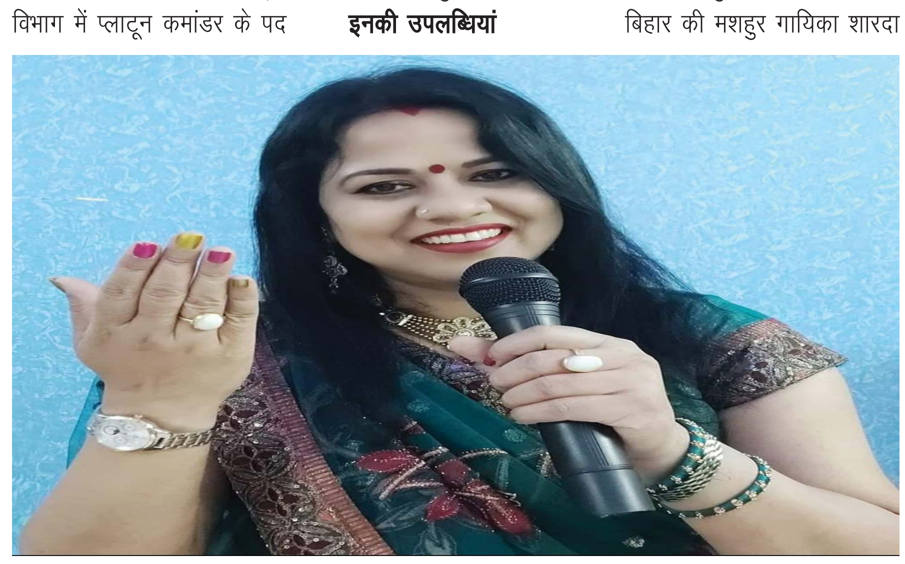

पर चयनित हो गये.जो वर्तमान में निरीक्षक पर है तथा लखनऊ के ट्रैफिक इंचार्ज हैं।शादी के छह वर्ष बाद अपने पति का साथ मिला तो फिर से पढ़ाई पुरी कर लखनऊ में इंटर कॉलेज में अध्यापिका के रुप में से वा दे रही है। इन्होंने बताया कि बचपन में घर पर संगीत का कोई माहौल नहीं था.दादी से मैं पारंपरिक गीत सुन कर मैं अक्सर गुनगुनाती रहती थी।लेकिन पति के साथ तथा ससुर जी के सहयोग ने हमें इस मुकाम तक पहुंचाया हैं.इनकी 16 वर्षीय पुत्री स्नेहा सिंह हैं जो एक बड़ा बिजनेस मैन बनना चाहती हैं.इनकी भी पढ़ाई में भी एक अलग पहचान हैं.वर्ष 2019 में इंटरनेशनल बेंचमार्क टेस्ट में पुरे विश्व में अंग्रेजी में 99.99 प्रतिशत अंक लाकर द्वितीय स्थान हासिल किया था.बेटी स्नेहा सिंह को उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम माननीय दिनेश शर्मा जी द्वारा सम्मानित भी किया जा चुका है।

इनकी उपलब्धियां

पहली बार 2007 में इनके पति विनोद कुमार सिंह द्वारा लिखित ष्कनवा की बाली,ष पहला एलबम रिलीज हुआ.इसके बाद टी–सीरीज, एंगल म्यूजिक,वेब कैसेट के माध्यम से नैना लागे रे, संईया मोर सिपहिया,दर्शन माई के. जैसे कई एल्बम विभिन्न कंपनियों से रिलीज हुए.पहली बार वाराणसी में मनोज तिवारी जी के साथ गायन हुआ.वर्ष 2010 में संस्कृतिक डिपार्टमेंट द्वारा पहला बड़ा महा.`त्सव सारनाथ में बौद्ध महोत्सव किया। उसके बाद महोत्सव का सिलसिला आज तक जारी हैं। लखनऊ महोत्सव, गोरखपुर महोत्सव, अयोध्या में आयोजित रामायण मेला महोत्सव,24 फरवरी 2019 को दिव्यकुम्भ मेला में माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के कार्यक्रम के दिन इन्हें अक्षयवट मंच से प्रस्तुति करने का ऐतिहासिक गौरव भी प्राप्त हैं। गोरखपुर महोत्सव 2019 में बिहार की मशहुर गायिका शारदा सिन्हा के साथ भी गाने का मौका मिला.इसके अलावा यह वाराणसी आकाशवाणी /दूरदर्शन की ग्रेडेड कलाकार भी हैं। अनेकों बार इनके गीतों की प्रस्तुति दूरदर्शन एवं आकाशवाणी से हुआ है।

सार–समाचार

सीएम योगी बोले– लोक व्यवस्था प्रभावित करने वालों पर बरतें पूरी सख्ती

लखनऊ(एजेसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ऐसे अपराध जिनसे लोक व्यवस्था प्रभावित हो, उनमें प्रभावी कार्रवाई करने और राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के अंतर्गत कड़ी कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। गौरतलब है कि यूपी में महिलाओं और बालिकाओं के विरूद्ध जघन्य अपराध, गोकशी की घटनाओं, मादक पदार्थो के अवैध कारोबार में लिप्त व्यक्तियों, गंभीर अपराधों और अन्य सनसनीखेज अपराधों से जुड़े अभियुक्तों को चिन्हित कर उनके खिलाफ रासुका के तहत कार्रवाई चल भी रही है।

उत्तरप्रदेश में इस साल 139 अपराधियों पर की गई रासुका के तहत कड़ी कार्रवाई

मिली जानकारी के मुताबिक इस संबंध में शासन द्वारा सभी जिलाधिकारियों एवं जिले के पुलिस कप्तानों को कड़े निर्देश दिए गए हैं कि रासुका की कार्रवाई में कोई भी पात्र अपराधी बचने न पाए। अपर मुख्य सचिव, गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने बताया कि कानून–व्यवस्था को और अधिक चुस्त–दुरुस्त बनाये रखने के लिए यूपी में इस वर्ष जनवरी से अब तक कुल 139 अभियुक्तों के खिलाफ रासुका में भी कार्रवाई की गई है। इनमें से गोकशी के अंतर्गत 76 अभियुक्तों, बालिकाओं के विरुद्ध अपराध मे 6 अभियुक्तों, गंभीर अपराध मे 37 अभियुक्तों और अन्य अपराधों में 20 अभियुक्तों के विरूद्ध कार्यवाही हुई है। इससे बड़े–बड़े शातिर अपराधियों के हौसले पस्त हुए हैं और सरकार के प्रति जनता का विश्वास और अधिक दृढ़ हुआ है।

चोरी की गई 15 मोटरसाइकिल समेत दो अभियुक्त चढ़े पुलिस के हत्थे

छापामार कार्यवाही में हुआ वाहन चोरी कोतवाली पुलिस ने संयुक्त कार्यवाही में की सफलता प्राप्त पुलिस ने दोनों ही अभियुक्तों को भेजा जेल का खुलासा एसओजी टीम और सदर

ललितपुर(एजेसी) सदर कोतवाली पुलिस के साथ एसओजी टीम को

एक बड़ी सफलता हाथ उस समय लगी जब दोनों ही टीमें पुलिस अधीक्षक कैप्टन एमएम बेग के दिशा निर्देशन में अपराध और अपराधियों पर लगाम लगाने के लिए जिला मुख्यालय पर स्थित गोविंद सागर बांध पर गश्त कर रही थी। इस सफलता में पुलिस ने संयुक्त रूप से चोरी की गई 15 बाइकों के साथ दो शातिर वाहन चोर को भी गिरफ्तार किया।

सार्वजनिक शौचालय को निजी स्वार्थ के उद्देश्य से सार्वजनिक स्थल पर ना बनवा कर निजी उपयोग के लिए

जगतपुर –रायबरेली

जगतपुर के ग्राम सभा दा.`लतपुर के गांव बिछिया वादी में ग्राम प्रधान के द्वारा सार्वजनिक शौचालय को निजी स्वार्थ के उद्देश्य से सार्वजनिक स्थल पर ना बनवा कर अपने मकान के पीछे बनवाये जाने को लेकर ग्रामीणों ने खासा विरोध जताते हुए उप जिलाधिकारी ऊंचाहार को ज्ञापन सौंपा।

मामला ग्राम सभा दौलत पुर के गांव बिछियावादी का है। ग्रामीणों का विरोध है। कि ग्राम प्रधान सावित्री देवी तथा उनके पति रामशरन यादव द्वारा ग्राम सभा में आए हुए सार्वजनिक शौचालय को सार्वजनिक स्थल पर ना बनवाकर निजी उपयोग के लिए अपने मकान के पीछे शौचालय का निर्माण करवा रही हैं।

जिसका विरोध जताते हुए वीरेंद्र, जंग बहादुर, धीरेंद्र, पवन कुमार, बाबूलाल, विनोद कुमार, नरेंद्र यादव, शिव बहादुर आदि सहित दर्जनों लोगों ने विरोध जताया है। ग्राम प्रधान द्वारा ग्राम सभा की जमीन कब्जाने को लेकर अपने घर के पीछे लोगों के सैकड़ों साल पुराने घूरे को पटवा कर सार्वजनिक शौचालय का निर्माण करवा रहे हैं। जिसका विरोध जताते हुए ग्रामीणों ने बुधवार को उपजिलाधिकारी ऊंचाहार को ज्ञापन सौंपा। प्रधान पति रामशरण यादव का कहना है कि जमीन ग्राम समाज की है जिस पर लोगों ने घूरा लगा रखा था, जिसे हटवा कर शौचालय का निर्माण कार्य करवाया जा रहा है।

उप जिलाधिकारी केशव नाथ गुप्ता ने बताया कि प्रार्थना पत्र मिला है जांच करा कर कार्यवाही की जाएगी।

सरकार ने लागू की नई इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण नीति

लखनऊ (एजेसी)। उत्तर प्रदेश सरकार ने कोविड–19 महामारी के बाद उपजे हालात में राज्य को वैकल्पिक निवेश गंतव्य के तौर पर पेश करने की महत्वाकांक्षा के साथ 'इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण नीति–2020' मंगलवार को लागू कर दी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन और नेतृत्व में लागू की गई यह नीति कोविड–19 महामारी के परिदृश्य में उत्तर प्रदेश को वैकल्पिक निवेश गन्तव्य के रूप में वैश्विक निवेशकों का स्वागत करने के लिए तत्पर अग्रणी राज्य के रूप में पेश करने में सक्षम है। इस नीति के तहत अगले पांच वर्षों में 40 हजार करोड़ रुपए का निवेश और रोजगार के चार लाख प्रत्यक्ष अवसर पैदा करने का लक्ष्य है। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि उत्तर प्रदेश की ''उप्र इलेक्ट्रानिक्स विनिर्माण नीति–2017'' को जबरदस्त सफलता मिली है और इसने निवेश तथा रोजगार लक्ष्यों को तीन वर्षों में ही अर्जित कर लिया है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में इलेक्ट्रानिक्स इकोसिस्टम को फिर से रफ्तार देने के लिए नई इलेक्ट्रानिक्स विनिर्माण नीति 2020 के आच्छादन क्षेत्र को नोएडा, ग्रेटर नोएडा तथा यमुना एक्सप्रेसवे के वर्तमान 'इलेक्ट्रानिक्स मैन्युफैक्चरिंग जोन' से बढ़ाकर सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश तक विस्तारित कर दिया गया है। नीति के अन्तर्गत प्रस्तावित प्रोत्साहन उत्तर प्रदेश में कहीं भी स्थापित होने वाली इकाइयों को प्राप्त होंगे।

क्षेत्रीय असन्तुलन को दूर करने के लिए इस नीति के तहत बुन्देलखण्ड तथा पूर्वांचल क्षेत्र में विनिर्माण इकाइयों की स्थापना हेतु निवेशकों को दो गुनी दर से भूमि उपादान की व्यवस्था की गई है। नई नीति के तहत निवेशक 15 प्रतिशत पूँजी उपादान तथा 1000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त पूंजी उपादान के लिए पात्र होंगे। अधिसूचित बैंकों, वित्तीय संस्थानों से प्राप्त ऋण पर पांच प्रतिशत प्रतिवर्ष ब्याज उपादान की अनुमति होगी। इसके अलावा स्टाम्प कर से छूट, भूमि उपादान, पेटेन्ट फाइलिंग लागत की प्रतिपूर्ति, इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी से छूट, ई.एम.सी. विकास तथा एकल इकाइयों के लिए प्रोत्साहन दिया जाएगा।

बुन्देलखण्ड तथा पूर्वांचल क्षेत्र में निवेशकों को सेक्टर दरों पर 50 प्रतिशत भूमि उपादान प्रदान किया जाएगा। भारत को एक वैकल्पिक निवेश गन्तव्य के रूप में देख रहे वैश्विक निवेशकों को लक्षित करने के लिए स्थिर पूंजी निवेश के 40 प्रतिशत तक पुनर्निर्मित संयंत्र, मशीनरी और उपकरणों की अनुमति होगी।

नई नीति के अन्तर्गत दिए जाने वाले प्रोत्साहन स्थिर पूंजी निवेश के 100 प्रतिशत की सीमा तक तथा केंद्र सरकार द्वारा उत्पाद संबंधी प्रोत्साहन को छोड़ कर दिए जाएंगे।

नीति के तहत दिये जाने वाले सभी प्रोत्साहन केंद्र द्वारा दिये जाने वाले प्रोत्साहनों को छोडकर तथा उनके अतिरिक्त होंगे। इलेक्ट्रानिक्स विनिर्माण नीति–2020 अधिसूचना की तिथि से पांच वर्षों के लिए वैध है। नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आ.ईटी एवं इलेक्ट्रानिक्स विभाग के अधीन एक नोडल संस्था नामित की जाएगी।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी

लखीमपुर।पसगवां कोतवाली क्षेत्र के कस्बा बरबर निवासी एक व्यक्ति ने सोशल मीडिया पर एक धर्म और उसके धर्म गुरु के विरुद्ध आपत्तिजनक टिप्पणी की है,और गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी दी है।कस्बा बरबर के मोहल्ला जलीलनगर निवासी यूसुफ खां ने दर्ज कराई गई रिपोर्ट में बताया कि कस्बा के मोहल्ला सुभाषनगर निवासी अतुल अग्निहोत्री ने 19 अगस्त को फेसबुक और सोशल मीडिया पर एक धर्म और उसके धर्म गुरु के विरुद्ध आपत्तिजनक टिप्पणी की है और गाली गलौज कर गोली मारने की धमकी दी है।

बरबर चौकी प्रभारी सुनील कुमार ने बताया कि यूसुफ खां के तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर अभियुक्त अतुल अग्निहोत्री को हिरासत में ले लिया है।

नर्सिंग होम के डॉक्टर पर महिला ने लगाया छेड़छाड़ का गंभीर आरोप

कानपुर, ब्यूरो। नगर के गोविंद नगर थाना क्षेत्र स्थित डीटी नर्सिंग होम के संचालक डॉ0 पंकज सेठी पर ईसीजी चेकिंग के दौरान छेड़छाड़ व अश्लील हरकतें करने का आरोप लगाते हुए नर्सिंग होम में भारी हंगामा किया और बाद में थाने जाकर डॉ के खिलाफ तहरीर भी दी। साकेत नगर निवासी युवती मोना (काल्पनिक नाम) ने मीडिया कर्मियों को बताया की डॉ पंकज सेठी और उनके निजी स्टाफ के कुछ लोगों ने ईसीजी की जांच की चेकिंग के दौरान अश्लील बोल बोल कर छेड़छाड़ की जिसमें डॉक्टर पंकज सेठी की मूक सहमत भी थी । बाद में डॉक्टर ने उनसे अकेले केबिन में आकर बात करने को कहा और वहां पहुंचने पर डॉक्टर स्वयं भी छेड़छाड़ करने लगे।

मेरे साथ घर के परिजनों ने मुझे आकर बचाया। आप लोगों से निवेदन है कि ऐसे डॉक्टर के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

अरविंद कौशल को समाजवादी नौजवान सभा का जिला सचिव नियुक्त

कानपुर समाजवादी पार्टी के संगठन ने समाजवादी नौजवान सभा के प्रति लगन शीलता एवं समाजवादी विचारधारा में अरविंद कौशल की आस्था को देखते हुए पदाधिकारी ने जिला सचिव पद पर नियुक्त किया।जिससे लोगों में खुशी की लहर है। जिसमें हर्षित गुप्ता, आनंद तिवारी, हिमांशु पाल एवं डॉक्टर आलोक सचान ने

धूमधाम एवं जोरदार स्वागत किया। जिला सचिव बनने पर कानपुर देहात के लोगों ने

लख–लख बधाई एवं आगे बढ़ने की शुभकामनाएं दी। एवं अरविंद कौशल के भविष्य उज्जवल भविष्य की कामनाएं की। और लोगों ने कंधे से कंधा मिलाकर एवं कानपुर देहात को विकास की ओर अग्रसर करने के लिए कहा। और वही अरविंद कौशल ने सभी कार्यकर्ताओं का अभिवादन स्वीकार किया। और लोगों से कहा मैं सुख– दुख हर घड़ी में समाजवादी का सिपाही हूं। और हमेशा जनता के साथ रहूंगा। और उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव जी को बहुत–बहुत धन्यवाद दिया।

गाड़ियों में लगवा लो सचिवालय पास नहीं फटकेगा , कोई अधिकारी आपके पास

कानपुर ब्यूरो। नगर के थाना क्षेत्र ग्वालटोली में आज फिर एक फॉर्च्यूनर गाड़ी चेकिंग के दौरान पकड़ी गई। गाड़ी मालिक का नाम आसिफ मुनाजिर है जो कि एक चर्चित बिल्डर और चमन गंज थाना क्षेत्र का रहने वाला है।

गाड़ी के पकड़े जाने के बाद पता चला कि गाड़ी मालिक के ऊपर पहले से ही नगर के दूसरे थाना क्षेत्रों में भी मुकदमा दर्ज है। ज्ञात हो की विकास दुबे कांड में खजांची जय बाजपेई के पास भी जो कार बरामद हुई थी उसमें सचिवालय का फर्जी पास लगा हुआ था।

और पुलिस मुठभेड़ कांड के बाद विकास के खजांची जय बाजपेई ने उसको प्रयोग में किया था।यह भी पता चला है कि कानपुर में फर्जी सचिवालय पास स्टिकर लगी हुई ऐसी और लग्जरी कारें सड़कों पर खुलेआम घूम रहीं हैं।

और पुलिस के आला अधिकारी आंखों के सामने नजरंदाज कर रहे हैं।शायद उन्हें किसी बड़े अपराध के होने का इंतजार है।

गौ आश्रय स्थल केवल खानापूर्ति से और राम भरोसे चल रहे

उत्तर प्रदेश भदोही। सरकार भले ही गौवंश के संरक्षण के लिए हर जिले गौ आश्रय स्थल बनाकर गायों को रहने और खाने की व्यवस्था की बात करती है लेकिन स्थानीय स्तर पर जिम्मेदार लोग अपने मनमानी पूर्ण कार्य से बाज नही आते है।

एक ऐसा ही मामला डीघ के ऊंज थाना क्षेत्र के मीनापुर में बने अस्थायी गौ आश्रय स्थल में देखने को मिल रहा है जहां पर लापरवाही और मनमानी की सारे हदें पार की जा रही है। मीनापुर गौ आश्रय स्थल में गायों को साफ पानी नही दिया जाता है। देखभाल सही से नही किया जा रहा है। आये दिन एक गायें मौत की मुंह में समा जा रही है। स्थानीय लोगों के कहने के बावजूद भी जिम्मेदार मौन साधे है और अपनी मनमानी कार्य को कर रहे है।

इस गौशाला में गाये भूख या बीमारी से मर रही है लेकिन एक खुलासा और हुआ कि उस गौशाला में गायों को सुई लगा दी जाती है जिससे गायें मर जाये। लेकिन जिले के जिम्मेदार इस तरह के कुकृत्यों में लिप्त लोगो पर कार्यवाही नही कर रहे है जिससे उनका मनोबल बढा है। इस समस्या से परेशान होकर मीनापुर के निवासी समाजसेवी अनिल तिवारी ने बुधवार को जिलाधिकारी को पत्रक देकर उस गौशाला की समस्या के बारे में बताया तथा जांच की मांग भी की।

हालांकि मीनापुर गौशाला तो एक उदाहरण मात्र है जिले में बने सभी गौ आश्रय स्थल केवल खानापूर्ति से और राम भरोसे चल रहे है। ग्राम स्तर से लेकर जिलास्तर के लोग केवल खानाप.ूर्ति में जुटे है। यदि जिलास्तर के लोग तटस्थ होते तो स्थानीय स्तर के जिम्मेदारों की क्या मजाल की शासन के दिशा निर्देश की अवहेलना करें।

लेकिन इस समय जिले में बने गौ आश्रय स्थल गौहत्या केन्द्र बनते नजर आ रहे है।

और इस पर शासन और प्रशासन के लोगों को ध्यान देना जरूरी है। नही तो सरकार की योजना केवल कागज तक ही सिमट कर रह जायेगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अपमानजनक टिप्पणी के खिलाफ शशि थरूर ने दिया बीजेपी सांसद को नोटिस

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद एवं सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी संसदीय समिति के प्रमुख शशि थरूर ने भाजपा के लोकसभा सदस्य निशिकांत दुबे के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया और आरोप लगाया कि दुबे ने फेसबुक प्रकरण को लेकर समिति की बैठक बुलाने के उनके फैसले को लेकर सोशल मीडिया में अपमानजनक टिप्पणी की। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को लिखे पत्र में थरूर ने दुबे की ओर से ट्विटर पर की गई उस टिप्पणी पर आपत्ति जताई जिसमें भाजपा सांसद ने कहा था कि च्स्थायी समिति के प्रमुख के पास इसके सदस्यों के साथ एजेंडे के बारे में विचार-विमर्श किए बिना कुछ करने का अधिकार नहीं है। दरअसल, थरूर ने फेसबुक से जुड़े विवाद को लेकर रविवार को कहा था कि सूचना प्रौद्योगिकी मामले की स्थायी समित इस सोशल मीडिया कंपनी से इस विषय पर जवाब मांगेगी। लोकसभा अध्यक्ष को लिखे पत्र में थरूर ने कहा, निशिकांत दुबे की अपमानजनक टिप्पणी से न सिर्फ सांसद एवं समिति के प्रमुख के तौर पर मेरे पद का अनादर हुआ है, बल्कि उस संस्था का भी अपमान हुआ है जो हमारे देश की जनता की अकांक्षा का प्रतिबिंब है। उन्होंने बिरला से आग्रह किया कि दुबे के खिलाफ कार्यवाही आरंभ करने के लिए दिशानिर्देश जारी किए जाएं। कांग्रेस सांसद ने कहा कि वह इस मामले में सख्त कार्रवाई की उम्मीद करते हैं ताकि आगे से ऐसी घटना नहीं हो। गौरतलब है कि फेसबुक से जुड़ा पूरा विवाद अमेरिकी अखबार च्वाल स्ट्रीट जर्नल की ओर से शुक्रवार को प्रकाशित रिपोर्ट के बाद आरंभ हुआ। इस रिपोर्ट में फेसबुक के अनाम सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि फेसबुक के वरिष्ठ भारतीय नीति अधिकारी ने कथित तौर पर सांप्रदायिक आरोपों वाली पोस्ट डालने के मामले में तेलंगाना के एक भाजपा विधायक पर स्थायी पाबंदी को रोकने संबंधी आंतरिक पत्र में हस्तक्षेप किया था। उधर, फेसबुक ने सफाई देते हुए कहा कि उसके मंच पर ऐसे भाषणों और सामग्री पर अंकुश लगाया जाता है, जिनसे हिंसा फैलने की आशंका रहती है।

इसके साथ ही कंपनी ने कहा कि उसकी ये नीतियां वैश्विक स्तर पर लागू की जाती हैं और इसमें यह नहीं देखा जाता कि यह किस राजनीतिक दल से संबंधित मामला है। फेसबुक ने इसके साथ ही यह स्वीकार किया है कि वह घृणा फैलाने वाली सभी सामग्रियों पर अंकुश लगाती है, लेकिन इस दिशा में और बहुत कुछ करने की जरूरत है।

अमेरिका ने दुनिया का सबसे बड़ा युद्धाभ्यास किया शुरू, 10 देशों के महाविनाशक युद्धपोत शामिल

इंटरनेशनल डेस्क।

कोरोना वायरस महामारी और चीन से तनाव के बीच चलते अमेरिका ने हवाई द्वीप समूह के पास दुनिया का सबसे बड़ा नौसैनिक अभ्यास रिमपैक शुरू कर दिया है। 17 अगस्त से 31 तक चलने वाले इस युद्धाभ्यास में 10 देशों के 20 महाविनाशक युद्धपोत और सबमरीन हिस्सा ले रहे हैं। इस युद्धाभ्यास में चीन को न्योता नहीं दिया गया है। युद्धाभ्यास ऐसे समय पर होने जा रहा है जब अमेरिका ऑस्ट्रेलिया और भारत समेत कई देशों के साथ चीन का तनाव बढ़ता जा रहा है। अमेरिका ने दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती दादागिरी को रोकने के लिए अपने एयरक्राफ्ट कैरियर को तैनात किया है। यहीं नहीं अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर लगातार इस इलाके में न केवल गशत लगा रहा है, बल्कि युद्धाभ्यास भी कर रहा है। इस तनाव को देखते हुए माना जा रहा था कि अमेरिका ताइवान की नौसेना को भी रिमपैक में शामिल होने का न्योता दे सकती है लेकिन ऐसा हुआ नहीं। माना जा रहा है कि अमेरिका ने चीन के साथ तनाव को चरम पर पहुंचने से रोकने के लिए ताइवान को इस अभ्यास में न्योता नहीं दिया। आमतौर पर रिमपैक में 30 देशों के 50 युद्धपोत सबमरीन, 200 फाइटर जेट और 25 हजार जवान हिस्सा लेते रहे हैं। हालांकि कोरोना संकट की वजह से इस बार केवल 5300 जवान ही हिस्सा ले रहे हैं। अमेरिका के तीसरे फ्लीट के कमांडर वाइस एडमिरल स्कॉट कॉन ने कहा कि इस युद्धाभ्यास का मकसद प्रशांत महासागर में अपने दोस्तों के बीच एक-दूसरे पर निर्भरता और विश्वास को बढ़ाना है। इस नौसैनिक अभ्यास में ऑस्ट्रेलिया, ब्रूनई, कनाडा, फ्रांस, जापान, न्यूजीलैंड, दक्षिण कोरिया, फिलीपींस, सिंगापुर और अमेरिका हिस्सा ले रहे हैं। इस बार अभ्यास के दौरान 10 देशों की नौसेनाएं जमीनी हमले और सबमरीन युद्धकौशल का अभ्यास करेंगे। इस दौरान लाइव फायर के भी अभ्यास होंगे। कोरोना वायरस खतरे को देखते हुए सुरक्षा के खास उपाय किये गये हैं। करीब 14 दिन तक क्वारंटाइन रहने के बाद ही इस अभ्यास में सैनिकों को हिस्सा लेने दिया जा रहा है। चीन को भी एक बार फिर से इस युद्धाभ्यास से बाहर रखा गया है। साउथ चाइना पर कब्जे के लिए चीन ने एक तरफ अपने कृत्रिम द्वीपों पर फाइटर जेट तैनात किए हैं।

सुशांत केस- शरद पवार के पोते से लेकर अक्षय कुमार तक सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर कहा- सत्यमेव जयते

नेशनल डेस्क। बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत सुसाइड केस में सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सुनवाई करते हुए अहम फैसला सुनाया कि अब इस मामले की जांच मुंबई पुलिस नहीं बल्कि सीबीआई करेगी वहीं सुप्रीम कोर्ट ने पटना में रिया चक्रवर्ती के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने को भी सही ठहराया। रिया चक्रवर्ती के खिलाफ एफआईआर सुशांत के पिता कृष्ण किशोर सिंह ने दर्ज कराई थी। जस्टिस ऋषिकेश रॉय की एकल पीठ ने अपने फैसले में कहा कि बिहार सरकार इस मामले को जांच के लिए सीबीआई को ट्रांसफर करने में सक्षम थी। वहीं सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अभिनेत्री कंगना रनौत से लेकर अभिनेता अक्षय कुमार तक ने ट्वीट किया। इतना ही नहीं प्रमुख शरद पवार के पोते ने भी ट्वीट किया। अक्षय कुमार ने ट्वीट किया कि सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को केस सौंपा, सत्य की हमेशा जीत होती है। वहीं कंगना ने भी ट्वीट किया कि सीबीआई टेक ओवर। शरद पवार के पोते पार्थ ने ट्वीट किया - सत्यमेव जयते। बता दें कि सुशांत 14 जून को मुंबई उपनगर बांद्रा में अपने अपार्टमेन्ट की छत से लटके मिले थे। इसके बाद से ही मुंबई पुलिस विभिन्न पहलुओं से इस मामले की जांच कर रही थी।

झुग्गी में तेंदुए ने दिया 4 बच्चों को जन्म, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

नेशनल डेस्क। महाराष्ट्र के नासिक के इगतपुरी इलाके में एक झुग्गी के अंदर एक मादा तेंदुए ने चार शावकों को जन्म दिया। झुग्गी में जन्मे नन्हे शावकों का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। वीडियो में नन्हे-नन्हे शावक झोपड़ी में मां के इर्द-गिर्द फुदक रहे हैं। वीडियो को लोग काफी लाइक कर रहे हैं। कई यूजर्स ने लिखा कि शावक बहुत प्यारे हैं। वहीं वन विभाग अब शावक को अलग स्थान पर ले जाना चाहता है लेकिन रेस्क्यू में देरी हो रही है। वन विभाग अधिकारी गणेशराव जोले ने बताया कि मादा तेंदुए ने इगतपुरी में एक झोपड़ी के अंदर चार को जन्म दिया है। गणेशराव ने बताया कि सभी शावक सुरक्षित और स्वस्थ हैं। अधिकारी ने कहा कि फिलहाल अभी हम शावकों के कारण तेंदुए को नहीं पकड़ सकते हैं। अधिकारियों के मुताबिक जैसे ही मौका मिलेगा हम तेंदुए समेत शावकों को अलग और सुरक्षित जगह पर छोड़ देंगे।

विवादित बाबा नित्यानंद का नया वीडियो वायरल, खुद का केंद्रीय बैंक बनाने का किया ऐलान

नेशनल डेस्क।

दक्षिण भारत के विवादित धर्म गुरू और अपने आप को स्वामी नित्यानंद कहने वाले एक बार फिर सुर्खियों में हैं। अपना अलग देश बनाने के दावे के बाद अब उसने खुद का रिजर्व बैंक भी बना लिया है। इतना ही नहीं वह जल्द ही एक करेंसी भी लॉन्च करने जा रहा है। नित्यानंद ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया है, जिसमें उसने दावा किया है कि वह इस साल 22 अगस्त को गणेश चतुर्थी के दिन अपने रिजर्व बैंक ऑफ कैलासा की तरफ से औपचारिक मुद्रा जारी करेगा। नित्यानंद ने बताया कि उसके केंद्रीय बैंक के सभी कार्य वैध हैं और रिजर्व बैंक ऑफ कैलासा की आर्थिक नीतियां तैयार कर ली गई है। उसने कहा कि गणपति की कृपा से जल्दी ही रिजर्व बैंक ऑफ कैलासा का सारा विवरण सामने आ जाएगा। नित्यानंद ने अपने देश का पासपोर्ट भी बना लिया है और वहां की इकोनॉमिक सिस्टम को भी तैयार कर लेने का दावा किया है। उसने बताया कि हमारी पूरी अर्थव्यवस्था और आर्थिक नीतियों के बारे में 300 पेज का दस्तावेज तैयार है, जिसमें मुद्रा की डिजाइन, आर्थिक रणनीति और इस बारे में भी जानकारी है कि इस करेंसी का देश में और दुनिया के बाकी देशों में किस तरह से इस्तेमाल एवं विनिमय होगा। बता दें कि नित्यानंद पर अवैध तरीके से बच्चों को कैद में रखने और बलात्कार का आरोप है। विवादित धर्मगुरु का पहला कारनामा 2010 में सामने आया

था। एक अभिनेत्री के साथ आपत्तिजनक स्थिति में उसका एक वीडियो वायरल हो गया था और इसके बाद करीब आठ साल तक वह गुमनामी में चला गया। कुछ समय पहले खबर आई थी कि उसने इक्वाडोर के निकट एक द्वीप पर एक हिंदू राष्ट्र 'कैलाश' का गठन कर लिया है।

भूखमरी के कगार पर जा रहे हैं कर्मी, मांगों को लेकर बुलंद की आवाज

कठुआ ।

बिलावर क्षेत्र में जल शक्ति विभाग के अधीन सेवाएं देने वाले कर्मियों ने डेलीवेजर्स का दर्जा देने सहित अन्य मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। विभाग के जिला मुख्यालय स्थित कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करते हुए अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद की। प्रदर्शनकारियों की अगुवाई कर रहे लो पेड इंप्लायज फेडरेशन के काबला सिंह ने कहा कि विभाग में सेवाएं देने वाले नीड बेस से लेकर डेलीवेजर्स, अस्थायी कर्मी भूखमरी के कगार पर हैं और सरकार गहरी नींद में सो रही है। कर्मियों में प्रीतम सिंह ने कहा कि वे पिछले दस सालों से सेवाएं दे रहे हैं लेकिन उन्हें अब तक डेलीवेजर्स तक का दर्जा नहीं दिया गया। छह माह के बाद उन्हें वेतन के नाम पर पांच सौ रुपये दिए जाते हैं लेकिन उनसे काम दिन रात लिया जाता है। उन्होंने कहा कि आनलाइन या फिर बाउचर सिस्टम में उन्हें पहुंचाया ही नहीं दिया। विभाग के अधिकारी कहते हैं कि उनके कागजात उच्चाधिकारियों को भेजे गए हैं लेकिन जब वेतन मांगों को बिलावर के अधिकारी उन्हें जिला मुख्यालय जाने को कहते हैं। काम करने के लिए उन्हें कोई टूल या फिर सेफटी किट तक मुहैया नहीं करवाई गई।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर बोले संजय राउत- सुशांत मामले में मुंबई पुलिस ने की थी सही जांच

नेशनल डेस्क।

सुशांत सिंह राजपूत केस में सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर शिवसेना ने नाराजगी जताई है। शिवसेना सांसद संजय राउत ने कहा कि सुशांत केस में पहले दिन से ही राजनीति हो रही है। उन्होंने कहा कि मुंबई पुलिस ने सही जांच की है, उन पर गलत आरोप लगाए जा रहे हैं। संजय राउत ने कहा कि महाराष्ट्र एक ऐसा राज्य है जहां हमेशा कानून की व्यवस्था सबसे ऊपर रही है, ये कानून का राज्य है यहां सत्य और न्याय की जीत हमेशा होती है। यहां की पुलिस, न्याय व्यवस्था, शासन हमेशा ये देखता आया है कि कितना भी बड़ा या छोटा व्यक्ति हो कानून से ऊपर कोई नहीं है। शिवसेना नेता ने कहा कि कानूनी कार्रवाई के बारे सरकार में जो कानून के जानकार हैं या मुंबई पुलिस के कमिश्नर या एडवोकेट जनरल ही सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर बात कर सकते हैं, मेरे लिए इस पर बात करना सही नहीं है। बीजेपी की ओर से गृह मंत्री अनिल देशमुख का इस्तीफा मांगने पर राउत ने कहा कि अगर इस्तीफे की बात निकलेगी तो दिल्ली तक जाएगी। सोच समझकर लोगों को टिप्पणी करनी चाहिए। दरअसल उच्चतम न्यायालय ने राजपूत की मौत की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराये जाने का आदेश दे दिया है। इस पर महाराष्ट्र सरकार के वकील ने कहा कि हम फैसले को चुनौती देंगे। सुप्रीम कोर्ट ने इसके जवाब में कहा कि आप पहले फैसले को पढ़िए, फिर रिव्यू पीटिशन दायर करने के बारे में सोचिए। इसके साथ ही कोर्ट ने नीतीश सरकार ने केस की जो सीबीआई जांच की सिफारिश की थी वो सही थी।

विश्व में कोरोना संक्रमितों की संख्या 2.20 करोड़ के पार, 7.81 लाख लोगों की मौत

इंटरनेशनल डेस्क।

विश्वभर में लगातार बढ़ती कोरोना संक्रमितों की संख्या अब 2.20 करोड़ को पार गई है तथा करीब 7.81 लाख लोगों की इससे मौत हो चुकी है। कोविड-19 के संक्रमितों के मामले में अमेरिका दुनिया भर में पहले, ब्राजील दूसरे और भारत तीसरे स्थान पर है। वहीं इस महामारी से हुई मौतों के मामले में अमेरिका पहले, ब्राजील दूसरे और मेक्सिको तीसरे स्थान पर है तथा भारत इस मामले में चौथे नंबर पर है। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (ष्टस्स्श्व) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार कोरोना से विश्वभर में 22,136,954 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 7,80,908 लोगों की मृत्यु हुई है। विश्व महाशक्ति माने जाने वाले अमेरिका में कोरोना से अब तक 5,482,416 लाख लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुके हैं तथा 171,821 लोगों की मौत हो चुकी है। ब्राजील में अब तक 3,407,354 लाख लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं जबकि 109,888 लोगों की मौत हो चुकी है। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से बुधवार सुबह जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान भारत क में 64,531 संक्रमण के मामले आने से संक्रमितों की संख्या 27,67,274 हो गई है। वहीं इस दौरान 1092 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 52,889 पर पहुंच गई है। देश में स्वस्थ होने वाले लोगों की कुल संख्या 20,37,871 हो गयी है। कोरोना के सक्रिय मामले एक बार फिर बढ़कर 676,514 पर पहुंच गए हैं। रूस कोविड-19 संक्रमण के मामले में चौथे नंबर पर है और यहां इससे अब तक करीब 930,276 लोग प्रभावित हुए हैं तथा 15,836 लोगों ने जान गंवाई है। दक्षिण अफ्रीका में कोरोना महामारी का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है जिसके कारण कोरोना से संक्रमित होने के मामले में वह पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। यहां इस वायरस से अब तक 592,144 संक्रमित हुए हैं तथा 12,264 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं पेरू संक्रमितों के मामले में मेक्सिको को पीछे छोड़ चुका है और यहां अब तक 541,493 लोग संक्रमित हुए हैं तथा इस वायरस से मरने वालों की संख्या 26,658 हो गयी हैं। मेक्सिको में भी कोरोना संक्रमण से हालात खराब है। यहां संक्रमितों की संख्या 531,239 हो गई तथा 57,774 लोगों की मौत हो चुकी है। कोविड-19 से संक्रमित मामलों में कोलम्बिया अब आठवें नंबर पर है। यहां इस वायरस से अब तक 489,122 लोग संक्रमित हुए हैं और मृतकों की संख्या 15,371 है। वहीं चिली नौवें स्थान पर है यहां अब तक करीब 388,855 लोग प्रभावित हुए हैं तथा 10,546 लोगों की मृत्यु हुई है। स्पेन कोरोना संक्रमितों के मामले में अब दसवें स्थान पर आ गया है और यहां कोरोना संक्रमण से 388,855 लोग संक्रमित है और 28,670 मरीजों की मौत हो चुकी है। ईरान में अब तक इस महामारी से करीब 347,835 लोग संक्रमित है जबकि 19,972 लोगों की मौत हो चुकी है। ब्रिटेन में संक्रमितों की संख्या 322,177 हो गई है और 41,466 लोगों की इसके कारण मौत हुई है।

जम्मू-कश्मीर में 4जी सेवा को लेकर सोशल मीडिया पर चल रहा मजाक

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर में उच्च गति की मोबाइल इंटरनेट सेवा (4जी) की वापसी हो गई है लेकिन यह सेवा फिलहाल गांदरबल और उधमपुर के लिए शुरू की गई है और इसको लेकर सोशल मीडिया पर मीम और मजाक का दौर शुरू हो गया। लोग बॉलीवुड संदर्भों, तस्वीरों और शानदार तरीके से फोटोशॉप का इस्तेमाल कर अपनी बात तीखे, व्यंगात्मक तरीके से रख रहे हैं, वहीं कुछ मजाकिया पोस्ट कर रहे हैं। इसी तरह के एक पोस्ट में कंपनी का श्रीनगर के पड़ोस में स्थित गांदरबल जाने का बोर्डिंग कार्ड दिख रहा है, जो शहर से मात्र 30 किलोमीटर दूर है और जहां प्रायोगिक तौर पर 16 अगस्त से आठ सितंबर तक 4 जी सेवा शुरू की गई है। प्रशासन ने जम्मू के उधमपुर में भी 4जी सेवा की शुरुआत की है। हालांकि, ट्विटर उपयोगकर्ता इतने पर ही नहीं रुके। सोशल साइट पर बॉलीवुड मीम की भरमार है।एक मीम में आलिया भट्ट की फिल्म साथ ही उनके फिल्म का गना लिखा गया है अपना टाइम आएगा। क ट्विटर उपयोगकर्ता ने हैशटैग4जी ट्रायल के साथ लिखा, गांदरबल और उधमपुर में 4जी सेवा बहाल की गई है। इस बीच, बाकी जम्मू और कश्मीर का क्या। ट्विटर पर फिल्म हेरा-फेरी के दृश्य वाली तस्वीर साझा की गई है जिसमें अभिनेता अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल हैं एवं संवाद लिखा है, बहुत गलत हुआ रे देवा। बॉलीवुड ही नहीं समाचार और अन्य स्त्रोतों से भी तस्वीरों का इस्तेमाल मीम बनाने में किया जा रहा है। एक ट्विटर उपयोगकर्ता ने लिखा, गांदरबल और उधमपुर में 8 एमपीएस की गति...बाकी जिले में क्या। इसके साथ ही एक तस्वीर साझा की गई है जिस पर औपचारिक कपड़ों में दो उम्र दराज भद्र व्यक्ति दिख रहे हैं जिन पर गांदरबल और उधमपुर लिखा है जबकि आदिम मानव जैसे लोग दिख रहे हैं जिन पर और जिलों के नाम लिखे हैं।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली-एनसीआर में बारिश फिर बनी आफत, जलभराव से लंबा जाम...गाड़ियों पर गिरी दीवार

नेशनल डेस्क। राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार सुबह से हो रही भारी बारिश से जहां लोगों को गर्मी से राहत मिली वहीं यह आफत भी बनकर आई। दिल्ली में बुधवार सुबह से ही बारिश हो रही है। बारिश के चलते दिल्ली के कई इलाकों में जलभराव हो गया, जिससे लोगों को खासी परेशानी उठानी पड़ी। जलभराव के चलते लंबा ट्रैफिक जाम लग गया। वहीं साकेत इलाके में एक दीवार गिरने से कई गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं। दिल्ली के आईटीओ, मदर डेयरी अंडरपास, मयूर विहार फेज-2 अंडरपास, सराय काले खान से डीएनडी, शशि गार्डन से कोटला, सीमापुरी से दिलशाद गार्डन अंडरपास, मैदान गढ़ी में एमबी रोड पर जलभराव से लोगों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ा। गाड़ियां रेंगती हुईं आगे बढ़ रही है। वहीं जलभराव को देखते हुए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस और गुरुग्राम ट्रैफिक पुलिस ने अलर्ट जारी किया है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने जलभराव वाले रास्तों की जानकारी देते हुए उन रास्तों से गुजरने से बचने की सलाह दी है। वहीं मौसम विभाग के क्षेत्रीय पूर्वानुमान केंद्र के प्रमुख कुलदीप श्रीवास्तव ने कहा कि गुरुवार तक मॉनसून की अक्षरेखा दिल्ली-ह्ष्ट्रक्र के करीब बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि अरब सागर से उठी दक्षिण-पूर्वी हवाओं और बंगाल की खाड़ी से आने वाली पूर्वी हवाओं से भी इलाके में आर्द्रता बनी हुई है।

देश में पहली बार आवाज से होगी कोरोना मरीजों की पहचान, 30 मिनट में नतीजा

नई दिल्ली। भारत में कोरोना का खतरा कम होने का नाम नहीं ले रहा है। इसी बीच मुंबई में पहली बार आवाज के माध्यम से कोरोना मरीजों की पहचान की जायेगी। यह तकीनक एआई सॉफ्टवेयर के जरिए क काम करती है। सबसे बड़ी बात है कि इस परीक्षण का रिजल्ट मात्र 30 मीनट में ही आ जाता है। इस तकीनक को पहले से विदेशों में इस्तेमाल किया जा रहा है। कोरोना की जांच के लिए जिन मरीजों का आवाज का टेस्ट लिया जाएगा, उनका बाद में आरटी.पीसीआर टेस्ट भी किया जाएगा। दोनों टेस्टों के अध्ययन के आधार पर तय किया जाएगा कि कौन सा टेस्ट सटीक है। आईए देखते हैं ये खास रिपोर्ट।

रेलवे अंडरपास के कार्य का जायजा लेने के लिए जिला विकास उपायुक्त ने किया दौरा

कठुआ । बरवाल मार्ग पर रेलवे अंडरपास के कार्य सहित अन्य समस्याओं के समाधान के लिए गत दिनों लोगों द्वारा लगाई गई प्रशासन से गुहार के बाद जिला विकास उपायुक्त ओम प्रकाश ने बरवाल क्षेत्र का दौरा किया। उपायुक्त ने कार्यों का जायजा लेने के साथ साथ मौके पर लोगों की समस्याओं को भी सुना और उनके समाधान का आश्वासन दिया। मौके पर लोगों ने उपायुक्त को बताया कि अधूरे कार्य के चलते अंडरपास पर पानी जमा होने से आवाजाही में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। लिहाजा प्रशासन उनकी समस्याओं के समाधान को लेकर संबधित विभाग को तत्काल आदेश भी जारी करे। जिला विकास उपायुक्त ने कहा कि रेलवे ट्रैक के नीचे अंडरपास पर पानी भरा है जिसकी निकासी का प्रबंध नहीं है। लोगों ने गत दिवस मामला उनके संज्ञान में लाया था जिसके बाद यहां अधिकारियों के साथ दौरा किया है। रेलवे विभाग की टीम भी मौके पर थी, जिनसे भी समस्या के समाधान की चर्चा की गई है। उन्होंने कहा कि जल्द ही समस्या का समाधान किया जाएगा। ताकि लोगों को आवाजाही में परेशानी न आए।

बाढ़ से जम्मू कश्मीर में भारत-पाकिस्तान सीमा पर बाड़बंदी को खतरा

जम्मू । भारी बारिश के बाद आई बाढ़ से भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर त्रिस्तरीय बाड़बंदी को खतरा बना हुआ है और जम्मू कश्मीर में बाड़ के एक हिस्से को मामूली रूप से नुकसान भी पहुंचा है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारी बारिश के कारण सीमा के निकट स्थित विभिन्न नदियों में बाढ़ आ गई है जिससे सांबा-कठुआ-जम्मू क्षेत्र में सीमा पर बाड़बंदी को खतरा बना हुआ है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बसंतार नदी क्षेत्र में बाड़ के कुछ हिस्सों के बह जाने की संभावना है। इससे आंशिक नुकसान हुआ था। यदि अधिक बाढ़ आती है, तो यह बाड़ और रामगढ़ के निकटवर्ती गांव को पूरी तरह से नुकसान पहुंचाएगी। उन्होंने कहा, मरम्मत के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि किसी चौकी को नुकसान नहीं हुआ है और जवान सीमा पर निगरानी रखे हुए हैं। जम्मू, सांबा और कठुआ जिलों में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर लगभग 190 किलामीटर लंबी सीमा पर पाकिस्तान से घुसपैठ और मादक पदार्थों एवं हथियारों की तस्करी रोकने के लिए बाड़बंदी की हुई है।

कोरोना के चलते दिल्ली मेट्रो कर्मचारियों को झटका, सैलरी में 50 फीसदी की कटौती

नई दिल्ली। कोविड-19 महामारी की रोकथाम के मद्देनजर मेट्रो सेवाओं का परिचालन बंद होने से 'विपरित वित्तीय दिक्कतों का सामना कर रहे दिल्ली मेट्रो प्रशासन ने कर्मचारियों के भत्ते और लाभों में 50 फीसदी तक कमी करने का निर्णय लिया है। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) द्वारा मंगलवार को जारी आंतरिक आदेश से यह जानकारी मिली। सूत्रों ने बताया कि दिल्ली मेट्रो रेल निगम को 22 मार्च से कोविड-19 परिस्थितियों की वजह से सेवा बंद करने के बाद से करीब 1,300 करोड़ रुपये का नुकसान हो चुका है। डीएमआरसी की ओर से कर्मचारियों को जारी आंतरिक आदेश के अनुसार यह कदम '' मेट्रो सेवाओं का परिचालन नहीं होने की वजह से पैदा हुई गंभीर वित्तीय स्थिति के मद्देनजर उठाया गया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फर्जी कागजात से बसों को परमिट दिलाने का शातिर बदमाश प्रदीप गुप्ता है मास्टरमाइंड

फाइनेंस कंपनी वाली कहानी निकली झूठी, पुलिस भी नहीं समझी बदमाशों की चाल

इटावा(एजेसी)। आगरा में बुधवार को श्रीराम फाइनेंस कंपनी के गुर्गों द्वारा 34 सवारियों से भरी एक बस को हाईजैक कर लेने की घटना का मास्टमाइंड आगरा ग्रामीण इलाके के रहने वाले प्रदीप गुप्ता है। पूरा मामला पैसों के लेनदेन का है। सूत्रों के अनुसार बस मालिक अशोक अरोड़ा और फिरोजाबाद के प्रदीप गुप्ता के बीच लेनदेन का विवाद चल रहा था। इसी के चलते बदमाशों ने फाइनेंस कंपनी की कहानी गढ़ी थी। एसएसपी आगरा ने बगैर तस्दीक़ किए फाइनेंस कंपनी की थ्योरी पर मुहर भी लगा दी।

मीडिया खबरों के मुताबिक पुलिस को गुमराह करने के लिए प्रदीप ने फाइनेंस कंपनी की कहानी गढ़ी थी। बस मालिक अशोक अरोड़ा की कल रात ही मौत हुई है। उनके बेटे पवन ने प्रदीप गुप्ता को पहचाना तब जाकर पूरी कहानी सामने आई। अब पुलिस प्रदीप की गिरफ्तारी की कवायद कर रही है।

प्रदीप गुप्ता उर्फ गुड्डा फर्जी कागात से बसों को परमिट दिलाने का शातिर खिलाड़ी बताया जा रहा है। मार्च 2018 में एसएसपी इटावा रहे वैभव कृष्ण ने परिवहन विभाग में फर्जी प्रपत्र तैयार करने के मामले में दो आरटीओ के साथ प्रदीप को भी जेल भेजा था। जानकारी के मुताबिक, हाईजैक का मास्टरमाइंज प्रदीप खुद डेढ़ दर्जन बसों का मालिक है।

फिरोजाबाद और इटावा में उसने करोड़ों की संपत्ति भी बना रखी है।

19 मार्च 2018 को इटावा के सिविल लाइन थाने में प्रदीप गुप्ता के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज हुई थी।

महिला के साथ अवैध संबंध से जुड़ा है युवक की पिटाई का वीडियो

पुलिस जांच में पता चला, बच्चा चोर की कहानी युवक के विरोधियों की साजिश

चंदौली(एजेसी)। उत्तर प्रदेश के चंदौली के बलुआ थाना क्षेत्र में भीड़ द्वारा एक युवक की पिटाई के वायरल वीडियो का मामला एक महिला के साथ अवैध संबंध से जुड़ा पाया गया है। जानकारी के मुताबिक यह मामला 17 अगस्त का है, जब सोनू नाम का एक व्यक्ति बलुआ थाना के विजयपुरा गांव गया था। वहां सोनू के विरोधी किशन और साथियों ने चोर बताते हुए उस पर हमला कर दिया। इस दौरान काफी भीड़ घटना स्थल पर इकट्ठा हो गई। वीडियो में दिखाया गया है कि भीड़ द्वारा सोनू को बच्चा चोर कहकर पिटाई की जा रही है।

इस दौरान कुछ लोगों ने यह वीडियो सोशल मीडिया पर यह बताते हुए वायरल कर दिया कि पिट रहा युवक बच्चे का अपहरण करने गया था और उस दौरान भीड़ ने उसकी पिटाई की है। पुलिस जांच में पता चला कि जिस युवक की पिटाई हो रही है। उसका संबंध दूसरे पक्ष से किसी महिला से था, जिसको को लेकर पूर्व में भी विवाद हुआ है। फिलहाल सीओ अवधेश चिकारा ने बताया कि दोनों पक्षों के खिलाफ पुलिस ने 151 धारा में कार्रवाई करते हुए उन्हें पाबंद किया है।

यूपी में अब तक 139 अभियुक्तों पर लगी रासुका

लखनऊ (एजेसी)। कानून व्यवस्था को चुस्त दुरूस्त बनाये रखने के लिए उप्र में इस वर्ष जनवरी से अब तक 139 अभियुक्तो के विरूध्द रासुका में कार्यवाही की गयी है। इनमें से गोकशी के अंतर्गत 76 अभियुक्तों, बालिकाओं के विरुद्ध अपराध मे छह अभियुक्तों, गंभीर अपराध मे 37 अभियुक्तों व अन्य अपराधों में 20 अभियुक्तों के विरूद्ध कार्यवाही हुई है।

अपर मुख्य सचिव, गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने बुधवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ऐसे अपराध जिनसे लोक व्यवस्था प्रभावित हो उनमें प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित किये जाने तथा राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के अन्तर्गत कडी विधिक कार्यवाही करने के निर्देश दिये हैं, ताकि अपराधियों में भय एवं जनता में सुरक्षा का भाव सुदृढ़ हो सके। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में प्रदेश में महिलाओं एवं बालिकाओं के विरुद्व जघन्य अपराध, गोकशी की घटनाओं, मादक पदार्थो के अवैध कारोबार में लिप्त व्यक्तियों, गम्भीर अपराधों एवं अन्य सनसनी खेज अपराधों से जुड़े अभियुक्तों को चिन्हित कर उनके विरूद्व आईपीसी की सुसंगत धाराओं के आलावा रासुका के तहत भी कार्यवाही की गयी है। शासन द्वारा सभी जिलाधिकारियों एवं जिले के पुलिस कप्तानों को इस बात के कड़े निर्देश दिये गये हैं कि रासुका की कार्यवाही हेतु पात्र कोई भी अपराधी बचने न पाये।

प्रतिरोध की आवाज को कुचलना चाहती है योगी सरकार–रामगोविन्द

बलिया (एजेसी)।

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता व उत्तर प्रदेश विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता रामगोविन्द चैधरी ने योगी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है

कि सरकार निजी सम्पति नियमावली और अधिकरण का गठन कर राज्य सरकार के विरुद्ध उठ रही प्रतिरोध की आवाजों को कुचलने का कुचक्र कर रही है।

नेता प्रतिपक्ष चैधरी ने संपत्ति क्षति दावा अधिकरण के गठन के निर्णय की आलोचना करते हुए ं।

बुधवार को कहा कि संपत्ति क्षति दावा अधिकरण के फैसलों को न्यायालय की परिधि से बाहर रखने का निर्णय लोकतंत्र और संविधान के खिलाफ होने के साथ ही यह भारतीय न्याय व्यवस्था का भी अपमान करती है।

उन्होंने कहा है कि समाजवादी पार्टी लोकतंत्र, संविधान और भारतीय न्याय व्यवस्था की भावना के विपरीत गठित इस अभिकरण का हर स्तर पर विरोध करेगी।

उन्होंने कहा है कि अधिकरण को मिले असीम अधिकार का साफ अर्थ है कि उत्तर प्रदेश में अब लोकतन्त्र, संविधान और न्याय व्यवस्था का कोई मतलब नहीं है।

उन्होंने कहा है कि यूपी लोक तथा निजी सम्पत्ति नियमावली खुद में कानून सम्मत नहीं है।

अधिकरण गठित कर उसके निर्णयों को न्यायालयों की परिधि से बाहर रखने का निर्णय सीधे–सीधे न्याय व्यवस्था की हत्या है।

बिधनू पुलिस के हत्थे चढ़े 3 शातिर चोर।

कानपुर शातिरों के पास से 40 मोबाइल,लैपटॉप,एलईडी टीवी,तमंचा,कारतूस बरामद। दिन में रेकी कर रात को तालाबंद घरों व दुकानों को बनाते थे निशाना। चकेरी,नौबस्ता और बिधनू में दर्जनों चोरी की वारदातों को अंजाम दे चुके थे शातिर चोर।।

मिशन योगी अगेन 2022 डोर टू डोर चलाएगा कार्यक्रम– अली नकवी

'रायबरेली ब्यूरो

योगी अगेन 2022 अल्पसंख्यक के जिला अध्यक्ष बनने के बाद से लगातार संगठन को मजबूती प्रदान करने को लेकर रायबरेली के अल्पसंख्यक सभा के जिला अध्यक्ष अली नकवी लोगों को संगठन के प्रति जागरूक कर रहे हैं और उन्हें संगठन में जोड़ रहे है वही आज अपने कार्यालय पर अल्पसंख्यक सभा के लोगों के साथ मिशन योगी अगेन 2022 को लेकर लोगों से चर्चा की एवं 2022 में उत्तर प्रदेश से एक बार फिर मुख्यमंत्री महंत योगी आदित्यनाथ को बनाने को लेकर किस तरह से काम किया जाए इस विषय पर बातचीत भी की गई वही अली नकवी जिला अध्यक्ष बनने के बाद से लगातार लोगों से मुलाकात भी कर रहे हैं और उन्हें मिशन योगी अगेन 2022 के बारे में बता भी रहे हैं वही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा कराए गए विकास कार्यों को जनता तक पहुंचाने का भी काम किया जा रहा है वही जिला अध्यक्ष बनने के बाद अली नकवी ने अल्पसंख्यक समाज के वरिष्ठ लोगों को चाय पर बुलाकर उनके साथ चर्चा भी की और 2022 के चुनाव को लेकर अभी से तैयारियों में जुट गए वहीं अली नकवी ने कहा कि 2022 में एक बार फिर महंत योगी आदित्यनाथ की सरकार उत्तर प्रदेश में बनेगी

इसके लिए मिशन योगी अगेन 2022 उत्तर प्रदेश में पूरी तरह से कमर कस चुका है और हम अपने संगठन के साथ लोगों के पास जाकर लोगों को संगठन के प्रति जागरूक करेंगे वही कुछ समय बाद हम लोग डोर टू डोर कार्यक्रम का आयोजन भी करेंगे जिससे हम लोग हर अल्पसंख्यक तक पहुंचे और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा कराए गए अल्पसंख्यक समाज को लेकर कार्य उन कार्यों को जनता तक पहुंचाएं यही हमारी पहली प्राथमिकता होगी और कहा कि एक बार फिर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बनेंगे और प्रदेश की कमान 2022 में एक बार फिर संभालेंगे इसके लिए रायबरेली का मिशन योगी अगेन 2022 अल्पसंख्यक सभा कमर कस चुका है'।

घर–घर आभूषण बेचने वाले कारोबारी की हत्या

सरायख्वाजा क्षेत्र के हैदरपुर गांव निवासी पप्पू मौर्य

जौनपुर (एजेसी)। जिले के सरायख्वाजा क्षेत्र के मैनीपुर गांव में एक आभूषण कारोबारी की धारदार हथियार से हत्या करने के बाद शव को कुएं में फेंक दिया था। जानकारी के मुताबिक सरायख्वाजा क्षेत्र के हैदरपुर गांव निवासी पप्पू मौर्य (40) घर–घर जाकर आभूषण बेचने का कारोबार करता था। मंगलवार की सुबह वह घर से निकला और शाम तक घर वापस नहीं लौटा तो परिजनों ने खोजबीन करना शुरू कर दिया। एक चाय वाले ने बताया कि पप्पू को मैनीपुर में जाते देखा था। परिजन मैनीपुर गांव पहुंचे और उसके भाई लाल कश्यप के घर के लोगों से पूछताछ की तो उन्होंने कुछ ज्यादा बताने से इन्कार कर दिया। भाई लाल कश्यप के ऊपर

पहले भी हत्या का आरोप हैं जिस वजह से परिजनों का संदेश उसकी तरफ बढ़ा।

उन्होंने बताया कि बुधवार की सुबह पप्पू का भतीजा ओम प्रकाश मौर्या फिर पहुंचा और भाई लाल कश्यप के घर लोगों से पूछताछ करने लगा तो लोग इधर–उधर की बातें करने लगे। उन्होंने कहा कि पप्पू आये थे लाकेट गिरवी रखा था जिसे देकर वापस लौट गए। परिजनों का शक और गहरा हो गया। परिजनों की नजर आसपास गिरे खून पर गई तो लोगों के होश उड़ गए। लोग घर के पीछे देखते हुए पदुमपुर गांव की तरफ बढ़े, तभी वहां के लोगों ने कुएं में शव फेंके जाने की बात पर शोर मचाना शुरू कर दिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी भाई लाल कश्यप को गिरफ्तार कर थाने ले गए। इसके बाद भी गुस्साए ग्रामीणों ने आरोपी के परिवारवालों को घेर लिया जिन्हें बचाने के लिए पुलिस को भारी फोर्स बुलानी पड़ी। फोर्स आने के बाद पुलिस आरोपी के परिजनों को जीप में बिठा कर थाने ले गई।

गुस्साई भीड़ तोड़फोड़ के लिए जमा थी जिसके लिए मौके पर पुलिस फोर्स तैनात की गई है। कुएं से शव निकालने के लिए मौके पर जुटी भीड़ ने काफी कोशिश किया लेकिन जहरीली गैस की आशंका के चलते कोई नीचे नहीं उतरा। रस्सी के सहारे पुलिस ने निकालने की कोशिश किया, लेकिन शव नहीं निकाला तो उसमें पानी भरवाया गया तो शव ऊपर आ गया।

फिलहाल सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए मौके पर भारी पुलिस फोर्स पहुंच गई है। शव पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

प्रतिष्ठित व्यापारी के पुत्र ने नदी में कूदकर की आत्महत्या

खीरी (एजेसी)। जिले के निघासन कस्बे के प्रमुख व्यापारी और ग्राम पंचायत खैरहनी के पूर्व प्रधान जगदीश प्रसाद गुप्ता के बेटे राजकिशोर (37) ने बुधवार सुबह शारदानगर पुल से नदी में छलांग लगा दी। उसकी तलाश की जा रही है लेकिन अभी तक कोई सुराग नहीं लग सका है। राजकिशोर के पिता जगदीश प्रसाद गुप्ता ने बताया कि पिछले करीब दो वर्षो से राजकिशोर मानसिक रूप से अस्वस्थ चल रहा था। उसका इलाज लखनऊ के एक डॉक्टर से कराया जा रहा था।

जानकारी के मुताबिक राजकिशोर अपने पिता की गल्ला, गुड़, वनस्पति, तेल, खाद्यान्न आदि की आढ़त पर उनके साथ काम करता था। करीब साल भर पहले तक राजकिशोर ने पतंजलि उत्पादों की एजेंसी भी चलाई। इसके अलावा वह बाबा रामदेव के योग संस्थान से भी जुड़ा था। मंगलवार रात को राजकिशोर की बेटी का जन्मदिन था। इसे मनाने के बाद सभी सो गए थे। सुबह करीब छह बजे राजकिशोर घर में बिना किसी को कुछ बताए अचानक कार से शारदानगर पहुंच गया। वहां से उसने करीब साढ़े छह बजे जगदीश प्रसाद को फोन किया कि वह अपनी जिंदगी से तंग आ गया है। उसका कोई काम भी नहीं चल पा रहा है। अपनी पत्नी और बेटियों का ध्यान रखने का अनुरोध करते हुए उसने नदी में छलांग लगाने की बात कही। जगदीश प्रसाद ने उसको काफी समझाया और रोका लेकिन उसने यह कहकर कि कार शारदानगर पुल पर खड़ी है। कार की चाबी, उसका मोबाइल फोन और सोने की चेन आदि गाड़ी की सीट के नीचे रखे हैं, कहकर उसने फोन काट दिया और नदी में छलांग लगा दी। जगदीश प्रसाद ने बताया कि सोते से जागकर यह कॉल सुनने के बाद वह हक्के–बक्के रह गए। आनन–फानन में ढखेरवा और शारदानगर पुलिस चैकी को फोन किया। साथ ही खुद भी शारदानगर पहुंचे लेकिन राजकिशोर का कहीं पता नहीं लगा। पुल पर लगे सीसीटीवी कैमरों से राजकिशोर के मोबाइल पर बात करने और फिर पुल पर चढ़कर नदी में कूदने की तसदीक हुई। जगदीश प्रसाद ने बताया कि उनके परिवार में किसी प्रकार का कोई विवाद नहीं था और न ही इसकी वजह से वह असंतुष्ट था। अचानक उसकी इस हरकत की वह कोई वजह नहीं बता सके।

यूपी में कोरोना से 53 और की गयी जान, 2638 लोगों ने गंवायी जान

लखनऊ (एजेसी)। उत्तर प्रदेश में बीते 24 घंटे के दौरान कोविड–19 से 53 और मौतों के साथ बुधवार को मृतकों का आंकडा बढ़कर 2638 हो गया। वहीं प्रदेश में कुल एक लाख 67 हजार 510 मामले कोरोना संक्रमण के हैं।

अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि संक्रमण के उपचाराधीन मामलों की संख्या 49 हजार 645 है।

गत 16 अगस्त को ऐसे मामलों की संख्या 51 हजार 537 थी यानी तीन दिन में लगभग दो हजार संख्या कम हुई है। जितने लोग संक्रमित हुए, उससे कहीं ज्यादा उपचारित हुए।

उन्होंने बताया कि अब तक एक लाख 15 हजार 227 लोग पूर्णतया उपचारित होकर घरों को जा चुके हैं। प्रदेश में रिकवरी का प्रतिशत 68.78 प्रतिषत का है। मंगलवार को 5620 लोगों को अस्पतालों से डिस्चार्ज किया गया। उन्होंने बताया कि संक्रमण से अब तक 2638 लोगों की मौत हो गयी है, जो कुल संक्रमित लोगों का 1.57 प्रतिशत है ।

जबकि राष्ट्रीय प्रतिशत 1.91 है। प्रदेश में कुल एक लाख 67 हजार 510 मामले कोरोना संक्रमण के हैं। उन्होंने बताया कि मंगलवार को एक लाख सात हजार 768 सैम्पल जांचे गये। अब तक कुल 40 लाख 75 हजार 174 सैम्पल टेस्ट किये जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि अब तक कुल 40 लाख की संख्या पार करने वाला उत्तर प्रदेश पहला राज्य बन गया है।

अपर मुख्य सचिव ने बताया कि पूल टेस्टिंग के माध्यम से मंगलवार को पांच–पांच सैम्पल के 1854 पूल लगाये गये, जिनमें से 300 पाजिटिव पाये गये जबकि दस–दस पूल के 158 सैम्पल लगाये गये, जिनमें से 12 पाजिटिव निकले। उन्होंने बताया कि आरोग्य सेतु ऐप का लगातारा इस्तेमाल हो रहा है। इस ऐप के माध्यम से अब तक जिन लोगों को एलर्ट आये, ऐसे नौ लाख 38 हजार 378 लोगों को स्वास्थ्य विभाग के नियंत्रण कक्ष या मुख्यमंत्री हेल्पलाइन से फोन कर हालचाल लिया गया है।

अपर मुख्य सचिव प्रसाद ने बताया कि 'ई संजीवनी' पोर्टल का लगातार प्रदेशवासी उपयोग कर रहे हैं। मंगलवार को 1621 लोगों ने घर बैठे चिकित्सकों की राय प्राप्त की।

सर्विलांस का कार्य लगातार जारी है। कुल 62 हजार 772 इलाकों में सर्विलांस का कार्य किया गया है और एक करोड़ 80 लाख 57 हजार 170 घरों में नौ करोड़ आठ लाख 16 हजार 087 लोगों का सर्वेक्षण किया गया है। उन्होंने बताया कि कोविड हेल्पडेस्क बडी संख्या में स्थापित किये गये हैं और अब तक 62 हजार 498 कोविड हेल्पडेस्क स्थापित किये जा चुके हैं।

इन हेल्पडेस्क पर छह लाख 60 हजार 947 लक्षणात्मक लोगों को चिन्हांकित किया गया है। उन्होंने बताया कि कुल 49 हजार 645 एक्टिव केसेज में से 24 हजार 127 लोग होम आइसोलेशन में हैं। निजी अस्पतालों में भुगतान के आधार पर 1766 लोग उपचार करा रहे हैं। सेमी पेड एल–1 प्लस सुविधा के तहत होटलों में 281 लोग इलाज करा रहे हैं। शेष लोग सरकारी अस्पतालों में एल–1, एल–2, एल–3 चिकित्सालयों में उपचार करा रहे हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल कार्यान्वयन के लिए टास्क फोर्स का गठन

लखनऊ (एजेसी)। उत्तर प्रदेश में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020' के सफल क्रियान्वयन की कार्ययोजना तैयार करने के उददेश्य से 17 सदस्यीय टास्क फोर्स का गठन किया गया है।

राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा लागू की गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के उत्तर प्रदेश में सफल क्रियान्वयन हेतु कार्ययोजना तैयार करने के लिए 17 सदस्यीय टास्क फोर्स के गठन को बुधवार संस्तुति प्रदान की। प्रवक्ता ने बताया कि उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा टास्क फोर्स के अध्यक्ष तथा बेसिक शिक्षा मंत्री सतीश द्विवेदी सह–अध्यक्ष होंगे। उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त उत्तर प्रदेश राज्य उच्च शिक्षा परिषद के अध्यक्ष जीसी त्रिपाठी, अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा विभाग श्रीमती रेणुका कुमार, अपर मुख्य सचिव, प्राविधिक शिक्षा एवं व्यवसायिक शिक्षा सुश्री एस राधा चैहान, अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा विभाग श्रीमती मोनिका एस गर्ग, अपर मुख्य सचिव, माध्यमिक शिक्षा विभाग श्रीमती आराधना शुक्ला, पूर्व सचिव, भारत सरकार अनिल स्वरूप, सीबीएसई के पूर्व अध्यक्ष अशोक गांगुली भी इस टास्क फोर्स के सदस्य होंगे।

प्रवक्ता ने बताया कि एकेटीयू, लखनउ के कुलपति विनय पाठक, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान के अध्यक्ष वाचस्पति मिश्र, पूर्व निदेशक, माध्यमिक शिक्षा वीपी खंडेलवाल और पूर्व निदेशक, माध्यमिक शिक्षा कृष्ण मोहन त्रिपाठी इस टास्क फोर्स में सदस्य नामित किए गए हैं। प्रवक्ता के अनुसार इस महत्वपूर्ण टास्क फोर्स में लखनऊ विश्वविद्यालय के अरविंद मोहन, निशी पांडेय तथा अब्बास नैयर भी सदस्य के रूप में सेवाएं देंगे। उन्होंने बताया कि महानिदेशक, सर्व शिक्षा अभियान, विजय किरण आनंद टास्क फोर्स के सदस्य सचिव होंगे।

आपसी रंजिश के मामलों को चिन्हित कर प्रभावी निरोधात्मक कार्यवाही करने के निर्देश

लखनऊ (एजेसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उप्र में शान्ति व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने तथा अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु विभिन्न प्रकार के रंजिश के मामलों में शामिल व्यक्तियों को चिन्हित कर भारी मुचलकों पर पाबन्द करने तथा शस्त्र लाईसेंसो के दुरूपयोग की घटनाओं में तत्परता से प्रभावी विधिक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं।

अपर मुख्य सचिव, गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने यहां एक बयान में बताया कि प्रदेश में जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन एवं वरिष्ठ अधिकारियों को इस संबंध में जरूरी निर्देश भेजे जा चुके हैं। निर्देशों में कहा गया है कि शान्ति एवं व्यवस्था के दृष्टिगत आपसी रंजिश, पंचायत चुनाव सम्बन्धी रंजिश, विवादजन्य रंजिश आदि के मामलो को अभियान चलाकर चिन्हित किया जाय। चिन्हित मामलों में प्रभावी निरोधात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जाय तथा उन्हें भारी मुचलके पर पाबन्द किया जाय। शासन द्वारा कहा गया है कि पाबन्दी का उल्लघंन कर शान्ति भंग करने वालो को प्राथमिकता पर चिन्हित कर उनसे मुचलके व बंधपत्र राशि की वसूली सुनिश्चित करते हुये नियमानुसार सख्त कार्यवाही की जाय। जिलाधिकारियों को इस बात के सख्त निर्देश दिये गये हैं कि पाबन्द करने के बाद भी शान्ति भंग करने वालो को प्राथमिकता पर चिन्हित कर उनसे मुचलके बंध पत्र की राशि की वसूली कर नियमानुसार संख्त कार्यवाही भी की जाए।

शासन द्वारा यह भी निर्देश दिये गये हैं कि शस्त्र लाईसेंसो के दुरुपयोग की घटनाआ.